epaper.dehatsandesh.com

3 राजौरी में मंजाकोट क्रिकेट लीग आयोजित की

5 गेल की बराबरी पर टिम साउथी, 100 छक्कों से सिर्फ 2 कदम दूर

8 ग्रामीण महिलाओं के लिए नाबार्ड की योजनाएं

मौसम जम्मू — न्यूनतम 6 — अधिकतम 19

E-mail: dehatsandesh@gmail.com

देहात संदेश

जम्मू-कश्मीर का एकमात्र ग्रामीण दैनिक

वर्ष-21, जम्मू तवी, अंक-300 | जम्मू तवी, रविवार 15 दिसम्बर, 2024 | मूल्य-3 रूपये- (लेह)4 रूपये | पृष्ठ -8

संविधान का दुरुपयोग कांग्रेस के डीएनए का हिस्सा, हमारे लिए इसकी पवित्रता और अखंडता सर्वोपरि : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली, 14 दिसंबर । प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को कहा कि संविधान का दुरुपयोग करना और उसकी भावना को खत्म करना, कांग्रेस के डीएनए का हिस्सा रहा है और हमारे लिए संविधान, उसकी पवित्रता और अखंडता सबसे महत्वपूर्ण है। यह केवल शब्द नहीं है बल्कि कसौटी के समय में हमने करके दिखाया है और हम तप करके निकले हुए लोग हैं।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के लिए सत्ता का सुख और सत्ता की भूख यही एकमात्र इतिहास है। कांग्रेस ने इसके लिए संविधान संशोधन किए हैं लेकिन हमने देश की एकता, अखंडता और उज्ज्वल भविष्य के लिए संविधान में संशोधन किये हैं और संविधान की भावना के प्रति पूर्ण समर्पण के साथ किए हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने आज संविधान की 75 वर्ष की गौरव यात्रा पर लोकसभा में आयोजित चर्चा का जवाब देते हुए बताया कि उनकी सरकार संकल्प से सिद्धि के मंत्र पर काम कर रही है और मानती है कि देश की एकता ही इसका आधार है। वहीं कांग्रेस पार्टी ने देश की विविधता का उत्सव मनाने की बजाय इसमें जहरीले बीज बोने की कोशिश की है।

प्रधानमंत्री ने कहा कि कांग्रेस ने एक परिवार को आगे पहुंचाने में कोई कसर नहीं छोड़ी है। इस एक परिवार का 55 वर्षों तक देश में शासन रहा है और उसकी कुरीति और कुनीति की परंपरा आज भी चल रही है। कांग्रेस ने संविधान को हर स्तर पर चुनौती दी है। 1951 में अभिव्यक्ति की आजादी पर हमला करते हुए अध्यादेश लाने से यात्रा शुरू हुई थी।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस के मुंह में संविधान का शिकार करने का खून लग गया था और समय-समय पर उसने संविधान संशोधन किया और संविधान की भावना को लहूलुहान किया। कांग्रेस ने छह दशक में 75 बार संविधान को बदला। अब कांग्रेस पार्टी संविधान के आधार पर आरक्षण देने का निर्लज्ज प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी स्वयं अपने संविधान को नहीं मानती। कांग्रेस की कार्यसमितियों ने नेहरूजी के स्थान पर सरदार पटेल को प्रधानमंत्री बनाए जाने का प्रस्ताव किया था लेकिन उसे नजरअंदाज करते हुए वे प्रधानमंत्री बने।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार में देश की एकता को मजबूत करने के लिए संविधान में संशोधन किए गए हैं। अनुच्छेद 370 को हटाया जाना और महिलाओं को आरक्षण देना हमारी सरकार की उपलब्धि है। उन्होंने बताया कि उनकी सरकार ने एक राष्ट्र एक राशन कार्ड और एक राष्ट्र एक हेल्थ कार्ड जैसे रिफॉर्म किए। आकांक्षी जिलों, पिछड़े वर्गों और गरीबों के उत्थान के लिए कार्य किया।

उन्होंने कहा कि 2014 में एनडीए की सरकार बनने के बाद से लोकतंत्र संविधान को मजबूती मिली है। गरीबों को मुश्किल से मुक्ति मिली है और हमें गर्व है कि हमने 25 करोड़. लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है।

आतंकवाद से जुड़े मामले में अनंतनाग की जिला जेल समेत कश्मीर में कई जगहों पर सीआईके कर रही छापेमारी

श्रीनगर, 14 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर पुलिस की काउंटर इंटेलिजेंस कश्मीर (सीआईके) शाखा आतंकवाद से जुड़े एक मामले की जांच के लिए अनंतनाग की जिला जेल समेत कश्मीर में कई जगहों पर छापेमारी कर रही है। अधिकारियों ने शनिवार को यह जानकारी दी।

पिछले सप्ताह आतंकवाद रोधी खुफिया एजेंसियों की दो शाखाओं-सीआईके और राज्य जांच एजेंसी (एसआईए) ने नियंत्रण रेखा के पार आतंकवादी आकाओं के साथ कुछ कैदियों के कथित संबंधों की जांच के लिए श्रीनगर की उच्च सुरक्षा वाली सेंट्रल जेल पर छापेमारी की थी।

अधिकारियों ने बताया कि सीआईके की टीमें अनंतनाग की जिला जेल मट्टन में विभिन्न ब्लॉकों और बैरकों में तलाशी ले रही हैं। इसी तरह सीआईके की टीमें दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के सोनीगाम और चावलगाम इलाकों में भी तलाशी ले रही हैं।

अधिकारियों ने बताया कि यह तलाशी अभियान आतंकवाद से जुड़े एक मामले की चल रही जांच का हिस्सा बताया जा रहा है जिसमें जांच के दौरान जिला जेल परिसर के अंदर तकनीकी हस्ताक्षर पाए गए थे। उन्होंने बताया कि सक्षम अदालत से प्राप्त तलाशी वारंट के आधार पर छापेमारी की योजना बनाई गई और उसे अंजाम दिया गया।

5 दिसंबर को पुलिस ने कहा था कि श्रीनगर की सेंट्रल जेल की तलाशी के दौरान जेल के कैदियों से मोबाइल फोन समेत कई डिजिटल डिवाइस बरामद किए गए थे। जांच के दौरान यह बात सामने आई कि सेंट्रल जेल में मोबाइल फोन और अन्य डिवाइस का इस्तेमाल सक्रिय आतंकवादियों से संवाद करने और आतंकवादी गतिविधियों को आगे बढ़ाने के लिए हैंडलर्स से मिले निर्देशों को आगे बढ़ाने के लिए किया गया था।

कश्मीर घाटी में बढ़ने लगी होख स्यून की मांग

श्रीनगर, 14 दिसंबर । सर्दियों की ठंड के बीच पारंपरिक धूप में सुखाई गई सब्जियों की मांग जिन्हें स्थानीय रूप से होख स्यून के रूप में जाना जाता है,कश्मीर घाटी में बढ़ने लगी है।

यह परंपरा सदियों से चली आ रही है जिससे कश्मीर उन कुछ जगहों में से एक बन गया है जहाँ आधुनिक समय में भी सूखी सब्जियाँ मुख्य भोजन बनी हुई हैं।

होख स्यून में धूप में सुखाए गए बैंगन, लौकी, शलजम, पालक, टमाटर और मेथी शामिल हैं। ये सभी स्थानीय रूप से गर्मियों के महीनों में उगाए जाते हैं। इन सब्जियों को कठोर सर्दियों के लिए संरक्षित करने के लिए सुखाया जाता है ताकि ताजा उपज कम होने पर भोजन की उपलब्धता सुनिश्चित हो सके।

सुखाने की प्रक्रिया, गर्मियों की एक आम गतिविधि है जिसमें महिलाएँ सब्जियों को सावधानीपूर्वक तैयार करती हैं और उन्हें धूप में सूखने के लिए घर की दीवारों पर लटका देती हैं।

सर्दियों के मौसम में श्रीनगर के पुराने शहर और अन्य इलाकों के बाज़ार धूप में सुखाई गई सर्दियों की खास सब्जियाँ बेचने वाले विक्रेताओं से भरे होते हैं। इस परंपरा को कायम रखने वाले कई लोगों में से एक 19 वर्षीय आमिर राथर भी हैं, जो दक्षिण कश्मीर के कुलगाम जिले के दमहाल हंजीपोरा के निवासी हैं। आमिर आठ साल से श्रीनगर के डलगेट इलाके में सूखी सब्जियाँ बेच रहे हैं, 15 साल पहले अपने पिता को खोने के बाद वह अपने परिवार के लिए एकमात्र कमाने वाले बन गए हैं।

मोदी ने नया कुछ नहीं बोला सिर्फ बोर किया : प्रियंका

नयी दिल्ली, 14 दिसम्बर। कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने लोकसभा में संविधान अंगीकार करने के 75 वर्षों के गौरवशाली यात्रा पर दो दिन चली चर्चा पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के भाषण पर प्रतिक्रया व्यक्त करते हुए कहा कि उनके भाषण में कुछ नया नहीं था।

श्रीमती वाड्रा ने संसद भवन परिसर में पत्रकारों के श्री मोदी के भाषण पर प्रतिक्रिया पूछने पर कहा कि उनके भाषण में कोई दम नहीं था और जो 11 संकल्प उन्होंने बताए हैं उनमें भी कुछ नहीं है। श्री मोदी के बताए ये सभी संकल्प खोखले हैं।

उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जी ने एक नई चीज नहीं बोली, पूरी तरह से बोर कर दिया। मैंने सोचा था.. प्रधानमंत्री जी कुछ नया और अच्छा बोलेंगे, लेकिन खोखले 11 संकल्प गिनाए। अगर भ्रष्टाचार पर जीरो टॉलरेंस है तो अडानी पर बहस तो कीजिए।

राजौरी में 7 रहस्यमय मौतों की जांच में सहायता के लिए विशेष टीमें पहुंचीं जम्मू

जम्मू, 14 दिसंबर कोटरंका के बधाल गांव में 8 और 12 दिसंबर को दो अलग-अलग घटनाओं में सात लोगों जिनमें एक व्यक्ति और उसके चार बच्चे और एक अन्य जोड़े के दो अन्य भाई-बहन की मौत हो गई। अधिकारियों को उनकी रहस्यमय मौत का कारण फूड पॉइजनिंग होने का संदेह है।

सरकारी मेडिकल कॉलेज (जीएमसी) के प्रिंसिपल डॉ. आशुतोष गुप्ता ने यहां संवाददाताओं से कहा कि हमारी प्रारंभिक जांच वायरल संक्रमण की ओर इशारा करती है लेकिन निष्कर्ष (मौतों के कारण पर) तक पहुंचने के लिए और काम किए जाने की जरूरत है। जांच में सहायता के लिए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ वायरोलॉजी पुणे, पीजीआई चंडीगढ़ और नेशनल सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल (एनसीडीसी), दिल्ली के विशेषज्ञों की टीम यहां पहुंच गई है।

उन्होंने कहा कि अंतिम रूप देने के लिए कुछ और समय की आवश्यकता है कि मौतें वायरस के प्रकोप या कुछ विषाक्त पदार्थों के कारण हुईं हैं। हालांकि डॉ. गुप्ता ने कहा कि हालात पूरी तरह नियंत्रण में हैं और घबराने की कोई जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि मौतों के सही कारण का पता लगाने के लिए जांच को आगे बढ़ाने के लिए विशेषज्ञों की एक संयुक्त टीम बनाई गई है। अभी तक कोई अन्य मामला सामने नहीं आया है। डॉ. गुप्ता ने कहा कि पिछले दो दिनों से गांव में डेरा डाले स्वास्थ्य विभाग की टीमों ने 1800 से अधिक ग्रामीणों की जांच की है जिनमें बुखार, शरीर में दर्द और उनींदापन जैसे असामान्य लक्षण वाले कोई मरीज नहीं मिले। उन्होंने लोगों से कहा कि घबराने कोई जरूरत नहीं है। अगर महामारी है भी तो वह पूरी तरह नियंत्रण में है। डॉ. गुप्ता ने आगे कहा कि एक महिला जिसने शादी समारोह में भाग लेने के बाद अपने पति और बच्चों को खो दिया था, उसका जम्मू के एक अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसकी हालत स्थिर है जबकि दो अन्य जीएमसी राजौरी में उपचाराधीन हैं।

केंद्र ने पंडाच-मणिगाम 4-लेन राजमार्ग परियोजना के लिए 827.98 करोड़ रुपये मंजूर किए

जम्मू, 14 दिसंबर । राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने शनिवार को जम्मू-कश्मीर में पंडाच से मणिगाम तक 4-लेन राजमार्ग के निर्माण और उन्नयन के लिए 827.98 करोड़ रुपये मंजूर किए।

एक्स के माध्यम से गडकरी ने कहा कि जम्मू और कश्मीर में हमने वेइल ब्रिज के पास पंडाच से मणिगाम तक 12.11 किलोमीटर लंबे 4-लेन राजमार्ग के निर्माण और उन्नयन के लिए 827.98 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं।

पोस्ट में लिखा है इस परियोजना में 1 प्रमुख पुल, 3 छोटे पुल और 51 बॉक्स कलवर्ट शामिल हैं साथ ही गंदरबल शहर से होकर गुजरने वाली 2.55 किलोमीटर लंबी एलिवेटेड संरचना भी शामिल है। श्रीनगर रिंग रोड का हिस्सा यह राजमार्ग लेह और कारगिल की यात्रा करने वाले पर्यटकों और रक्षा वाहनों के लिए कनेक्टिविटी को काफी हद तक बढ़ाएगा।

यह परियोजना महत्वपूर्ण क्षेत्रों तक पहुँच को सुव्यवस्थित करती है और क्षेत्रीय सुरक्षा को बढ़ावा देती है।

हमारा संविधान सबसे बड़ा और खूबसूरतः रिजिजू

नयी दिल्ली 14 दिसंबर। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के मंत्री किरण रिजिजू ने समानता को संविधान की आत्मा करार देते हुए लोकसभा में आज कहा कि इसमें सभी नागरिकों के लिए बराबरी का अधिकार और अवसर प्रदान किया गया, इसलिए यह दुनिया का सबसे बड़ा और खूबसूरत संविधान है।

संसदीय कार्य मंत्री किरण रिजिजू ने 'संविधान अंगीकार करने के 75 वर्षों की गौरवशाली यात्रा' पर आज दूसरे दिन चर्चा की शुरुआत करते हुए कहा कि संविधान की भावना के अनुसार ही प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सबका साथ, सबका विकास और सबका प्रयास के साथ सरकार का कामकाज शुरू किया। उन्होंने कहा कि संविधान की बदौलत ही आज देश के सर्वोच्च पद पर एक आदिवासी महिला विराजमान है। उन्होंने कहा कि हमारा संविधान दुनिया का सबसे बड़ा ही नहीं, बल्कि सबसे खूबसूरत भी है, जिसमें सभी के लिए प्रावधान है। इस संविधान को लेकर हम लोग गौरव महसूस करते हैं।

श्री रिजिजू ने कहा कि हमारे देश में अल्पसंख्यक आयोग है, जबकि अन्य देश में ऐसा नहीं है। अल्पसंख्यकों के लिए विशेष कानून बनाया गया है। अल्पसंख्यकों के लिए कई योजनाएं बनाई गई, जिसका उनको लाभ मिल रहा है। कांग्रेस की सरकार हो या हमारी सरकार सबने अपने तरीके से काम किया है, लेकिन अल्पसंख्यक यहां सुरक्षित नहीं है, यह कहना गलत है। इस तरह की बात नहीं करनी चाहिए, जिससे देश की छवि खराब हो। देश में अल्पसंख्यक सुरक्षित हैं तभी तो दूसरे देशों के पीड़ित यहां आते हैं।

उपराष्ट्रपति ने पराली जलाने के लिए व्यवस्था आधारित समाधान का किया आह्वान

नई दिल्ली, 14 दिसंबर । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को पराली जलाने के लिए एक व्यवस्था आधारित समाधान खोजने का आह्वान किया और कहा कि इसे केवल व्यक्तियों पर नहीं छोड़ना चाहिए।

नई दिल्ली के विज्ञान भवन में राष्ट्रीय ऊर्जा संरक्षण दिवस समारोह को संबोधित करते हुए धनखड़ ने कहा कि हर साल राष्ट्रीय राजधानी पराली जलाने के कारण होने वाली खतरनाक पर्यावरणीय स्थितियों से प्रभावित होती है। उन्होंने कहा, ऋहमें नवाचार मोड में आना चाहिए, एक व्यवस्था आधारित समाधान खोजना चाहिए, इसे व्यक्तियों पर नहीं छोड़ना चाहिए। व्यवस्था को समय के साथ विकसित होना चाहिए।

धनखड़ ने कहा कि हमारी उपेक्षा और लापरवाही हमें कई तरीकों से संकट में डाल रही है। इससे हमारी सेहत, काम के घंटे का नुकसान, सामान्य जीवन का विघटन और प्रदूषण के कारण स्कूलों के बंद होने पर बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है। उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन की समस्या सामाजिक बाधाओं को समाप्त कर देती है।

आतंकवाद से जुड़े मामलों में पुलिस ने पाकिस्तान स्थित एक आतंकवादी समेत सात लोगों के खिलाफ किया आरोपपत्र दाखिल

जम्मू, 14 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले में आतंकवाद से जुड़े दो अलग-अलग मामलों में पुलिस ने पाकिस्तान स्थित एक आतंकवादी समेत सात लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डोडा संदीप मेहता ने शनिवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को डोडा में एनआईए अदालत में आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किए गए। उन्होंने गैरकानूनी गतिविधियों में शामिल लोगों के खिलाफ ऋनिर्णायक कार्रवाईऋ करके शांति और सुरक्षा बनाए रखने और अपराधियों को न्याय का सामना सुनिश्चित करने के पुलिस के संकल्प की पुष्टि की। अधिकारी ने कहा कि सभी सात आरोपियों ने पहाड़ी जिले में आतंकवादी समूहों को भोजन और अन्य रसद चीजें प्रदान करके गुप्त रूप से या खुले तौर पर उनका समर्थन किया है। एसएसपी ने कहा इस साल की शुरुआत में गंदोह पुलिस स्टेशन में दर्ज पहला मामला तीन आरोपियों - सफ़दर अली, मुबाशर हुसैन और सज्जाद अहमद से जुड़ा है जो तांता-कहारा क्षेत्र के हैं - जिन पर गैरकानूनी गतिविधि (रोकथाम) अधिनियम के कई प्रावधानों सहित कानून की कई धाराओं के तहत आरोप लगाए गए हैं। दूसरे मामले में मेहता ने कहा कि भद्रवाह पुलिस स्टेशन में दर्ज एक अन्य प्राथमिकी में चार अन्य व्यक्तियों के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया गया है। उन्होंने बताया कि आरोपियों में मोहम्मद रफी और एक आतंकवादी मोहम्मद अमीन भट उर्फ खुबैब शामिल हैं जो वर्तमान में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर से सक्रिय है। उन्होंने कहा कि यूएपीए और भारतीय शस्त्र अधिनियम सहित कानून की विभिन्न धाराओं के तहत आरोप तय किए गए हैं। एसएसपी ने सक्रिय उग्रवाद और ऐसी गतिविधियों को बनाए रखने वाले समर्थन के नेटवर्क दोनों को संबोधित करने की अपनी प्रतिबद्धता दोहराई।उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई क्षेत्र में आतंकवाद को सक्षम करने वाली रसद और वित्तीय प्रणालियों को खत्म करने की व्यापक रणनीति का हिस्सा है। पुलिस उन सभी लोगों की गतिविधियों पर कड़ी नज़र रख रही है जो या तो राष्ट्र-विरोधी तत्वों को समर्थन जुटा रहे हैं या उन्हें रसद सहायता प्रदान कर रहे हैं।

खनिजों के अनाधिकृत उत्खनन, परिवहन को रोकने के लिए सख्त उपाय लागू करें: उप मुख्यमंत्री

श्रीनगर 14 दिसंबर। क्षेत्र में अवैध खनन पर अंकुश लगाने की तत्काल आवश्यकता पर जोर देते हुए, उपमुख्यमंत्री ने अधिकारियों को खनिजों के अनधिकृत निष्कर्षण और परिवहन को रोकने के लिए सख्त उपाय लागू करने का निर्देश दिया। उपमुख्यमंत्री ने नागरिक सचिवालय, श्रीनगर में खनन विभाग की एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह निर्देष दिये। बैठक में खनन विभाग के आयुक्त/सचिव, निदेशक भूविज्ञान और खनन जम्मू-कश्मीर, सरकार के विशेष सचिव खनन विभाग, संयुक्त निदेशक भूविज्ञान और खनन (कश्मीर), और कश्मीर संभाग के सभी जिला खनिज अधिकारी भी षामिल हुए। शुरुआत में, निदेशक ने संचालन को सुव्यवस्थित करने और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए विभाग द्वारा की गई प्रमुख पहलों को प्रस्तुत किया। इनमें ई-नीलामी में परिवर्तन, ई-चालान और ई-मार्केट वेब पोर्टल का शुभारंभ और जनता को निर्माण सामग्री की सुनिश्चित आपूर्ति और सरकार द्वारा शुरू की गई कई विकासात्मक परियोजनाएं षामिल हैं। उपमुख्यमंत्री ने जीपीएस-सक्षम वाहनों, खनन स्थलों पर सीसीटीवी निगरानी और ड्रोन निगरानी जैसी आधुनिक तकनीक की तैनाती के माध्यम से सतर्कता बढ़ाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, अधिकारियों को अवैध गतिविधियों का पता लगाने और उन्हें रोकने के लिए खनन स्थलों का लगातार और औचक निरीक्षण करना चाहिए। उपमुख्यमंत्री ने ई-मार्केट वेब पोर्टल पर सटीक और वास्तविक समय डेटा प्रविष्टि की आवश्यकता पर जोर दिया ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि निकाली गई सभी मात्राओं का उचित हिसाब लगाया जा सके।

एक राष्ट्र, एक चुनाव को लागू करने की अवधारणा देश के संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाएगी : तारिगामी

जम्मू, 14 दिसंबर । वरिष्ठ सीपीआई (एम) नेता एम वाई तारिगामी ने शनिवार को केंद्र के एक राष्ट्र, एक चुनाव को लागू करने के कदम का विरोध करते हुए कहा कि यह अवधारणा भारत के विचार की भावना के विरुद्ध है और देश के संघीय ढांचे को नुकसान पहुंचाएगी।

उन्होंने सभी से इस जनविरोधी निर्णय के खिलाफ अपनी राजनीतिक संबद्धता से ऊपर उठने की अपील की। जम्मू में पत्रकारों से बात करते हुए तारिगामी ने जम्मू-कश्मीर के राज्य का दर्जा बहाल करने में हो रही देरी पर भी अपनी नाराजगी जताई और भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र से केंद्र शासित प्रदेश में दोहरी सत्ता प्रणाली को समाप्त करके क्षेत्र के लोगों के फैसले का सम्मान करने का आग्रह किया। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) के नेता ने कहा कि हमारी राय में एक राष्ट्र, एक चुनाव की अवधारणा भारत के विचार और उसके संघीय ढांचे की भावना के खिलाफ है जो देश की विशाल विविधताओं को संरक्षण दे रही है। उन्होंने कहा कि भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है और यह लोकतांत्रिक तत्व ही विभिन्न संस्कृतियों, पहचानों और धार्मिक विश्वासों को मजबूत करता है और देश को एक साथ रखता है। तारिगामी ने कहा कि ये विविधताएं भारत का असली चेहरा और असली ताकत हैं जिसने देश को विघटित करने के अतीत के सभी प्रयासों को विफल करने में मदद की है। देश की नींव मजबूत है और इसकी संरचनाएं समृद्ध होने के लिए इन विविधताओं पर निर्भर हैं। उन्होंने विविधता को मजबूत करने के उपायों की मांग की। उन्होंने कहा कि एक राष्ट्र, एक चुनाव की यह अवधारणा देश के लिए अच्छी नहीं है।

अतिरिक्त कृषि ऋण की सीमा बढ़ाकर दो लाख रुपए

नयी दिल्ली 14 दिसंबर । भारतीय रिज़र्व बैंक ने कृषि संबंधी सहायक कार्यों के अतिरिक्त कृषि ऋण की सीमा 1.6 लाख रुपए से बढ़ाकर दो लाख रुपए करने की घोषणा की है।

केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय ने शनिवार को यहां बताया कि किसान पर 1.6 लाख रुपये की वर्तमान ऋण सीमा को बढ़ाकर दो लाख रुपये कर दिया गया है। यह परिवर्तन एक जनवरी 2025 से प्रभावी होगा।

मंत्रालय के अनुसार यह निर्णय मुद्रास्फीति और कृषि की बढ़ती लागत के कारण से किया गया है। इसका उद्देश्य किसानों को बेहतर वित्तीय पहुँच प्रदान करना है और यह सुनिश्चित करना कि उनके पास अपनी कृषि आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त संसाधन हों।

आरबीआई ने कहा है कि दो लाख रुपये तक के ऋण के लिए किसी गारंटी की आवश्यकता नहीं होगी।

यह कदम विशेष रूप से छोटे और सीमांत किसानों के लिए ऋण पहुंच को बढ़ाता है। इस पहल से किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) ऋणों की संख्या बढ़ने की उम्मीद है जिससे किसानों को कृषि कार्यों में निवेश करने और अपनी आजीविका में सुधार करने में सहायता मिलेगी।

माथेरान हिल स्टेशन में सबकुछ मिलेगा, देख लिया तो चकित रह जाएंगे

हिल स्टेशन को मनोरम पहाड़ी इलाका कहते हैं। भारत में पहाड़ियों की विशालतम, लंबी, सुंदर और अद्भुत श्रृंखलाएं हैं। एक और जहां विध्यांचल, सतपुड़ा की पहाड़ियां है, तो दूसरी ओर आरावली की पहाड़ियां। कश्मीर से लेकर कन्याकुमारी तक भारत में एक से एक शानदार पहाड़ हैं, पहाड़ों की श्रृंखलाएं हैं और सुंदर एवं मनोरम घाटियां हैं। यहां पर घूमना बहुत ही यादगार और शानदार होता है। आओ इस बार जानते हैं भारत के टॉप हिल स्टेशनों में से एक माथेरान हिल स्टेश के बारे में रोचक जानकारी।

माथेरान हिल स्टेशन :

1. यह हिल स्टेशन महाराष्ट्र के रायगढ़ जिले में स्थित है।
2. इसे देश के सबसे छोटे हिल स्टेशन परंतु खूबसूरत हिल स्टेशन का दर्जा प्राप्त है।
3. यहां देखने के लिए कई व्यू प्वाइंट, झीलें और पार्क हैं जिनमें मंकी प्वाइंट, लिटिल चॉक, चॉक पॉइण्ट, इको प्वाइंट, मनोरमा प्वाइंट, सनराइज और सनसेट प्वाइंट प्रमुख हैं।
4. यहां झरने और बादलों को देखने का मजा ही कुछ और है। बादलों से घिरे पहाड़ और पहाड़ों से गिरते झरनों को देखकर आप चकित रह जाएंगे। इन अद्भुत नजारों का आनंद अपने आप में ही बहुत रोमांच भरा है।
5. यहां जितने ऊंचे पड़ा हमें चकित करते हैं उतनी ही नीची घाटियों को देखने से हमारा मन प्रसन्न हो जाता है। पेड़ों के घने आवरण से बीच में पहाड़ी के नीचे की घाटियां, तीव्र ढलानों, पठारों और मैदानों के कई विहंगम दृश्य हमें मोहित करते हैं।
6. माथेरान में चारों ओर छायादार घने पेड़ और हरियाली से लदी समतल पहाड़ियां भी हैं जहां सब तरफ लहरदार पैदल रास्ते मौजूद हैं। यहां पैदल घुमने का भी मजा ही कुछ और है।
7. माथेरान में मोटर वाहन के प्रवेश पर पूरी तरह पाबंदी है। वैसे यहां सवारी के लिए घोड़े, खच्चर, टट्टू, हाथ से खींचने वाले रिक्शे और पालकी उपलब्ध रहते हैं लेकिन आप चाहें तो पैदल घूम कर भी पूरे हिल स्टेशन का मजा ले सकते हैं।
8. माथेरान में एक खुबसूरत झील भी है। कच्ची-पक्की पगडंडियों के जरिए नीचे घाटी की तरफ जाने पर उस झील तक भी पहुंचा जा सकता है जहां से पूरे माथेरान में पानी की सप्लाई होती है।
9. यदि आप मुंबई से माथेरान जाने चाहते हैं तो मुंबई के करीब नेरूल जंक्शन से दो फुट चौड़ी नैरो गेज लाईन पर चलने वाली टॉय-ट्रेन सबसे बेहतर विकल्प हैं जो लगभग 22 किमी का सफर तय करके पर्यटकों को माथेरान बाजार के बीच स्थित रेलवे स्टेशन तक पहुंचाती है। हालांकि यह ट्रेन आराम से ही चलती है लेकिन जितनी भी देर का सफर हो उसका आदंन ही कुछ और है क्योंकि यात्रा में इतने तीखे और घुमावदार मोड़ हैं कि कई बार पुरी ट्रेन या अगला पिछला कोच एकदम पुरा दिखाई देता है। साथ ही रास्ते के प्राकृतिक नजारे भी बहुत रोमांचित करते हैं।
10. बारिश के महीनों को छोड़कर यहां कभी भी जाया जा सकता है। बारिश के मौसम में घने बादल होते हैं जिसके चलते दूर-दूर तक नजारे कम देखने को मिलते हैं साथ ही यहां कच्ची सड़क होने से फिसलने का खतरा भी बढ़ जाता है।
11. यहां रहने और खाने की कोई परेशानी नहीं है परंतु आप खाने और पीने की व्यवस्था खुद करके ले जाएंगे तो पैदल घुमते वक्त परेशानी नहीं होगी।

15 दिसंबर - सरदार वल्लभ भाई पटेल पुण्यतिथि पर जानिए कहाँ है उनकी विशाल प्रतिमा

स्टेचू ऑफ यूनिटी देश के पहले गृहमंत्री रहे सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा है। यह दुनिया की सबसे ऊंची प्रतिमा है तथा शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा इसे 8 अजूबों की लिस्ट में शामिल किया है।

इस प्रतिमा की विशालता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि मात्र इसके चेहरे की ऊंचाई ही 7 मंजिली इमारत के बराबर है। इतना ही नहीं लौह पुरुष की प्रतिमा के 6 फीट के इंसान के कद से बड़े होंठ, आंखें और जैकेट के बटन हैं। इसके हाथ 70 फुट लंबे हैं, जबकि पैर के निचले हिस्से की ऊंचाई 85 फुट है। इस मूर्ति की ऊंचाई न्यूयॉर्क स्थित 'स्टेच्यू ऑफ लिबर्टी' से भी करीब दोगुनी है।

गुजरात में केवड़िया कॉलोनी में नर्मदा नदी पर स्थित सरदार सरोवर बांध से लगभग 3 किलोमीटर की दूरी पर सरदार वल्लभभाई पटेल की 182 मीटर ऊंची प्रतिमा, स्टेच्यू ऑफ यूनिटी स्थित है। इस विशाल प्रतिमा को बनाने की घोषणा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वर्ष 2010 में की थी, जब वे गुजरात के तत्कालीन मुख्यमंत्री के तौर पर कार्यरत थे। और अक्टूबर 2013 में तब मुख्यमंत्री रहे मोदी ने इसकी आधारशिला रखी थी, इसे बनाने का काम एलएंडटी कंपनी को अक्टूबर 2014 को दिया गया था तथा इसके निर्माण की शुरुआत अप्रैल 2015 में हुई थी।

इस विशाल मूर्ति को बनाने में 90 हजार टन सीमेंट और लगभग 24,000 टन स्टील, 25,000 टन लोहा तथा 1,700 टन तांबा और इतना ही कांसा उपयोग किया गया है। इस प्रतिमा के आधार पर एक म्यूजियम और इसके अंदर 153 मीटर की ऊंचाई पर जहां इसका हृदयस्थल है, उसमें पहाड़ी क्षेत्र, नर्मदा नदी और निकटवर्ती सरदार सरोवर डैम का नजारा देखने के लिए एक दर्शक क्षेत्र भी बनाया गया है।

इतना ही नहीं इस विशालकाय प्रतिमा में 2 लिफ्ट भी लगी हुई हैं। इस मूर्ति को 7 किमी दूर से देखा जा सकता है। इस प्रतिमा में महत्वपूर्ण बात यह है इसकी ऊंचाई कि गुजरात की असेंबली सीट 182 के बराबर ही रखी है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 31 अक्टूबर, 2018 को इस प्रतिमा का अनावरण करके इसे राष्ट्र को समर्पित किया है। सरदार वल?लभ भाई पटेल की इस प्रतिमा का कार्य मात्र 4 वर्षों में पूरा किया गया है तथा इसे बनाने की लागत 2,989 करोड़ रुपए आई है। सबसे कम समय में बनने वाली यह दुनिया की पहली प्रतिमा है।

बता दें कि इसे एक टूरिस्ट स्पॉट के रूप में घोषित किया जा चुका है। तथा यहां इस मूर्ति के अलावा एक ट्राइबल म्यूजियम, एक गार्डन और बोटिंग फैसिलिटीज की सुविधा भी है। तथा यहां पहुंचने के लिए पैदल रास्ता, फोर लेन हाईवे की सुविधा और इसके पास में ही 52 कमरों का भारत भवन 3 स्टार होटल है। यहां से लोग सरदार सरोवर बांध के अलावा नर्मदा के 17 किमी लंबे तट पर फैली फूलों की घाटी का नजारा देख सकेंगे।

इस प्रतिमा के अनावरण के साथ ही यह चीन के स्प्रिंगफील्ड बुद्धा की 153 मीटर ऊंची मूर्ति प्रतिमा को पीछे छोड़ते हुए आधिकारिक तौर पर दुनिया की सबसे ऊंची मूर्ति बन गई। यह भी माना जाता है कि अमेरिका के 133 साल पुराने 'स्टेचू ऑफ लिबर्टी' को देखने आने वाले पर्यटकों से ज्यादा अब 'स्टेचू ऑफ यूनिटी' को देखने आने वाले पर्यटकों की संख्या हो गई है। शंघाई कॉर्पोरेशन ऑर्गेनाइजेशन द्वारा स्टेचू ऑफ यूनिटी को 8 अजूबों की लिस्ट में शामिल करना, निश्चित रूप से एक प्रेरणा के रूप में काम करेगा।

विंटर्स में स्कीइंग का लेना है आनंद तो इन हिल स्टेशनों पर जरूर जाएं

सर्दी के मौसम में बर्फबारी देखने का अपना अलग ही मजा है। आपको भी अगर बर्फबारी देखना और बर्फ में खेलना पसंद है तो आज हम आपको कुछ ऐसी जगहों के बारे में बताने जा रहे हैं जहां आपको चारों तरफ बर्फ ही बर्फ नजर आएगी। बर्फ से ढकी पहाड़ियां और पेड़-पौधे आपका मन मोह लेंगे। यहां आप स्नोमैन बनाना और स्केटिंग जैसी एक्टिविटीज़ भी कर सकते हैं।

औली: औली बेहद शांत और खूबसूरत हिल स्टेशन है यहां आप स्कीइंग का आनंद ले सकते हैं। यह सबसे फेमस स्कीइंग प्लेस है। यहां नंदा देवी, नर पर्वत, माना पर्वत, घोरी पर्वत, नीलकंठ, बीथरटोली और दुनागिरी जैसी बर्फ से ढकी पहाड़ियां आपको एक अलग ही दुनिया में ले जाती हैं। आप अपने साथ किसी अच्छे पेशेवर स्कीयर को ले जा सकते है। आप नवम्बर से मार्च तक औली जा सकते हैं।

तवांग: तवांग में आपको पर्यटकों की कम भीड़ देखने को मिलेगी। यहां आपको चारो और बर्फ की वादियां दिखाई देंगी। तवांग बेहद खूबसूरत प्राकृतिक दृश्यों, हरे-भरे जंगलों और खूबसूरत झीलों के लिए भी जाना तवांग में स्कीइंग का मजा लेने के लिए सबसे अच्छी जगह पंगा टेंग त्सो झील या पीटी झील है। तवांग जाने का सबसे अच्छा समय दिसंबर से फरवरी है।

मनाली: एक बहुत ही खूबसूरत हिल स्टेशन है यह हिमांचल प्रदेश में है यहां आपको टूरिस्ट की भीड़ मिलेगी। इसलिए होटल की बुकिंग पहले से ही करा लें। मनाली में आमतौर पर नवम्बर के शुरुआत में ही बर्फबारी होने लगती हैं यहां आप ट्रेकिंग, स्कीइंग और कई तरह की एक्टिविटीज इंजॉय कर सकते है।

शिमला: शिमला आप दिसम्बर से जनवरी तक जा सकते हैंक्योंकि इस समय यहां अच्छी बर्फबारी देखने को मिलेगी। यहां आस-पास कुफरी, मनाली, डलहौजी जैसी जगहें हैं जहां आप जा सकते है।

मुनस्यारी: मुनस्यारी अपनी बर्फ़बारी के लिए प्रसिद्ध है फेमस स्कीइंग प्लेस है यह जौहर घाटी केपास है। मुनस्यारी नाम का शाब्दिक अर्थ है 'बर्फ से ढकी जगह'। मुनस्यारी को एक ऐसी जलवायु और इसके प्राकृतिक नज़ारे इसको पर्वतारोहियों, का पसंदीदा स्थान है यहां के ग्लेशियर के प्रति उत्साही और उच्च ऊंचाई वाले ट्रेकर्स के लिए एक अड्डा है। बर्फ से ढकी ढलानें आपके स्कीइंग कौशल को परखने का एक शानदार अवसर प्रदान करती हैं।

गुलमर्ग: गुलमर्ग में आपको चारो तरफ बर्फ नजर आएगी यह देश का सबसे पॉपुलर स्कीइंग प्लेस है। गुलमर्ग सर्दियों में बर्फ से लदी वादियां है और कागज से सफेद बर्फ से ढके पहाड़ों के बीच खेल का आनंद लेने के लिए बेस्ट प्लेस है। आप गुलमर्ग में दो जगहों से स्कीइंग शुरू कर सकते हैं कोंगडोरी और अपर्वहाट पीक। आप या तो कोंगडोरी की 450 मीटर की ढलान पर स्कीइंग कर सकते

मध्यप्रदेश की 10 रोमांटिक जगह हनीमून के लिए हैं परफेक्ट डेस्टिनेशन

मध्यप्रदेश एक बहुत ही खूबसूरत प्रदेश है। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता के साथ ही ऐतिहासिक धरोहरों को भी देखा जा सकता है। इसी के साथ यहां पर क्षिप्रा, नर्मदा के तट पर बस कई पौराणिक और प्राचीन तीर्थ स्थल भी मौजूद हैं। यदि आप हनीमून के लिए जाना चाहते हैं तो मध्य प्रदेश के इन 10 परफेक्ट डेस्टिनेशन पर जा सकते हैं।

1. **पचमढ़ी:** होशंगाबाद जिले में स्थित पचमढ़ी मध्यप्रदेश का एकमात्र हिल स्टेशन है जिसे मध्यप्रदेश का श्रीनगर और स्विट्जरलैंड भी कहा जाता है। रोमांटिक स्थलों में यह टॉप पर है। ऊंचे ऊंचे पहाड़, झील, झरने, गुफाएं, जंगल सभी कुछ हैं यहां पर। राजधानी भोपाल से यहां पहुंचना और रहना बहुत ही आसान और सस्ता है। पचमढ़ी के पास ही अमरकंटक वह स्थान है जहां से नर्मदा नदी का उद्गम हुआ है। हालांकि मानसून में घूमने यहां पर जा रहे हैं तो अपनी रिस्क पर ही जाएं क्योंकि यहां पर पहाड़ी पर ले जानी वाली जीप बंद हो जाती है। आप कुछ स्थानों की यात्रा बाइक से और कुछ की पैदल कर सकते हैं। पंचमढ़ी जा रहे हैं तो पास में ही अमरकंटक जरूर जाएं।
2. **मांडू :** यदि आप ऐतिहासिक स्थलों पर प्री-वेडिंग फोटोशूट करना चाहते हैं तो इंदौर के पास धार के आगे मांडव जाएं। यहां पर राजा महाराजों के महल, बावड़ी, तालाब आदि जगहों पर फोटो शूट कर सकते हैं। यहां पर प्राकृतिक सुंदरता भी भरपूर है। यह स्थान इंदौर से करीब 98 किलोमीटर दूर है।
3. **इंदौर:** इंदौर देश की सबसे स्वच्छ सिटी है। यहां पर लाल बाग पैलेस, राजबाड़ा, रालामंडल, तिंछाफाल, सिरपुर तालाब, बिलावली तालाब आदि जगहों पर फोटो शूट कर सकते हैं। इंदौर के आसपास गंगा महादेव मंदिर, पातालपानी, गुलावत, जामगेट, जानापावा, देवास टेकरी, चोरल नदी डेम, पूनासा डेम आदि जगहों पर जा सकते हैं।
4. **खजुराहो :** मध्यप्रदेश के छतरपुर जिले में स्थित विश्वप्रसिद्ध पर्यटन स्थल खजुराहो अपने मंदिरों के लिए प्रसिद्ध। खजुराहो शिल्प के अलावा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर लोकप्रिय नृत्य समारोह के लिए भी आकर्षण का केंद्र है। इन विश्व प्रसिद्ध मंदिरों का निर्माण चंदेल राजाओं ने सन् 950-1050 के बीच करवाया था। पहले इसका नाम 'खर्जुरवाहक' था। 1986 में यूनेस्को द्वारा इन मंदिरों को 'विश्व धरोहर स्थल' घोषित कर रखा है।
5. **भेड़ाघाट:** जबलपुर के पास भेड़ाघाट बहुत ही शानदार जगह है। दो सफेद पहाड़ों के बीच नर्मदा नदी बहती है। नर्मदा में नौका-विहार करने का रोमांच ही कुछ और है। यहां की खासियत है वॉटर फाल अर्थात जल प्रपात। बहुत ऊंचाई से गिरते धुंआ धुंआ से झरने को देखना आनंददायक होता है।
6. **भोपाल :** भोपाल में बहुत बड़ी झील है जिसे देखने के लिए लोग दूर दूर से आते हैं। बारिश में यह शहर बहुत ही खूबसूरत नजर आता है। इस शहर के पास ही भीम बैठका, अभयारण्य और भोजपुर को देखना न भूलें। यह जहगें बारिश के मौसम में और भी ज्यादा खूबसूरत हो जाती है।
7. **देवास :** यदि आप छोटे शहरों में रोमांटिक लम्हों का आनंद लेना चाहते हैं तो इंदौर के पास देवास बहुत ही सुंदर शहर है जहां पर माताजी की टेकरी के अलावा कई प्राकृतिक स्थलों को देखा जा सकता है। देवास के आसपास कई घने जंगल और पहाड़ियां हैं। आप इस जिले में नर्मदा तट पर बसे नेमावर भी जा सकते हैं।
8. **ओरछा:** अंतरराष्ट्रीय पर्यटन स्थल और रामराजा की नगरी ओरछा में प्रतिदिन बड़ी संख्या में भारत से ही नहीं, बल्कि विदेशी सैलानी भी पहुंचते हैं। यहां पर ओरछा के राजाओं द्वारा बनाए गए भव्य मंदिर और स्मारकों को देखना अद्भुत है। बेतवा नदी के तट पर बसे ऐतिहासिक शहर ओरछा की स्थापना 16 वीं शताब्दी में बुंदेला राजपूत प्रमुख रुद्र प्रताप ने की थी।
9. **बांधवगढ़ :** यह स्थल मध्यप्रदेश के उमरिया जिले में स्थित है। यहां जंगल में घूमने का आनंद ही कुछ ओर है क्योंकि यहां बंगाल के टाइगर, सफेद बाघ, लंगूर, हिरण, हाथी, प्राइमेट और अनेक प्रकार के लुप्तप्राय पक्षियों के नजारे आपको देखने को मिलेंगे। यहां हनीमून कपल्स के लिए पार्क के अंदर रुकने के स्थान भी हैं।
10. **अमरकंटक:** भारत के पर्यटन स्थलों में अमरकंटक प्रसिद्ध तीर्थ और नयनाभिराम पर्यटन स्थल है। विंध्य और सतपुड़ा पर्वतमालाओं के बीच 1065 मीटर की ऊंचाई पर स्थित यह हरा-भरा होने के साथ-साथ काफी लुभावना भी है। भारत की प्रमुख सात नदियों में से अनुपम नर्मदा का उद्गम स्थल अमरकंटक है और यह मध्यप्रदेश के शहडोल जिले की पुष्पराजगढ़ तहसील के दक्षिण-पूर्वी भाग में स्थित अमरकंटक पवित्र स्थलों में गिना जाता है।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुंद्रक – नीलम सिंह गिल द्वारा देहात संदेश, गुरूद्वारा सुंदर सिंह रोड़, जम्मू से प्रकाशित एवं नार्थलाईनस पबलिशर्स, 18-बी, फेस- 2, इंडस्ट्रियल इस्टेट, गंग्याल जम्मू से मुद्रित। संपादक– नीलम सिंह गिल। फोन नंबर : (95) 191-2574109, 2548103 RNI Regd. No: JKBIL/2004/13144 Email: dehatsandesh@gmail.com, dehatsandesh@yahoo.com, dehatsandesh@rediffmail.com

ब्यूटीशियन कोर्स के माध्यम से महिला सशक्तिकरण की ओर बढ़ाया कदम

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू और कश्मीर के दक्षिणी पीर पंजाल क्षेत्र में वर्तमान में चल रहा भारतीय सेना का ब्यूटीशियन कोर्स पहले से ही एक महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है। यह कोर्स स्थानीय महिलाओं के जीवन को बदल रहा है और उन्हें नए कौशल के साथ सशक्त बना रहा है जो उन्हें वित्तीय स्वतंत्रता प्राप्त करने और सामाजिक बाधाओं को तोड़ने में मदद करता है। क्षेत्र के एक दूरस्थ और अक्सर अलग-थलग हिस्से में स्थित दक्षिणी पीर पंजाल को महिलाओं के लिए शिक्षा, रोजगार और अवसरों तक पहुँच के मामले में लंबे समय से चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस अंतर को पहचानते हुए भारतीय सेना ने ब्यूटीशियन कोर्स की शुरुआत की जिससे महिलाओं को स्किनकेयर, हेयरस्टाइलिंग, मेकअप आर्टिस्ट्री और नेल केयर में व्यावहारिक कौशल हासिल करने का मौका मिला।

पहले से चल रहा ब्यूटीशियन कोर्स इस क्षेत्र की महिलाओं के लिए एक गेम-चेंजर साबित हो रहा है। कई प्रतिभागी जो पहले घरेलू जिम्मेदारियों तक ही सीमित थे अब ब्यूटी इंडस्ट्री में प्रवेश करके अपनी आजीविका बनाना सीख रहे हैं।

राजौरी में मंजाकोट क्रिकेट लीग आयोजित की

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। गंभीर मुगलन क्रिकेट ग्राउंड में आयोजित मंजाकोट क्रिकेट लीग 2024-25 के लीग मैचों के समापन के साथ ही बहुप्रतीक्षित क्वार्टरफाइनल मुकाबले शुरू हो गए। खिलाड़ियों और दर्शकों ने इस रोमांचक दिन का भरपूर आनंद लिया जहां मैदान पर टीमों ने अपनी सर्वश्रेष्ठ प्रतिभा का प्रदर्शन किया। क्वार्टरफाइनल के पहले दिन टीमों ने सेमीफाइनल में जगह बनाने के लिए अपनी रणनीतियों को आजमाया। हर रन और विकेट के साथ दर्शकों का उत्साह चरम पर रहा। स्टैंड्स में जमा प्रशंसकों ने अपनी पसंदीदा टीमों का हौसला बढ़ाते हुए शानदार माहौल बना दिया।

मैचों के दौरान खिलाड़ियों ने अद्भुत टीमवर्क और व्यक्तिगत कौशल का प्रदर्शन किया। शानदार कैच, तेजतर्रार चौके-छक्के और विकेट के रोमांचक पल हर दर्शक के दिल में जगह बना गए। अंक तालिका के आधार पर क्वार्टरफाइनल के लिए रोमांचक मैचअप तय हुए, जिनमें क्रिकेट के दिग्गजों और युवा खिलाड़ियों का शानदार संयोजन देखने को मिला।

मेजर जनरल एएस बेवली ने नगरोटा के एनसीसी प्रशिक्षण अकादमी का दौरा किया

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। मेजर जनरल एएस बेवली, वीएसएम, अतिरिक्त महानिदेशक (एडीजी), जम्मू कश्मीर और लद्दाख निदेशालय राष्ट्रीय कैडेट कोर (एनसीसी), ने गणतंत्र दिवस दल - 2025 के प्रशिक्षण और तैयारियों की समीक्षा करने के लिए नगरोटा प्रशिक्षण अकादमी का दौरा किया। इस दौरे में कैडेटों द्वारा दिखाए गए कठोर प्रशिक्षण प्रयासों, रचनात्मक प्रदर्शनों और सांस्कृतिक जीवंतता पर प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम की शुरुआत कैडेटों द्वारा औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर से हुई। मेजर जनरल बेवली ने व्यक्तिगत रूप से 14 सर्वश्रेष्ठ कैडेटों और युवा विनिमय कार्यक्रम के उम्मीदवारों से बातचीत की और उन्हें अपने ज्ञान और शब्दावली को बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

निरीक्षण के दौरान एडीजी ने ड्रिल दल की समीक्षा की और कर्तव्य पथ और प्रधानमंत्री रैली के उम्मीदवारों के प्रदर्शन का अवलोकन किया। फ्लैग एरिया में कलात्मक और तकनीकी रचनात्मकता का प्रदर्शन किया गया। कैडेटों को संबोधित करते हुए मेजर जनरल बेवली ने युवाओं में चरित्र निर्माण, अनुशासन और नेतृत्व को बढ़ावा देने में एनसीसी की महत्वपूर्ण भूमिका पर प्रकाश डाला। उन्होंने नगरोटा प्रशिक्षण अकादमी में बनाए गए उच्च प्रशिक्षण मानकों की सराहना की और अपने व्यक्तिगत और पेशेवर जीवन में एनसीसी के मूल्यों को आगे बढ़ाने के महत्व पर जोर दिया।

'शुभ्रा भवन' अगले सप्ताह जनता को किया जाएगा समर्पित

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। जम्मू-कश्मीर के रियासी जिले में त्रिकुटा पहाड़ियों पर माता वैष्णो देवी मंदिर में आने वाले तीर्थयात्रियों के लिए शीर्ष सुविधाओं से युक्त अत्याधुनिक बहुउद्देशीय परिसर 'शुभ्रा भवन' अगले सप्ताह जनता को समर्पित किया जाएगा, एक अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी।अधिकारी ने बताया कि 6.50 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित यह नवनिर्मित परिसर 18,000 वर्ग फुट में फैला है और इसका उद्घाटन 18 दिसंबर को उपराज्यपाल मनोज सिन्हा करेंगे जो श्री माता वैष्णो देवी श्राइन बोर्ड के अध्यक्ष भी हैं।

पवित्र तीर्थयात्रा के पारंपरिक मार्ग दर्शनी डिओड़ी से लगभग आधा किलोमीटर दूर बाणगंगा में स्थित शुभ्रा भवन, श्रद्धेय मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा और आराम को बढ़ाने के लिए श्राइन बोर्ड के चल रहे प्रयासों में नवीनतम है। इसमें 200 लोगों की क्षमता वाला एक विशाल प्रतीक्षालय, माताओं का कमरा, एक केंद्रीकृत सूचना और पंजीकरण केंद्र, स्मारिका दुकान, जलपान कियोस्क, बैंक और जल एटीएम और कर्मचारियों के लिए 18 आधुनिक आवासीय क्वार्टर सहित सुविधाओं की एक विस्तृत श्रृंखला उपलब्ध है। अधिकारी ने कहा कि परिसर में एक आपदा प्रबंधन स्टोर भी है और यह तीर्थयात्रियों और कर्मचारियों की सुरक्षा और भलाई सुनिश्चित करने के लिए सीसीटीवी कैमरे, एक्सेस कंट्रोल और फायर अलार्म सिस्टम सहित सुरक्षा प्रणालियों से लैस होगा।

कई युवाओं ने नेशनल कांफ्रेंस का दामन थामा

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। शनिवार को कई युवाओं ने नेशनल कांफ्रेंस का दामन थामा। शेर-ए-कश्मीर भवन में एक सभा के दौरान नए सदस्यों का स्वागत करते हुए नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) के प्रांतीय अध्यक्ष रतन लाल गुप्ता ने क्षेत्र में बेरोजगारी में खतरनाक वृद्धि पर प्रकाश डाला और इसे भाजपा के कुप्रबंधन और भ्रष्टाचार का परिणाम बताया। उन्होंने कहा कि जम्मू-कश्मीर में भाजपा के एक दशक के शासन ने युवाओं को निराशा में डाल दिया है। बड़े पैमाने पर भर्ती घोटाले और अवसरों की कमी ने उन्हें निराशा में धकेल दिया है। गुप्ता ने उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व में नेशनल कॉन्फ्रेंस की विरासत की सराहना की, रोजगार सृजन और कौशल विकास पर केंद्रित पहलों का हवाला दिया। उन्होंने आश्वासन दिया कि एनसी सरकार रिक्त पदों को भरने में तेजी लाएगी, भर्ती में पारदर्शिता और निष्पक्षता सुनिश्चित करेगी।

लोन कॉम मेला आयोजित

जम्मू,, 14 दिसंबर (हि.स.)। सांबा जिला रामगढ़ ब्लॉक के नंदपुर गांव खोर सलारिया में जम्मू कश्मीर वूमेन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन विभाग द्वारा लोन कॉम मेला आयोजित किया । ये मेला नैशनल बैकवर्ड क्लासेंस फंसाई डेवलपमेंट कॉरपोरेशन विभाग ने स्पॉन्सर किया । मेले में अलग-अलग विभाग के अधिकारियों भाग लिया और महिलाओं को अपने अपने विभाग की योजनाओं के बारे में जानकारी दी । इस अवसर पर मेले में मुख्यातिथि के रूप में J&K वूमेन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन विभाग सांबा की मैनेजर नसरीन गुल और पूर्व बीडीसी चेयरमैन ,ब्लॉक डेवलपमेंट अधिकारी मुकेश शर्मा मौजूद रहे । नसरीन गुल ने कहा हमारे विभाग ओर नैशनल बैकवर्ड क्लासेस फाइनेंस डेवलपमेंट कॉरपोरेशन का मकसद है कि बैकवर्ड क्लासेस की महिलाओं को रोजगार देकर सशक्त बनाया जाए उसी के उपलक्ष में ये मेला आयोजित किया गया है महिलाओं को वूमेन सशक्त करने रोजगार देने वाली अपने विभाग की योजनाओं के बारे में जागरूक किया गया है

कौशल सिंह को गणित में पीएचडी की उपाधि मिली

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। कौशल सिंह को श्री माता वैष्णो देवी विश्वविद्यालय, एसएमवीडीयू द्वारा गणित में डॉक्टर ऑफ फिलॉसफी अर्थात पीएचडी की उपाधि प्रदान की गई है। उनका शोध जिसका शीर्षक क्लासिकल और कुछ गैर-मानक फ़ज़ी सूचना मापों का सैद्धांतिक और अनुभवजन्य अध्ययन है को एसएमवीडीयू के गणित विद्यालय के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुरेन्द्र सिंह की देखरेख में किया गया था। अपनी पीएचडी के दौरान कौशल सिंह ने प्रतिष्ठित एससीआईई और स्कोपस-इंडेक्स्ड अंतर्राष्ट्रीय पत्रिकाओं में अपना काम प्रकाशित किया। उनकी उपलब्धि की सराहना प्रोफेसर (डॉ.) प्रगति कुमार कुलपति एसएमवीडीयू, विज्ञान संकाय के डीन डॉ. एस के वांचू, गणित विद्यालय के प्रमुख डॉ. कुलदीप राज और अन्य समिति सदस्यों ने की है।

भाजपा ने एक राष्ट्र, एक चुनाव विधेयक को भारत के शासन के लिए एक गेम-चेंजर बताया

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। प्रदेश भाजपा ने प्रस्तावित एक राष्ट्र, एक चुनाव (ओएनओई) विधेयक का समर्थन किया है और इसे कुशल शासन और निर्बाध विकास की दिशा में एक परिवर्तनकारी कदम बताया है। भाजपा मुख्यालय में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में बोलते हुए प्रवक्ता डॉ. अभिजीत जसरोटिया ने इस पहल को भारत की लोकतांत्रिक परिपक्वता के लिए आवश्यक बताया। डॉ. जसरोटिया ने कहा एक राष्ट्र, एक चुनाव सुधार दक्षता और लोकतांत्रिक स्थिरता की दिशा में एक साहसिक कदम है। समय आ गया है कि चुनाव चक्रों को छोड़कर विकास के ऐसे तरीके को अपनाया जाए जो राष्ट्रीय प्रगति को प्राथमिकता दे।

ओएनओई विधेयक का उद्देश्य लोकसभा और राज्य विधानसभा चुनावों को एक साथ करने के लिए, बार-बार होने वाले चुनावों के वित्तीय और प्रशासनिक बोझ को कम करना। डॉ. जसरोटिया ने जोर देकर कहा कि लगातार चुनाव प्रचार से आदर्श आचार संहिता के बार-बार लागू होने के कारण शासन में बाधा आती है। उन्होंने विपक्ष, विशेष रूप से इंडी गठबंधन से सीपीआई(एम) नेता एम.वाई. तारिगामी की बिना वैध कारण बताए बिल का विरोध करने के लिए आलोचना की। डॉ. जसरोटिया ने टिप्पणी की तारिगामी के नेतृत्व वाला विपक्ष ओएनओई के खिलाफ एक भी ठोस तर्क पेश करने में विफल रहा है। उनका विरोध राष्ट्र के लिए वास्तविक चिंता के बजाय राजनीतिक दिखावे से प्रेरित लगता है। डॉ. जसरोटिया ने सभी राजनीतिक हितधारकों से ओएनओई के दीर्घकालिक लाभों को पहचानने का आह्वान किया और कहा कि यह भारत के शासन को मजबूत करेगा और विकास पर निर्बाध ध्यान केंद्रित करने में सक्षम होगा।

जीडीसी महिला के छात्रों ने जल परीक्षण प्रयोगशाला का दौरा किया

कठुआ 14 दिसंबर (हि.स.)। सरकारी महिला डिग्री कॉलेज कठुआ के रसायन विज्ञान विभाग ने आंतरिक गुणवत्ता आश्वासन सेल के सहयोग से प्रिंसिपल डॉ सावी बहल और डॉ इंद्रजीत कौर संयोजक आईक्यूएसी के संरक्षण में जल परीक्षण प्रयोगशाला कठुआ में एक शैक्षिक यात्रा का आयोजन किया।

शैक्षणिक यात्रा बीएससी सेमेस्टर प्रथम के छात्रों के लिए पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में जल गुणवत्ता परीक्षण में एक व्यावहारिक अनुभव का पता लगाने के लिए आयोजित की गई थी। इस दौरे ने छात्रों को अत्याधुनिक प्रयोगशाला तकनीकों का पता लगाने और जल सुरक्षा और पर्यावरण संरक्षण के पीछे के विज्ञान की अपनी समझ को गहरा करने का अवसर प्रदान किया। दौरे के दौरान छात्रों ने भारी धातुओं, बैक्टीरिया और रासायनिक प्रदूषकों जैसे दूषित पदार्थों के परीक्षण सहित पानी की गुणवत्ता, पीएच, मैलापन की निगरानी के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न जल परीक्षण प्रक्रियाओं का अवलोकन किया। प्रयोगशाला के विशेषज्ञ मोनिका शर्मा जल विश्लेषक सह प्रयोगशाला प्रभारी और रेनू केमिस्ट ने छात्रों को पीने के पानी और स्थानीय पारिस्थितिकी तंत्र की सुरक्षा सुनिश्चित करने में शामिल कार्यप्रणाली, उपकरण और प्रौद्योगिकियों के बारे में बताया। उन्होंने कहा कि पानी की गुणवत्ता एक गंभीर मुद्दा है और छात्रों को सीधे परीक्षण प्रक्रिया में शामिल करके, वे पर्यावरण वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और अधिवक्ताओं की अगली पीढ़ी को प्रेरित करने की उम्मीद करते हैं। छात्रों को प्रश्न पूछने और सार्वजनिक स्वास्थ्य, नीति-निर्माण और पर्यावरण संरक्षण में जल परीक्षण के वास्तविक दुनिया के अनुप्रयोगों पर चर्चा करने के लिए भी प्रोत्साहित किया गया। इस यात्रा का समन्वय रसायन विज्ञान में एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. बबीता और रसायन विज्ञान में सीनियर सहायक प्रोफेसर डॉ. अंबिका द्वारा किया गया।

बाहु विधानसभा क्षेत्र में 2.5 करोड़ रुपये के विकास कार्यों की शुरुआत

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। वरिष्ठ भाजपा नेता और बाहु विधानसभा क्षेत्र के विधायक विक्रम रंधावा ने कहा कि चल रही स्मार्ट सिटी परियोजना जल्द ही जम्मू को आदर्श शहर में बदल देगी जो पूरे देश में शहरी विकास के लिए एक मानक स्थापित करेगी। उन्होंने ये टिप्पणियां बाहु विधानसभा क्षेत्र के दौरे के दौरान कीं जहां उन्होंने जेएमसी आयुक्त देवांश यादव की मौजूदगी में स्मार्ट सिटी मिशन के तहत 2.5 करोड़ रुपये के विभिन्न विकास कार्यों की शुरुआत की। परियोजनाओं में बुनियादी ढांचे में महत्वपूर्ण उन्नयन शामिल हैं जैसे कि बेहतर जल निकासी व्यवस्था, सड़क विकास और स्मार्ट लाइटिंग की स्थापना।

जनसमूह को संबोधित करते हुए रंधावा ने कहा कि आज उद्घाटन किए गए कार्य जम्मू के समग्र परिवर्तन के उद्देश्य से व्यापक स्मार्ट सिटी पहल का हिस्सा हैं। उन्होंने जोर देकर कहा कि यह परियोजना प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दृष्टिकोण को दर्शाती है जिन्होंने लगातार शहरी विकास और आधुनिकीकरण को प्राथमिकता दी है रंधावा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि गहरे जल निकासी नेटवर्क और अन्य संबंधित कार्यों के कार्यान्वयन से निवासियों द्वारा सामना किए जाने वाले लंबे समय से चले आ रहे मुद्दों, विशेष रूप से जल ठहराव और स्वास्थ्य संबंधी खतरों से संबंधित मुद्दों का समाधान होगा। उन्होंने आगे बताया कि स्मार्ट सिटी परियोजना में वर्तमान में चल रहे कई कार्य शामिल हैं और कई और कार्य पाइपलाइन में हैं

जिससे मंदिरों के शहर का व्यापक उत्थान सुनिश्चित होगा। विधायक ने इन परियोजनाओं के समय पर और गुणवत्तापूर्ण निष्पादन सुनिश्चित करने के लिए उनके सहयोग और प्रतिबद्धता के लिए जम्मू नगर निगम (जेएमसी) के अधिकारियों का आभार व्यक्त किया।

आईजीपी और डीआईजी ने तिथि पत्र पंचांग कैलेंडर के 6वें अंक का लोकार्पण किया

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। शनिवार को श्री कैलख योतिष एवं वैदिक संस्थान ट्रस्ट ने अपने 12वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में जम्मू में एक भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया। इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्षस्टेट अवॉर्डी महंत रोहित शास्त्री द्वारा संपादित तिथि पत्र पंचांग कैलेंडर के 6वें संस्करण का लोकार्पण हुआ। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जम्मू क्षेत्र के पुलिस महानिरीक्षक (आईजीपी) श्री आनंद जैन (आईपीएस) और विष्टि अतिथि डीआईजी जम्मू-कठुआ-सांबा रेंज शिव कुमार शर्मा (आईपीएस) थे।

महंत रोहित शास्त्री ने बताया कि हाल के वर्षों में व्रत और पर्वों की तिथियों को लेकर लोगों में असमंजस की स्थिति देखने को मिली है। इस पंचांग कैलेंडर में व्रत और पर्वों के विषय में स्पष्ट जानकारी प्रदान की गई है। उन्होंने कहा कि यह पंचांग गहन अध्ययन और विश्लेषण के बाद तैयार किया गया है। इस कैलेंडर का निःशुल्क वितरण किया जाएगा। महंत रोहित शास्त्री ने यह भी बताया कि इस कैलेंडर का प्रकाशन हेक्सामेड जम्मू के एमडी निगम गुप्ता के सहयोग से किया गया है। और यह पंचांग कैलेंडर 10 हजार निशुल्क वितरण होगा।

कार्यक्रम के दौरान, मुख्य अतिथि आईजीपी आनंद जैन ने कहा भारतीय संस्कृति में पंचांग का बहुत महत्व है। पंचांग न केवल व्रत और त्योहारों की जानकारी देता है, बल्कि अन्य महत्वपूर्ण जानकारियां भी प्रदान करता है। इस कैलेंडर का विमोचन मेरे लिए सौभाग्य की बात है। इसमें विविध और समग्र जानकारी को स्थान दिया गया है। उन्होंने ट्रस्ट के स्थापना दिवस और तिथि पत्र पंचांग कैलेंडर के प्रकाशन के लिए ट्रस्ट के सभी सदस्यों को बधाई दी।

बावा कैलख देव मंदिर ने ईश्वर प्रार्थना पुस्तिका का विमोचन किया

जम्मू, 14 दिसंबर (हि.स.)। बावा कैलख देव मंदिर प्रबंधक कमेटी ने मंदिर को संस्कार केंद्र के रूप में विकसित करने के क्रम में एक और कदम उठाते हुए आज ईश्वर प्रार्थना नामक पुस्तिका का विमोचन किया। इस पुस्तिका को प्रख्यात विद्वान पंडित मूलराज मलहन शास्त्री ने लिखा है जो प्रातः स्मरण से लेकर दिनभर की पूजा-अर्चना और नित्य कर्मों की संक्षिप्त विधि को दर्शाती है। पुस्तिका का लोकार्पण राष्ट्रपति पुरस्कार से सम्मानित डॉ. विश्वमूर्ति शास्त्री, संत हरे रामदास, स्वामी दिव्यानंद, स्वामी सुचेतानंद (दिव्यज्योति संस्थान), डॉ. चंद्रमोली रैना, महंत प्रीतमदास, डॉ. शिव रैना, बावा जित्तो देव स्थान के महंत हरदत्त जी, शास्त्री पवन सेठ और महंत मुनीश गोसाई (कलानौर) सहित अनेक गणमान्य विद्वानों और पूज्य संतों द्वारा किया गया। डॉ. विश्वमूर्ति शास्त्री ने इस अवसर पर कहा ईश्वर प्रार्थना पुस्तिका पूजा-पाठ और नित्य कर्मों में सरलता और सुलभता प्रदान करेगी। यह समाज को धार्मिक मार्ग पर प्रेरित करने का एक उत्कृष्ट माध्यम है। वहीं सभी विद्वानों और संतों ने बावा कैलख देव मंदिर प्रबंधक कमेटी की सामाजिक और धार्मिक योगदानों की सराहना की। साथ ही ड्डपुस्तिका के संपादक पंडित मूलराज मलहन शास्त्री क्ष्मी सेवाओं को स्मरण करते हुए उनकी विद्वता और समर्पण की प्रशंसा की।

मंदिर प्रबंधक कमेटी के प्रधान शक्ति दत्त शर्मा ने बताया कि ऐसे धार्मिक और सामाजिक कार्यों में समाज के सभी वर्गों का सहयोग मिलता है। उन्होंने आगे कहा कि यह मंदिर सनातन धर्म के प्रचार-प्रसार और सामाजिक जागरूकता के लिए सक्रिय है।

अंतरिक्ष विज्ञान उपकरणों पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यशाला आयोजित

कठुआ 14 दिसंबर (हि.स.)। गवर्नमेंट डिग्री कॉलेज कठुआ के भौतिकी विभाग ने भौतिकी कौशल पाठ्यक्रम के स्नातक छात्रों के लिए नई शिक्षा नीति के अनुसार एक दिवसीय व्यावहारिक प्रशिक्षण कार्यशाला का सफलतापूर्वक आयोजन किया। कार्यशाला मॉडल एस्ट्रोफिजिक्स लैब में आयोजित की गई थी, जो जीएचएसएस खरोटे कठुआ में स्थापित एनईपी में परिकल्पित गुणवत्ता के तहत लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए आईआईटी कानपुर की एक स्वदेशी एकीकृत पहल है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य छात्रों को अंतरिक्ष विज्ञान उपकरणों से परिचित कराना और अंतरिक्ष अनुसंधान और अन्वेषण में उपयोग की जाने वाली प्रौद्योगिकियों के साथ व्यावहारिक अनुभव प्रदान करना था। तकनीकी सत्रों को मॉडल एस्ट्रोफिजिक्स लैब के सहायक परियोजना अभियंता मनप्रीत सिंह और डॉ. दिनेश जसरोटिया की अध्यक्षता में जीडीसी कठुआ के भौतिकी विभाग के संकाय के सहयोग से डिजाइन किया गया है। प्रशिक्षण के दौरान छात्रों को विभिन्न अंतरिक्ष विज्ञान उपकरणों, जैसे दूरबीन, उपग्रह मॉडल आदि के साथ सीधे काम करने का अवसर मिला। जीडीसी कठुआ की प्रिंसिपल प्रोफेसर सीमा मीर ने छात्रों को सैद्धांतिक ज्ञान को वास्तविक दुनिया के परिदृश्यों में प्रभावी ढंग से लागू करने और सैद्धांतिक ज्ञान और व्यावहारिक अनुप्रयोगों के बीच अंतर को पाटने में सक्षम बनाने के लिए व्यावहारिक प्रशिक्षण के महत्व पर जोर दिया, खासकर भौतिकी और अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में अध्ययन करने वाले छात्रों के लिए। प्रशिक्षण कार्यक्रम का संचालन डॉ. दया राम, सहायक प्रोफेसर जीडीसी कठुआ द्वारा किया गया। कार्यक्रम की अंतर्दृष्टि पर भौतिकी विभाग जीडीसी कठुआ के प्रोफेसर राकेश शर्मा, डॉ नीरज गुप्ता, डॉ अहसान इलाही, प्रोफेसर अजय शर्मा और डॉ गोपाल शर्मा ने प्रकाश डाला।

UNION TERRITORY OF JAMMU AND KASHMIR
OFFICE OF THE EXECUTIVE ENGINEER JAL SHAKTI MECH. G.W.D. DIVISION JAMMU
SHORT TERM NOTICE INVITING e-TENDER
E -NIT NO GWD/167 OF 2024-25 DATED 13.12.2024

On behalf of the Lt. Governor, UT of J&K, the Executive Engineer Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu invites tenders by e-tendering mode from reputed and registered firms with Jal Shakti PHE/I&FC Deptt. J&K Govt. who have sufficient experience in the field of drilling and are well equipped with drilling Rigs suitable for ODEX method of drilling.

Name of the Work	Name of the Division	Cost of Tender Document/Tender Fee (In Rs)	Qty.	Estimated cost (value of work) (in Rs.)	Earnest Money (In Rs)	Validity of Rates
Deep Drilling of 125 mm dia Bore Holes by using ODEX method including providing, installation, testing, commissioning of Mark–II Hand Pumps and construction of platforms at 02 Nos Locations in District Jammu on Turnkey Basis (EPC) under UT Capex Budget "0896-Infrastructure for the welfare of Tribals" 2024-25	Jal Shakti Mech. Ground Water Drilling Division Jammu	1000.00 (Non-Refundable) Deposited in Govt. treasury through e-challan under the receipt head 0215 in favour of the Executive Engineer, Jal Shakti Mech. GWD Div. Jammu payable at Jammu mentioning name of work	02 Nos	Rs. 7.92 lacs	@ 2% of the estimated value in shape of Fresh CDR/FDR pledged to Executive Engineer PHE (M) GWD Division	31st March 2025

1. The complete bidding process shall be online.
2. Bid documents can be seen and downloaded from the website http://jktenders.gov.in from 13.12.2024 to 19.12.2024.
3. The pre bid meeting if desired by the participating firms shall be held in the office of the Executive Engineer Jal Shakti (M) GWD Division Jammu on 14.12.2024 (1300 hrs).
4. The bids shall be submitted/uploaded from the website http://jktenders.gov.in from 14.12.2024 (1400 hrs) to 19.12.2024 (1800 hrs).

DATED: 13.12.2024 GWD/5432-34

Sd/-
Executive Engineer
Jal Shakti Mech. G.W.D. Division
Jammu

DIP/J-8160/24
Dtd:14-12-2024

संपादकीय

सर्दियों में रखें दिल का खास ख्याल

इसमें कोई संदेह नहीं है कि सर्दियों का मौसम सभी के लिए खुशियाँ लेकर आता है, लेकिन यह कई तरह की स्वास्थ्य समस्याओं को भी जन्म देता है, और सबसे बड़ी चिंता का विषय यह है कि इसका दिल की सेहत पर क्या असर हो सकता है। कश्मीर घाटी से आ रही रिपोर्टों ने इस बात को साबित कर दिया है कि तापमान के सामान्य स्तर से नीचे गिरने के साथ मौसम की ऐसी अनिश्चितताओं से दिल को बचाने के लिए हर तरह की सावधानी बरतने की तत्काल आवश्यकता है।

इस संदर्भ में, श्रीनगर के बाहरी इलाके में फकीर गुजरी दारा हरवान इलाके में तलाशी अभियान के दौरान दिल का दौरा पड़ने से सेना के एक जवान की मौत हो गई, जबकि अनंतनाग जिले के मटन इलाके में तैनात सीआरपीएफ के एक कांस्टेबल की भी दिल का दौरा पड़ने से मौत हो गई। देखने वाली बात यह है कि अगर सेना के जवानों को सर्दियों में दिल की ऐसी बीमारियों का खतरा होता है, जबकि उन्हें पूरी तरह से मेडिकल जांच के बाद सेना में भर्ती किया जाता है, तो आम लोगों की स्थिति का अंदाजा लगाया जा सकता है, खासकर उन लोगों की जो दिल की बीमारी, मधुमेह और उच्च रक्तचाप जैसी बीमारियों से पीड़ित हैं।

उपरोक्त दुर्भाग्यपूर्ण घटनाओं को देखते हुए, उपरोक्त जटिलताओं वाले लोगों और अन्य लोगों के लिए भी अतिरिक्त सावधानी बरतना आवश्यक हो जाता है, क्योंकि ठंड के मौसम में हृदय संबंधी समस्याओं, विशेष रूप से साइलेंट हार्ट अटैक का जोखिम बढ़ सकता है। चिकित्सा विशेषज्ञों के अनुसार, जम्मू-कश्मीर जैसे स्थानों में, कम तापमान के कारण रक्त वाहिकाएँ सिकुड़ सकती हैं, जिससे रक्तचाप बढ़ सकता है और हृदय पर अतिरिक्त दबाव पड़ सकता है। इससे साइलेंट हार्ट अटैक हो सकता है, जो अक्सर बहुत देर होने तक अनदेखा रह जाता है, इसलिए इस समय के दौरान व्यक्तियों के लिए अपने स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। जम्मू-कश्मीर में दो सैनिकों की मृत्यु के उपरोक्त मामलों में, अपेक्षाकृत युवा और शारीरिक रूप से स्वस्थ होने के बावजूद, कोई यह कह सकता है कि अत्यधिक ठंड के मौसम और उनकी ड्यूटी के शारीरिक तनाव ने उनके दिल के दौरे में योगदान दिया। ये घटनाएँ इस बात की याद दिलाती है कि सर्दी उन लोगों के लिए विशेष रूप से खतरनाक हो सकती है, जिनमें हृदय संबंधी जोखिम कारक होते हैं, और इस मौसम में हृदय संबंधी घटनाओं के जोखिम को कम करने के लिए स्वास्थ्य की निगरानी, गर्म कपड़े पहनना और अधिक परिश्रम से बचना जैसी सावधानियां महत्वपूर्ण हैं।

जलवायु परिवर्तन और भारत का दृष्टिकोण

जलवायु क्रियाओं को गरीबी में कमी और ऊर्जा पहुंच जैसे लक्ष्यों के साथ जोड़ता है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना न केवल अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देती है बल्कि कम आय वाले परिवारों को सस्ती बिजली भी प्रदान करती है। जलवायु क्रियाओं को विकास लक्ष्यों के साथ जोड़कर, सह-लाभ दृष्टिकोण पर्यावरणीय पहलों में सार्वजनिक समर्थन और भागीदारी को बढ़ाता है। पीएम ई-ड्राइव इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सब्सिडी प्रदान करता है, जिससे शहरी वायु प्रदूषण को सम्बोधित करते हुए उन्हें सुलभ बनाया जा सके और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो सके।

डॉ.सत्यवान सौरभ

जलवायु परिवर्तन के प्रति भारत का सह-लाभ दृष्टिकोण विकास लक्ष्यों को पर्यावरणीय उद्देश्यों के साथ संरेखित करने का प्रयास करता है। साथ ही जलवायु चुनौतियों का समाधान करते हुए सतत विकास पर ध्यान केंद्रित करता है। आर्थिक, सामाजिक और पर्यावरणीय लाभों को एकीकृत करके, इस रणनीति का उद्देश्य उत्सर्जन को कम करना और लचीलापन बढ़ाना है। उदाहरण के लिए, जलवायु परिवर्तन पर राष्ट्रीय कार्ययोजना जैसी पहल इन प्राथमिकताओं को संतुलित करने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाती है। हम पाते हैं कि सामाजिक लक्ष्यों का पीछा करना, आमतौर पर, उच्च पर्यावरणीय प्रभावों से जुड़ा होता है। हालांकि, देशों के बीच बातचीत बहुत भिन्न होती है और विशिष्ट लक्ष्यों पर निर्भर करती है। दोनों ही बातचीत में, कार्बन भूमि और पानी की तुलना में छोटे बदलावों का अनुभव करता है। हालांकि उच्च और निम्न आय समूहों द्वारा प्रयासों की आवश्यकता है, लेकिन अमीरों के पास मानवता के पदचिह्नों को कम करने का अधिक लाभ है। सामाजिक और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों के महत्व को देखते हुए, यह महत्वपूर्ण है कि एसडीजी के बीच मात्रात्मक बातचीत को अच्छी तरह से समझा जाए ताकि जहां जरूरत हो, एकीकृत नीतियां विकसित की जा सकें।भारत का सह-लाभ दृष्टिकोण, जो कई मोर्चों पर एक साथ प्रगति के लिए विकास लक्ष्यों को पर्यावरणीय उद्देश्यों के साथ जोड़ता है। भारत का सह-लाभ दृष्टिकोण सामाजिक और आर्थिक विकास को आगे बढ़ाते हुए जलवायु परिवर्तन को सम्बोधित करता है। जलवायु क्रियाओं को गरीबी में कमी और ऊर्जा पहुंच जैसे लक्ष्यों के साथ जोड़ता है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना न केवल अक्षय ऊर्जा के उपयोग को बढ़ावा देती है बल्कि कम आय वाले परिवारों को सस्ती बिजली भी प्रदान करती है। जलवायु क्रियाओं को विकास लक्ष्यों के साथ जोड़कर, सह-लाभ दृष्टिकोण पर्यावरणीय पहलों में सार्वजनिक समर्थन और भागीदारी को बढ़ाता है। पीएम ई-ड्राइव इलेक्ट्रिक वाहनों के लिए सब्सिडी प्रदान करता है, जिससे शहरी वायु प्रदूषण को सम्बोधित करते हुए उन्हें सुलभ बनाया जा सके और जीवाश्म ईंधन पर निर्भरता कम हो सके। जलवायु और विकास लक्ष्यों को एकीकृत करके, संसाधनों का अधिक कुशलता से उपयोग किया जाता है, जिससे नीति कार्यान्वयन में महत्त्वपूर्ण लागत बचत होती है। प्रदर्शन, उपलब्धि और व्यापार (पीएटी) योजना उद्योगों को ऊर्जा दक्षता में सुधार करने, लागत कम करने और उत्सर्जन को कम करने में मदद करती है। यह दृष्टिकोण कृषि, जल संसाधन और आपदा प्रबंधन जैसे क्षेत्रों में लचीलापन बढ़ाने पर जोर देता है, जो कमजोर आबादी के लिए महत्वपूर्ण हैं। जलवायु परिवर्तन पर राज्य कार्ययोजनाएं क्षेत्र-विशिष्ट कमजोरियों पर ध्यान केंद्रित करती हैं, ग्रामीण और तटीय क्षेत्रों के लिए लक्षित अनुकूलन रणनीतियों को सुनिश्चित करती हैं। सह-लाभ दृष्टिकोण जलवायु और विकासात्मक चुनौतियों दोनों को सम्बोधित करने वाली नवीन तकनीकों के विकास और तैनाती को प्रोत्साहित करता है। सौर ऊर्जा से चलने वाली सिंचाई प्रणालियों का विकास टिकाऊ कृषि का समर्थन करता है और ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन को कम करता है।इन प्राथमिकताओं को संतुलित करने में इस रणनीति की प्रभावशीलता उत्सर्जन में कमी और आर्थिक विकास के दोहरे लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए बेहतर है। भारत ने आर्थिक विकास को बनाए रखते हुए अपनी उत्सर्जन तीव्रता को कम करने में प्रगति की है, जो सह-लाभ दृष्टिकोण की प्रभावशीलता को प्रदर्शित करता है। भारत ने पेरिस समझौते के तहत अपनी प्रतिबद्धताओं के अनुसार सकल घरेलू उत्पाद की प्रति इकाई कार्बनडाई ऑक्साइड उत्सर्जन को लगातार कम किया है। यह रणनीति नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बदलाव को गति देते हुए ग्रामीण क्षेत्रों में ऊर्जा पहुंच की खाई को सफलतापूर्वक पाटती है। छतों पर सौर ऊर्जा पहलों ने दूरदराज के गांवों में बिजली पहुंचाई है, जिससे डीजल जनरेटर पर निर्भरता कम हुई है। भारत की रणनीति जलवायु क्रियाओं को निधि देने के लिए घरेलू पहलों पर केंद्रित है। इस आत्मनिर्भरता ने सकारात्मक परिणाम दिखाए हैं। भारतीय कार्बन बाजार उद्योगों में उत्सर्जन में कमी को प्रोत्साहित करने के लिए घरेलू संसाधनों को जुटाता है। जबकि यह दृष्टिकोण संधारणीय प्रथाओं को बढ़ावा देता है, लेकिन तेज़ आर्थिक विकास की आवश्यकता कभी-कभी पर्यावरण संरक्षण में समझौता करने की ओर ले जाती है। तत्काल ऊर्जा मांगों को पूरा करने के लिए कोयला आधारित बिजली संयंत्रों का विस्तार शुद्ध-शून्य लक्ष्यों को प्राप्त करने में चुनौतियाँ पेश करता है। राज्य कार्ययोजनाओं के माध्यम से विकेंद्रीकृत जलवायु कार्रवाई यह सुनिश्चित करती है कि क्षेत्रीय चुनौतियों और अवसरों को पर्याप्त रूप से सम्बोधित किया जाए। अहमदाबाद जैसे शहरों में हीट एक्शन प्लान ने अत्यधिक गर्मी के प्रभावों को कम करने में मदद की है, जिससे कमजोर आबादी की रक्षा हुई है। जबकि सह-लाभ दृष्टिकोण पायलट कार्यक्रमों में प्रभावी रहा है, देशभर में इन पहलों को आगे बढ़ाना एक चुनौती बनी हुई है। राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना का लक्ष्य इलेक्ट्रिक वाहनों को अपनाने को बढ़ावा देना है, लेकिन ग्रामीण क्षेत्रों में बुनियादी ढांचे का विकास अभी भी पिछड़ा हुआ है।भारत का सह-लाभ दृष्टिकोण जलवायु कार्रवाई को विकास के साथ प्रभावी ढंग से संतुलित करता है। यह स्थिरता और लचीलेपन को बढ़ावा देता है। अक्षय ऊर्जा, ऊर्जा दक्षता और हरित बुनियादी ढांचे में निरंतर निवेश इस रणनीति को मजबूत करेगा। यह स्थानीयकृत, प्रभावशाली समाधानों के माध्यम से वैश्विक चुनौतियों का समाधान करने के सिद्धांत को दर्शाता है, जो विकास और पर्यावरणीय लक्ष्य दोनों में सार्थक प्रगति को आगे बढ़ाता है। (लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

अडाणी पर अटकी कांग्रेस

योगेश कुमार सोनी

महाराष्ट्र और झारखंड के बाद अब बारी दिल्ली विधानसभा चुनाव की है। और अब इसमें को दोराय नहीं कि यहां दो बार से लगातार जीतती आ रही आम आदमी पार्टी इस बार भी चुनाव रणनीति से लेकर प्रचार के मामले में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और कांग्रेस दोनों पर बढ़त बनाए हुए है। लेकिन यहां सबसे बड़ा सवाल यह है कि राहुल गांधी कांग्रेस को मजबूत बनाने के लिए कश्मीर से कन्याकुमारी की खाक छानते हैं लेकिन उनकी नाक के नीचे दिल्ली में जहां कभी शीला दीक्षित की अगुवाई में कांग्रेस ने 15 साल तक राज किया, उसी दिल्ली को राहुल गांधी ने क्या इस बार भी आम आदमी पार्टी की झोली में डालने का मन बना लिया और ऐसा हम इसलिए कह रहे हैं, क्योंकि दिल्ली में इस बार जो चुनाव होंगे तो खुद केजरीवाल और उनके कई नेता भ्रष्टाचार के गंभीर आरोपों से घिरे हैं।

ऐसे में भाजपा के साथ ही कांग्रेस के लिए एक मौका है। लेकिन लगता है कि कांग्रेस ने एक रणनीति के तहत केजरीवाल के सामने अचानक सरेंडर कर दिया है। मौजूदा स्थिति में कांग्रेस केवल अडाणी के मुद्दे पर ही अटक सी गई है। कांग्रेस किसी भी स्तर के चुनाव के लिए संबंधित राज्य या अन्य किसी घटनाक्रम पर कोई चर्चा नहीं कर रही। यदि दिल्ली के परिवेश में चर्चा करें तो अब भी कांग्रेस ने दिल्ली की समस्याओं से संबंधित या चुनावी रणनीति के तहत अब तक कोई बयान नहीं दिया। राहुल गांधी के साथ अब लोकसभा में वायनाड से चुनाव जीतकर एंट्री करने वाली प्रियंका गांधी भी आक्रामक शैली अपनाती रही हैं लेकिन समस्या यह है वह भी केवल अडाणी के मुद्दे पर ही बात कर रही हैं। यहां दोनों नेताओं को यह समझना पड़ेगा कि देश में आम जनता को अपने से जुड़े मुद्दे समझ में आते हैं।

अडाणी के मामले से किसी आमजन को किसी भी प्रकार का सरोकार नहीं है और किसी भी घटनाक्रम की सीमा होती है। हर रोज प्रेस कॉन्फेंस में या भाषण में एक ही बात को करना जनता को समझ नहीं आ रहा। दरअसल कांग्रेस बीते लगभग तीन वर्षों में किसी भी राज्य व लोकसभा चुनाव में जितनी ऊर्जा के साथ लजडी, उतनी ऊर्जा दिल्ली के परिवेश में नहीं दिख रही। इस बात को लेकर हर कोई आश्चर्यचकित है कि कांग्रेस ऐसा क्यों कर रही है। कुछ राजनीतिक विश्लेषकों का यह भी मानना है कि यह चुनाव कांग्रेस और आम आदमी पार्टी का अघोषित गठबंधन भी हो सकता है। यहां अघोषित गठबंधन से अभिप्राय यह है कि वह खुले तौर पर एक दूसरे के खिलाफ चुनाव लड़ेंगे लेकिन कांग्रेस केवल नाम मात्र के लिए ही चुनाव लड़ेगी। आज के दौर में इसका सबसे बड़ा उदाहरण मायावती के रूप में देखा जा सकता है।

इसके अलावा कांग्रेस के बड़े चेहरे भी आम आदमी पार्टी व भाजपा में शामिल हुए। कांग्रेस के दिल्ली के पूर्व अध्यक्ष अरविंदर सिंह लवली का भाजपा में शामिल होना एक बड़ा घटनाक्रम माना जा रहा है। लवली कांग्रेस की रीढ़ की हड्डी माने जाते थे। राहुल गांधी के करीबी दिल्ली कांग्रेस अध्यक्ष देवेंद्र यादव करीब एक महीने से न्याय यात्रा निकाले हुए हैं, लेकिन राहुल ने अब तक इसमें हिस्सा ही नहीं लिया है। जबकि इस न्याय यात्रा को लेकर कांग्रेस ने शुरुआत में खूब हवा बनाई थी। जैसे-जैसे समय बीत रहा है कांग्रेस जमीन पर कुछ खास करती हुई नजर नहीं आ रही है।

दरअसल इस बार के लोकसभा चुनाव में कांग्रेस ने पहले से अच्छा प्रदर्शन किया था और माना गया कि मुस्लिम मतदाताओं का रुझान कांग्रेस की ओर बढ़ रहा है और जहां तक बात दिल्ली में मुस्लिम मतदाताओं की है तो वो करीब 11-12 फीसदी हैं और 70 विधानसभा सीटों में से आठ तो मुस्लिम बाहुल्य हैं, वह 35 से 60 फीसद तक हैं। आम आदमी पार्टी के उदय से पहले यहां कांग्रेस जीतती रही है। ऐसे में इस बार कांग्रेस को फिर से वापसी का प्रयास करना चाहिए था। उसे कामयाबी भी मिल सकती थी, क्योंकि 2015 और 2020 के चुनाव में कांग्रेस को शून्य सीटें मिली थी। ज्ञात हो कि यह वही कांग्रेस और आदमी पार्टी है जो 1993 के विधानसभा चुनाव में एक-दूसरे को गाली देते हुए लड़े और जब लगा कि भाजपा सत्ता में आ सकती है तो दोनों एक हो गए लेकिन इनका साथ 50 दिन तक भी नहीं चला। तब कांग्रेस को 24 फीसदी से अधिक वोट मिले थे। इसके बाद जो हुआ उसका आंकड़ा गौर करने वाला है।

2015 में कांग्रेस का वोट फीसद दस के करीब रहा और 2020 में कांग्रेस का आंकड़ा गिरकर पांच फीसदी के करीब आ गया। इधर भाजपा का वोट प्रतिशत तीस फीसदी या उससे ज्यादा बना हुआ है। जबकि आम आदमी पार्टी का वोट फीसदी 53 प्रतिशत से ज्यादा हो चुका है। देखा जाए तो क्या दिल्ली में भाजपा को दूर रखने के लिए कांग्रेस ने आम आदमी पार्टी के साथ डील कर ली है। ऐसी डील पहले भी होती रही है और लोकसभा चुनाव में भी दोनों ने दिल्ली में मिलकर लड़ा था हालांकि दोनों को एक भी सीट नहीं मिल पाई थी। इसके अलावा फ्रांसीसी अखबार में छपी इस रिपोर्ट के आधार पर भाजपा के सांसदों ने कांग्रेस को सदन में घेरा। भाजपा के सांसदों ने कांग्रेस और विपक्ष के नेता पर विदेशी हस्तक्षेप को बढ़ावा देने का आरोप लगाया है। सांसद सुधांशु त्रिवेदी ने ओसीसीआरपी का मुद्दा जमकर उठाया और विपक्ष पर कई गंभीर आरोप भी लगाए। उन्होंने कहा कि जब भी संसद का सत्र चल रहा होता है, उसी समय विदेशों में कोई ना कोई रिपोर्ट सामने आ जा जाती है। इसमें कांग्रेस की कोई चाल नजर आती है। बहरहाल, दिल्ली विधानसभा चुनाव में किस तरह के किरदार अपनी उपस्थिति दर्ज करवाएंगे, यह तस्वीर अभी साफ नहीं है। अंतिम समय में क्या परिस्थिति बनती है यह समय बताएगा।

(लेखक, स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

भारत का धर्म-दर्शन और विज्ञान का मधुफल

हृदयनारायण दीक्षित

सम्पूर्ण प्रकृति से आत्मीय व्यवहार श्रेष्ठ है। प्रकृति की शक्तियां सुनिश्चित नियमों में गतिशील हैं। वैदिक पूर्वजों ने इस नियम को ऋत कहा है। प्रकृति की तरह मनुष्य को भी नियमों के अनुसार चलना चाहिए। प्रकृति और मनुष्य तथा मनुष्य और सभी मनुष्यों के मध्य आचार संहिता का नाम धर्म है। ईश्वर आस्था निजी विश्वास है। धर्म में इसकी बाध्यता नहीं। कठोपनिषद् की कथा का नचिकेता युवा है। यम ने उसे सत्यधृति कहा। वह सत्यनिष्ठ है। धर्म के यथार्थवादी रूप को जानता है। धर्म सम्पूर्णता के प्रति मनुष्य का सत्यनिष्ठ आदर्श व्यवहार है। उसने यम से पूछा-जो धर्म से पृथक है, अधर्म से पृथक है, भूत भविष्य से भी पृथक है, वह मुझे बताइए। (1.2.14) यहां धर्म लोकजीवन की आचारसंहिता है, धर्म और अधर्म की सारी कार्यवाही देश और समय के भीतर है। नचिकेता समय और देशकाल की आचार संहिता धर्म-अधर्म और भूत भविष्य से परे किसी अज्ञात तत्व सत्य का जिज्ञासु है। पूर्वजों ने उपलब्ध ज्ञान के आधार पर जीवनचर्या के नियम बनाए। इन्हें धर्म कहा गया।

विज्ञान और दर्शन अंतरिक्ष का भी अनुसंधान कर रहे हैं। लेकिन पंथिक मजहबी विश्वासों में दैवी घोषणायें ही सत्य मानी जाती हैं। भारत में धर्म और आस्था विश्वास से निरंतर वाद-विवाद और संवाद की परम्परा है। धर्म गतिशील आचार संहिता है। परमसत्ता पर भी प्रश्न और प्रति-प्रश्न हैं। यहां लोक खुलकर प्रकट होता है, धैर्य से सुनता है और प्रश्न-प्रतिप्रश्न करता है। धर्म सत्य-निष्ठ जिज्ञासु जीवनशैली है। यही सत्य है। सत्य और धर्म पर्यायवाची हैं। धर्म स्थिर आचार संहिता नहीं है। यहां समाज की तमाम शक्तियां धर्म को भी प्रभावित करती रही हैं।

वैदिक काल का धर्म आनन्द मगन करने वाला है। उत्तर वैदिक काल में तत्वज्ञान की शिखर ऊंचाइयां हैं। कुछ कर्मकाण्डों को भी चुनौती देती हैं। रामायण काल के धर्म में मर्यादा है। श्रीराम इसी मर्यादा के महानायक हैं। लेकिन महाभारत काल का धर्म अवनति में है। गीताकार ने बहुत खूबसूरत शब्द प्रयोग किया है-धर्म की ग्लानि। श्रीकृष्ण ने अर्जुन से कहा-जब-जब धर्म की ग्लानि होती है, तब-तब धर्म संस्थापन के लिए अवतार होते हैं। श्रीराम और श्रीकृष्ण में भारी फर्क है। श्रीराम रामायण काल में प्रचलित धर्म को मजबूती देते हैं। दुख उठाकर भी मर्यादा का पालन करते हैं। वे मर्यादा पुरुषोत्तम हैं। लेकिन श्रीकृष्ण महाभारत काल के प्रचलित धर्म ग्लानि को चुनौती देते हैं।

वैदिक काल में मनुष्य प्रकृति के निकट है। सूर्य अस्त होते हैं, मनुष्य सो जाते हैं। ऊषा आती है, वह सबको जगाती है। वैदिक समाज के जागरण और निद्रा प्राकृतिक हैं। ऋग्वेद के समय सभा और समितियां हैं। सभा में सभ्य ही जाते हैं। सामाजिक विकास के क्रम में तमाम रूढ़ियां भी आईं। महाभारत में सभा के भीतर भी जुआ है। महाभारत काल के युधिष्ठिर धर्मराज हैं लेकिन जुए में पत्नी द्रोपदी को भी दांव पर लगाते हैं। ऋग्वेद में पत्नी पूरे परिवार की साम्राज्ञी है। महाभारत में वह वस्तु और पदार्थ है। द्रोपदी इस धर्म को चुनौती देती है। लेकिन सभा में विराजमान द्रोणाचार्य, पितामह भीष्म जैसे महानुभाव प्रचलित धर्म से ही जुड़े हैं। द्रोपदी आहत है कहती है, भरतवंश के नरेशों का धर्म निश्चय ही भ्रष्ट हो गया है। राजाओं आप लोग क्या समझते हैं? मैं धर्म के अनुसार जीती गयी हूं या नहीं। (सभापर्व 67.41-42) महाभारत काल में धर्म की ग्लानि का समय है।

धर्म सबको धारण करता है। सब उसे धारण करते हैं। धर्म पालन में स्वतंत्रता है। इसलिए हरेक मनुष्य का अपना धर्म है। द्रोपदी के मन में धर्म की दूसरी कल्पना है, युधिष्ठिर और भीष्म आदि के मन में बिल्कुल दूसरी। भीष्म का उत्तर है, धर्म का स्वरूप अति सूक्ष्म होने के कारण मैं तुम्हारे प्रश्न का ठीक विवेचन नहीं कर सकता। जुआ अधर्म है, जुए के खेल में बेईमानी और भी बड़ा अधर्म है लेकिन पितामह धर्म के सूक्ष्म स्वरूप की बहानेबाजी के साथ और भी नई चालबाजी करते हैं। कहते हैं, धर्मराज युधिष्ठिर धन सम्पदा से भरी पृथ्वी त्याग सकते हैं किन्तु धर्म नहीं छोड़ सकते। इन्होंने स्वयं ही हार मान ली है। (सभा पर्व 67.47-49) भीम युधिष्ठिर के जुआ कर्म को गलत बताते हैं और कहते हैं, द्रोपदी की दुर्दशा के लिए मैं आपकी दोनों बाहें जला दूंगा। (सभापर्व 68.9) यहां भीम युधिष्ठिर से श्रेष्ठ दिखाई पड़ते हैं।

वैदिक काल से उत्तरवैदिक काल के बीच समय का लम्बा अंतराल है। वैदिक काल में परम्परायें पुष्ट हैं। उत्तर वैदिक काल में अन्तर्विरोध हैं। यज्ञ और पूजा से लाभ-हानि की बातें भी आ गयी हैं। इसी समय दर्शन का विकास हुआ। उपनिषद् दर्शन का आकाश छूना इस समय की विशेषता है। रामायण काल का धर्म मर्यादा पालन में खिला है। वैदिक समाज ने प्रकृति की शक्तियों को माँ-पिता देवता की तरह देखा था। महाभारत के श्रीकृष्ण उसी तत्व-दर्शन के व्याख्याता हैं। वैदिक ज्ञान सनातन प्रवाह है। गीता के चौथे अध्याय की शुरुआत में श्रीकृष्ण इसी ज्ञान की समाप्ति की चर्चा करते हैं-दीर्घकाल में यही तत्व-ज्ञान नष्ट हो गया। भारत प्रकाशरत राष्ट्रीयता है और धर्म इसी राष्ट्रीयता का संविधान। धर्म नाम के इस संविधान का सतत विकास हुआ है। दर्शन विज्ञान ने इस विकास का नेतृत्व किया है।

ऋग्वेद के रचनाकाल को कम से कम ईसा से 7-8 हजार वर्ष पूर्व मानना चाहिए। कुछेक सूक्त इससे भी प्राचीन हो सकते हैं। काणे के अनुसार-4000-1000 ईसा पूर्व के बीच वैदिक संहिता और उपनिषद् उगे हैं। प्रमुख उपनिषदों का रचनाकाल 1500 ई.पूर्व भी हो सकता है। कुछ का ईसवी सन् के बाद भी। काणे के अनुसार-800 से 400 ईसा पूर्व के मध्य प्रमुख श्रौत सूत्र और गृह्यसूत्र रचे गये। काणे के अध्ययन विवेचन में गौतम, आपस्तंब, वोधायन आदि के धर्मसूत्र भी 600-300 ईसा पूर्व के हैं। वे गीता का रचनाकाल भी 500-200 ईसा पूर्व अनुमानित करते हैं। गीता महाभारत का ही हिस्सा है। चिंतन और तर्क-प्रतितर्क की जीवनशैली के विकास में विपुल ज्ञान भंडार की भूमिका है। रामायण और महाभारत ने अपने ढंग से लोक को प्रभावित किया है। पुराणों की भी अपनी भूमिका है। पतंजलि के योग सूत्र और कौटिल्य का अर्थशास्त्र भी उल्लेखनीय है। चरक संहिता आयुर्वेद का ग्रंथ है।

भारतीय धर्म, दर्शन, परम्परा सतत विकासशील है। विविधिता यहां का सौन्दर्य है और आत्मीयता प्राण तत्व। भारत का धर्म इसी संसार को सुन्दर बनाने की आचार संहिता है। बुद्ध का निर्वाण इसी संसार में है। उपनिषद और भारत के 8 दर्शनों-सांख्य, मीमांसा, वैशेषिक, न्याय, योग, वेदांत और बुद्ध, जैन का लक्ष्य इसी संसार को मधुमय बनाना है। धर्म में अंधविश्वास नहीं है, समाज में बेशक है लेकिन वह धर्म भाग नहीं है। इसलिए भारत तब तक धर्महीन नहीं हो सकता जब तक जल में रस है, अग्नि में ताप है, वायु में स्पर्श गुण है और आकाश में शब्द-ध्वनि की अनुगूंज। धर्म भारत की लोकमंगल अभीप्सा का विस्तार और कर्तव्य है।भारत का धर्म दर्शन और विज्ञान का मधुफल है। अंधविश्वास नहीं प्रत्यक्ष सत्य है। वृहदारण्यक उपनिषद (1.4.14) में कहते हैं-धर्म निश्चित ही सत्य है। धर्म और सत्य में अभेद है। यह धर्म मधुवाता है। इसी उपनिषद (2.5.11) में कहते है-धर्म सभी भूतों का मधु है। समस्त भूत धर्म के मधु है। धर्म मधुमयता है। धर्म में ही अर्थ, काम और मुक्ति के सोपान हैं।

(लेखक, उत्तर प्रदेश विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष हैं।)

हेजलवुड हुए फिट, गाबा टेस्ट में खेलेंगेः कमिंस

एजेंसी

ब्रिस्बेन। ऑस्ट्रेलिया के कप्तान पैट कमिंस ने कहा कि तेज गेंदबाज जॉश हेजलवुड फिट है और गाबा में होने वाले तीसरे टेस्ट मैच में खेलेंगे। वह बोलैंड की जगह लेंगे। कमिंस ने कहा, हेजलवुड को अब कोई समस्या नहीं है और कल उन्होंने बेहतरीन गेंदबाजी की। दो दिन पहले एडिलेड में भी उन्होंने पूरा अभ्यास किया था। हमारे चिकित्सक दल की ओर से भी हरी झंडी मिल चुकी है। उन्होंने कहा, बोलैंड को बाहर किया जाना कठिन था, वह एडिलेड में बेहतरीन थे। यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि उन्हें पिछले 18 महीनों में बेंच पर अधिक समय बिताने पड़े हैं। हालांकि जब भी वह खेले है, बेहतरीन रहे है। मुझे अभी भी लगता है कि उन्हें सीरीज के दौरान और भी अवसर मिलेंगे। हमने उनको कहा है कि वह मेलबर्न के लिए तैयारी करें क्योंकि उन्हें वहां खेलने का अच्छा अवसर है।

कमिंस ने कहा कि गाबा टेस्ट के लिए ऑस्ट्रेलियाई टीम में एक बदलाव के साथ एकादश इस प्रकार हैः- पैट कमिंस (कप्तान), एलेक्स कैरी (विकेटकीपर), जॉश हेजलवुड, ट्रैविस हेड, उस्मान ख्वाजा, मार्नस लाबुशेन, नेथन लायन, मिचेल मार्श, नेथन मैकस्वीनी, स्टीव स्मिथ और मिचेल स्टार्क।

गेल की बराबरी पर टिम साउथी, विदाई मैच में 100 छक्कों से सिर्फ 2 कदम दूर

हैमिल्टन। न्यूजीलैंड के दाएं हाथ के बल्लेबाज टिम साउदी ने खेल के सबसे लंबे प्रारूप में वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज क्रिस गेल (98 छक्के) का रिकॉर्ड बराबर कर लिया है। दो छक्के लगाकर वह 100 अंक का आंकड़ा छू लेंगे। यह उनके अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट करियर का विदाई मैच है। उम्मीद है दूसरी पारी में वह दो और छक्के लगाकर छक्कों का शतक पूरा कर लेंगे। बहरहाल, इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट मैच के पहले दिन बल्लेबाजी करते हुए 36 वर्षीय साउदी ने केवल 10 गेंदों पर 23 रनों की तेज पारी खेली, जिसमें उन्होंने तीन छक्के भी लगाए।

टेस्ट क्रिकेट में सर्वाधिक छक्के लगाने वाले बल्लेबाज

बेन स्टोक्स (133)
ब्रेंडन मैकुलम (107),
एडम गिलक्रिस्ट (100)
क्रिस गेल (98)
टिम साउदी (98)

5 नीलामी : कब और कहां होगी, तारीख-समय कर लें नोट, यहां होगा सीधा प्रसारण

नई दिल्ली। डब्ल्यूपीएल 2025 नीलामी रविवार को बेंगलुरु में आयोजित होने वाली है, जिसमें 120 खिलाड़ियों की बोली लगेगी। पांच फ्रेंचाइजी खिलाड़ियों के लिए बोली लगाएंगी। नीलामी पूल में 91 भारतीय तो 29 अंतराष्ट्रीय खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें एसोसिएट देशों की 3 उभरती प्रतिभाएं शामिल हैं। इनमें से 30 खिलाड़ी कैप्ड (9 भारतीय, 21 विदेशी) हैं, जबकि 90 अनकैप्ड (82 भारतीय, 8 विदेशी) हैं। अधिकांश फ्रेंचाइजी ने अपने मुख्य दल को बरकरार रखा है, केवल 19 स्लॉट खुले हैं, जिनमें 5 विदेशी खिलाड़ियों के लिए हैं। इस साल की नीलामी में मार्की खिलाड़ियों में तेजल हसब्निस, स्नेह राणा, डीड्रा डॉटिन (वेस्टइंडीज), हीथर नाइट (इंग्लैंड), ओर्ला प्रेंडरगैस्ट (आयरलैंड), लॉरेन बेल (इंग्लैंड), किम गर्थ (ऑस्ट्रेलिया) और डेनियल गिब्सन (इंग्लैंड) शामिल हैं।

रीजा हेंड्रिक्स ने बनाया टी20 का पहला शतक, डी कॉक का रिकॉर्ड टूट गया

नई दिल्ली। साउथ अफ्रीका के सलामी बल्लेबाज रीजा हेंड्रिक्स ने पाकिस्तान के खिलाफ दूसरे टी20 में अपने टी20 करियर का पहला शतक बनाया। उन्होंने 63 गेंदों पर 10 छक्कों और 7 चौकों की मदद से 117 रन बनाए। वह अब दक्षिण अफ्रीका के लिए टी20 इंटरनेशनल में 18 बार 50 से ज्यादा का स्कोर बना चुके हैं। उन्होंने इस तरह हमवतन क्विंटन डीकॉक का रिकॉर्ड तोड़ दिया जिन्होंने 17 बार यह कारनामा कर दिखाया था।

टी20आई में साउथ अफ्रीका के लिए सर्वाधिक 50+ स्कोर

18 - रीजा हेंड्रिक्स, 17 - क्विंटन डी कॉक, 11 - जीन पॉल डुमिनी, 11 - फाफ डु प्लेसिस

साउथ अफ्रीका के लिए टी20 में हाइएस्ट स्कोर

119 - फाफ डु प्लेसिस बनाम वेस्टइंडीज (2015)
117* - रिचर्ड लेवी बनाम न्यूजीलैंड (2012)
117 - रीजा हेंड्रिक्स बनाम पाकिस्तान (2024)

अपनी शतकीय पारी के लिए प्लेयर आफ द मैच बने रीजा हेंड्रिक्स ने कहा कि तीन अंकों तक पहुंच कर काफी खुश हूं। मुझे इस मुकाम तक पहुंचने के लिए काफी समय लग गया।

पल्टन की घर में पहली जीत, बेंगलुरू बुल्स को 38 अंक से हराकर प्लेआफ की उम्मीदों को जिंदा रखा

एजेंसी

पुणे। अपने घर में पहली और बेहद प्रभावशाली जीत के साथ पुनेरी पल्टन ने प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के प्लेऑफ में जाने की उम्मीदों को जिंदा रखा है। पल्टन ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए सीजन के 110वें मैच में बेंगलुरू बुल्स को 56-18 के अंतर से हराया। पल्टन 19 मैचों में आठवीं जीत के साथ अंक तालिका में एक स्थान की छलांग के साथ सातवें पायदान पर पहुंच गए हैं। पल्टन और जयपुर के बराबर अंक हैं लेकिन स्कोर डिफरेंस में पल्टन बेहतर हैं। पल्टन की जीत में आकाश, आर्यवर्धन और मोहित ने 8-8 अंक लिए जबकि गौरव और अमन ने हाई-5 लगाया। बुल्स को 19 मैचों में 16वीं हार मिली। इस अहम मैच में पल्टन ने अच्छी शुरुआत करते हुए 4-1 की लीड बनाकर बुल्स के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। फिर मोहित ने नितिन का शिकार कर बुल्स को आलआउट की ओर धकेल दिया। अगली रेड पर हालांकि प्रतीक ने मोहित को सुपर टैकल कर स्कोर 4-5 कर दिया। आकाश ने बुल्स को फिर आलआउट की ओर धकेला।

परदीप को लपक पल्टन ने आलआउट लेकर 10-6 की लीड ले ली। आलइन के बाद भी पल्टन ने दो अंक लेकर फासला दोगुना कर लिया। 10 मिनट के बाद पल्टन 12-6 से आगे थे। ब्रेक के बाद तीन मिनट के खेल में पल्टन ने एक के मुकाबले पांच अंक लेकर स्कोर 17-7 कर दिया और फिर दूसरा आलआउट लेकर 20-7 की लीड ले ली। पल्टन यही नहीं रुके और अपने खाते में

6 अंक जोड़ते हुए 26-7 के स्कोर के साथ पाला बदला। बुल्स एक बार फिर आलआउट की कगार पर थे। हाफटाइम के बाद पल्टन ने तीसरा आलआउट लेते हुए 30-8 की लीड ले ली। आलइन के बाद बुल्स ने थोक में बदलाव किए लेकिन कोई फायदा होता नहीं दिखा। इसी बीच गौरव ने हाई-5 पूरा किया। अब तक के खेल में पल्टन ने रेड में पांच के मुकाबले 14 और डिफेंस में तीन के मुकाबले 11 अंक लेकर वर्चस्व कायम किया। इस बीच मोहित की रेड पर दोनो टीमों को 2-2 अंक मिले। स्कोर 36-11 हो गया था। इस बीच पल्टन ने बुल्स को एक बार फिर सुपर टैकल सिचुएशन में ला दिया। साथ ही अमन ने हाई-5 पूरा किया। फिर मोहित ने दो अंक के साथ चौथा आलआउट लेकर पल्टन को 43-12 से आगे कर दिया। अब तक पल्टन ने 16 के मुकाबले सिर्फ 1 फेल्ड टैकल किया।

इसी बीच परदीप ने सुपर रेड के साथ थोड़ी उत्सुकता जगाई लेकिन इससे बेखबर पल्टन ने जल्द ही 50 अंक के आंकड़े को छू लिया। स्कोर 50-16 था। पल्टन ने इसके बाद भी बुल्स पर दया नहीं दिखाई। अंतिम मिनट में आर्यवर्धन ने पांच अंक की रेड के साथ बुल्स के डिफेंस को नेस्तनाबूत कर दिया। और इस तरह पल्टन ने घर में पहली और अब तक की सबसे बड़ी जीत के साथ अपने फैंस को खुश होने का मौका दिया। बुल्स के लिए परदीप के सुपर रेड के अलावा कोई बड़ा मौका नहीं आया।

बड़ौदा को छह विकेट से हराकर मुम्बई सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के फाइनल में

एजेंसी

बेंगलुरु। अजिंक्य रहाणे (98) और कप्तान श्रेयस अय्यर (46) की तूफानी पारियों की बदौलत मुंबई ने हुये पहले सेमीफाइनल मुकाबले में बड़ौदा को छह विकेट से हराकर सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली।बड़ौदा के 158 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मुंबई का पहला विकेट पृथ्वी शॉ (आठ) के रूप में गिरा। शॉ को हार्दिक पंड्या ने आउट किया। उस समय मुंबई का स्कोर मात्र 30 रन था। जीत की ओर बढ़ रही मुम्बई को 13वें ओवर में अतीत शेठ ने कप्तान श्रेयस अय्यर को आउट कर बड़ौदा को दूसरी सफलता दिलाई। श्रेयस अय्यर ने 30 गेंदों में चार चौके और तीन छक्के लगाते हुए (46) रनों की पारी खेली। अजिंक्य रहाणे ने 56 गेंदों में 11 चौके और पांच छक्कों की मदद से (98) रनों की पारी खेली। रहाणे को अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत ने 17वें ओवर में आउट किया। सूर्यकुमार यादव एक रन बनाकर आउट हुये। मुम्बई ने 17.2 ओवर में चार विकेट पर 164 रन बनाकर छह विकेट से मुकाबला जीत लिया। सूर्यांश शेगड़े ने 17वें ओवर की दूसरी गेंद पर छक्का लगाकर मुंबई को जीत दिलाई। बड़ौदा की ओर से हार्दिक पंड्या,अतीत शेठ,अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत और शाश्वत रावत ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मुंबई ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी बड़ौदा के लिए शाश्वत रावत और अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिये अभी 23 रन ही जोड़े थे कि तीसरे ओवर में मोहित अवस्थी ने अभिमन्यु विक्रमसिंह राजपूत (नौ) को आउट कर मुम्बई को पहली सफलता दिलाई। बड़ौदा का अगला विकेट कप्तान क्रुणाल पंड्या (30) के रूप में गिरा। भानु पनिया (दो), हार्दिक पंड्या (पांच), विष्णु सोलंकी(छह) और अतीत शेठ 14 गेंदों में (22) रन बनाकर आउट हुये। शिवालिक शर्मा ने 24 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 36) रनों की पारी खेली।

न्यूजीलैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड ने घोषित की अपनी प्लेइंग इलेवन, वोक्स की जगह मैथ्यू पॉट्स टीम में शामिल

एजेंसी

हैमिल्टन। इंग्लैंड ने सेडॉन पार्क में न्यूजीलैंड के खिलाफ सीरीज के तीसरे और अंतिम टेस्ट मैच के लिए अपनी अंतिम एकादश घोषित कर दी है। टीम में क्रिस वोक्स की जगह दाएं हाथ के तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को शामिल किया है।

कप्तान बेन स्टोक्स ने संवाददाताओं से कहा कि इंग्लैंड हैमिल्टन में तीसरी आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप प्रतियोगिता के लिए अपने लाइन-अप में एक बदलाव किया गया है, जिसमें तेज गेंदबाज मैथ्यू पॉट्स को साथी तेज गेंदबाज क्रिस वोक्स की जगह वापस बुलाया गया है। इसका मतलब है कि ओली पोप कीपर की भूमिका में बने रहेंगे। इंग्लैंड ने क्राइस्टचर्च और वेलिंगटन में शुरुआती दो मैच जीत लिया है और अब उनका प्रयास क्लीन स्वीप करने का है। वहीं न्यूजीलैंड के कप्तान टॉम लैथम ने अपनी एकादश का खुलासा नहीं किया है, कप्तान ने सुझाव दिया कि वह यह घोषणा करने से पहले शनिवार की सुबह तक इंतजार करेंगे, जिससे उपस्थिति के लिए लाइन-अप में लौटने का मौका है।

इंग्लैंड की प्लेइंग इलेवनः जैक

क्रॉली, बेन डकेट, जैकब बेथेल, जो रूट, हैरी ब्रूक, ओली पोप, बेन स्टोक्स (कप्तान), गस एटकिंसन, मैथ्यू पॉट्स, ब्रायडन कार्स, शोएब बशीर।

यह अभी अधर में है कि अनुभवी तेज गेंदबाज टिम साउथी को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने से पहले अंतिम टेस्ट खेलने का मौका मिलेगा या नहीं। साउथी तीन तेज गेंदबाजी स्थानों के लिए अपने साथी तेज गेंदबाज विल ओ'रूर्के, नाथन स्मिथ और मैट हेनरी के साथ प्रतिस्पर्धा में हैं, जबकि बाएं हाथ के स्पिनर मिशेल सेंटनर के पास श्रृंखला में अपनी पहली

न्यूजीलैंड की संभावित एकादशः टॉम लैथम (कप्तान), विल यंग, केन विलियमसन, रचिन रवींद, डेरिल मिशेल, टॉम ब्लंडेल, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर, नाथन स्मिथ, मैट हेनरी, टिम साउथी, विल ओ'रूर्के।

बांग्लादेश के खिलाफ टी20 सीरीज के लिए वेस्टइंडीज की टीम घोषित, शाई होप, शेरफेन रदरफोर्ड बाहर

एजेंसी

किंग्सटाउन। वेस्टइंडीज ने घरेलू मैदान पर बांग्लादेश के खिलाफ आगामी टी20 सीरीज के लिए टीम की घोषणा कर दी है। विकेटकीपर-बल्लेबाज शाई होप और बाएं हाथ के बल्लेबाज शेरफेन रदरफोर्ड को टीम से बाहर कर दिया गया है। ऑस्ट्रेलिया में बिग बैश लीग में खेलने के कारण इस जोड़ी को बाहर कर दिया गया, रोवमैन पॉवेल एक बार फिर खेल के सबसे छोटे प्रारूप में वेस्टइंडीज का नेतृत्व करेंगे। फॉर्म में चल रहे बल्लेबाज कीसी कार्टी ने सेंट किट्स में बांग्लादेश के खिलाफ तीसरे और अंतिम वनडे में 95 रन बनाकर पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय कॉल-अप हासिल किया, जबकि अनुभवी बल्लेबाज जॉनसन चार्ल्स भी चोट के कारण हाल ही में सीरीज गंवाने के बाद वापस लौटे हैं। वेस्टइंडीज के कोच डेरेन सैमी ने कहा कि टीम को आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के 2026 संस्करण को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।उन्होंने कहा, कार्टी ने हमें दिखाया है कि वह उस प्रारूप में एक बल्लेबाज हो सकता है, और बांग्लादेश के खिलाफ खेलते हुए, एक ऐसी टीम जिसे हम हल्के में नहीं ले सकते, हमें डेक पर

सभी की जरूरत है। हमारे पास उपलब्ध खिलाड़ियों के साथ टीम का सावधानीपूर्वक चयन किया गया था, और मुझे विश्वास है चैंपियनशिप जीतने के लिए आवश्यक अनुभव के साथ यह हमारी सबसे व्यवस्थित टीम है वेस्टइंडीज और बांग्लादेश के बीच तीनों मैच सेंट विंसेंट में होंगे, पहला मुकाबला 15 दिसंबर से शुरू होगा। दूसरा मैच ,17 और तीसरा 19 दिसंबर को खेला जाएगा।

वेस्टइंडीज की टीम इस प्रकार हैःरोवमैन पॉवेल (कप्तान), ब्रैंडन किंग (उप-कप्तान), कीसी कार्टी, जॉनसन चार्ल्स, रोस्टन चेज, जस्टिन ग्रीव्स, टेरेंस हिंड्स, अकील होसेन (केवल पहले दो मैच), जेडन सील्स (केवल तीसरा मैच), अल्जारी जोसेफ , एविन लुईस, ओबेद मैककॉय, गुडाकेश मोती, निकोलस पूरन, रोमारियो शेफर्ड, शमर स्प्रिंगर।

अफगानिस्तान ने जिम्बाब्वे को 50 रनों से दी शिकस्त

एजेंसी

हरारे। डरविश रसूली (58) रन की अर्धशतकीय पारी के बाद नवीन उल हक और राशिद खान (तीन-तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर अफगानिस्तान ने दूसरे टी-20 मुकाबले में जिम्बाब्वे को 50 रनों से हराकर तीन मैचों की सीरीज में एक-एक से बराबरी कर ली है।अफगानिस्तान के 153 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी जिम्बाब्वे की पूरी टीम 17.4 ओवर में 103 रन पर ढेर हो गई। नवीन उल हक और राशिद खान के गेंदबाजी आक्रमण के आगे जिम्बाब्वे का कोई भी बल्लेबाज अधिक देर तक पिच पर नहीं टिक सका। कप्तान सिकंदर रजा ने टीम के लिए सर्वाधिक (35) रनों की पारी खेली। ब्रायन बेनेट (27) और ताशिंगा मुसेकीवा (13) रन बनाकर आउट हुये। जिम्बाब्वे के आठ बल्लेबाज दहाई अंक तक भी नहीं पहुंच सके।

अफगानिस्तान की ओर से नवीन उल हक और राशिद खान ने तीन-तीन विकेट लिये। मुजीब उर रहमान को दो, अजमतउल्लाह ओमरजई और फरीद अहमद को एक-एक विकेट मिला। इससे पहले आज यहां अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 33 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। रहमानउल्लाह गुरबाज (11), जुबैद अकबरी (एक) और सेदिकुल्लाह अटल (18) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद डरविश रसूली और अजमतउल्लाह ओमरजई ने पारी संभालने का प्रयास किया। अजमतउल्लाह ओमरजई (28), मोहम्मद नबी (चार) और डरविश रसूली (58) रन बनाकर आउट हुये। गुलबदीन नईब (26) और राशिद खान (तीन) रन बनाकर नाबाद रहे। अफगानिस्तान ने निर्धारित 20 ओवर में छह विकेट पर 153 रन का स्कोर खड़ा किया। जिम्बाब्वे की ओर से ट्रेवर ग्वांडू और रायन बर्ल ने दो-दो विकेट लिये। ब्लेसिंग मुजरबानी को एक विकेट मिला।

बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 से बाहर हुई ट्रीसा जॉली, गायत्री गोपीचंद की भारतीय युगल जोड़ी

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय महिला युगल जोड़ी ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद हांग्जो में अपने ग्रुप ए मुकाबले में जापानी जोड़ी नामी मात्सुयामा और चिहारू शिदा के खिलाफ सीधे गेम में हारकर बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड टूर फाइनल 2024 से बाहर हो गई।

भारतीय जोड़ी करो या मरो वाले मैच में 17-21, 13-21 से हार गई, जहां एक जीत उन्हें टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में जगह दिला सकती थी। ट्रीसा और गायत्री, (सीज़न के अंतिम टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाले एकमात्र भारतीय) को ग्रुप के अपने शुरुआती मैच में विश्व नंबर 1 लियू शेंग शू और चीन के टैन निंग के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा था। उन्होंने अपने दूसरे मैच में मलेशियाई जोड़ी पर्ली टैन और थिना मुरलीधरन के खिलाफ जीत के साथ वापसी की

और अपनी सेमीफाइनल की उम्मीदों को जिंदा रखा। हालांकि, हालिया हार के बाद, वे तीन मैचों में केवल एक अंक के साथ अपने समूह में तीसरे स्थान पर रहे। चीनी और जापानी जोड़ी समूह में क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहते हुए अगले चरण में आगे बढ़ी।

भारत ने वेस्टइंडीज के साथ टी-20 श्रृंखला और वनडे के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषित

एजेंसी

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की महिला चयन समिति ने वेस्टइंडीज के खिलाफ होने वाली तीन टी-20 और एकदिवसीय घरेलू सीरीज के लिए 15 सदस्यीय टीम की घोषणा कर दी है।हरमनप्रीत कौर की अगुवाई में भारतीय महिला टीम में नंदिनी कश्यप, सजना सजीवन और राघवी बिष्ट को शामिल किया है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ शानदार प्रदर्शन करने वाली अरुंधति रेड्डी को एकदिवसीय और टी-20 टीमों में जगह नहीं मिली। स्मृति मंधाना टीम की उप कप्तान होंगी। तीनों टी-20 मैच नवी मुंबई के डीवाई पाटिल स्टेडियम में खेले जाएंगे।

इसके बाद 22 दिसंबर से वडोदरा के कोटांबी स्टेडियम में तीन मैचों की एकदिवसीय सीरीज भी खेली जाएगी। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एकदिवसीय सीरीज से बाहर रहने वाली शेफाली वर्मा भी टीम से बाहर हैं। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन टी20 मैचों की

सीरीज के लिए भारतीय टीम इस प्रकार है.- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), नंदिनी कश्यप, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), दीप्ति शर्मा, सजना सजीवन, राघवी बिस्ट, रेणुका सिंह ठाकुर, प्रिया मिश्रा, तितास साधु, साइमा ठाकोर, मिन्नू मणि और राधा यादव। वेस्टइंडीज के खिलाफ तीन एकदिवसीय मैचों की सीरीज के लिए भारतीय टीमः- हरमनप्रीत कौर (कप्तान), स्मृति मंधाना (उपकप्तान), प्रतिका रावल, जेमिमा रोड्रिग्स, हरलीन देयोल, ऋचा घोष (विकेटकीपर), उमा छेत्री (विकेटकीपर), तेजल हसब्निस, दीप्ति शर्मा, मिन्नू मणि, प्रिया मिश्रा, तनुजा कंवर, तितास साधु, साइमा ठाकोर और रेणुका सिंह ठाकुर।

तमिलनाडु सरकार युवा विश्व चैंपियन गुकेश को देगी पांच करोड़ रूपये का पुरस्कार

एजेंसी

चेन्नई। तमिलनाडु सरकार ने सबसे युवा विश्व शतरंज चैंपियन डी गुकेश को पांच करोड़ रूपये की पुरस्कार राशि देने की घोषणा की।मुख्यमंत्री एम के स्टालिन ने आज तमिलनाडु को गौरवान्वित करने वाले गुकेश को उपमुख्यमंत्री उदयनिधि स्टालिन के अनुरोध पर पांच करोड़ रुपये का नकद पुरस्कार देने की घोषणा की। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के अनुसार श्री स्टालिन ने विश्व चैंपियन बनने के तुरंत बाद गुकेश से फोन पर बात कर उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दी।उल्लेखनीय है कि सिंगापुर में हुई विश्व चैंपियनशिप के 14वें और अंतिम दौर में गुरुवार को भारतीय ग्रैंडमास्टर डी गुकेश ने चीन के डिंग लिरेन को 7.5 - 6.5 से हराकर विश्व चैंपियनशिप का खिताब अपने नाम किया था।

दिल्ली को सात विकेट से हराकर मध्यप्रदेश एसएमएटी के फाइनल में

एजेंसी

बेंगलुरु कप्तान रजत पाटीदार (नाबाद 66) की अर्धशतकीय और हरप्रीत सिंह (नाबाद 46) की आतिशी पारियों के दम पर मध्यप्रदेश ने सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल में दिल्ली को सात विकेट से हराकर फाइनल में जगह बना ली है। फाइनल में मध्यप्रदेश का मुकाबला मुम्बई से होगा।दिल्ली के 146 रनों के जवाब में बल्लेबाजी करने उतरी मध्यप्रदेश की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने मात्र 20 रन पर अपने दो विकेट गवां दिये। अर्पित गौड़ (शून्य), शुभांशु सेनापति (सात) रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद हरप्रीत सिंह ने हर्ष गवली के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में हिमांशु चौहान ने हर्ष गवली (30) को आउट कर मध्यप्रदेश को तीसरा झटका दिया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान रजत पाटीदार ने हरप्रीत सिंह के साथ तूफानी अंदाज में रन बटोरते हुए अटूट साझेदारी कर अपनी टीम को जीत दिलाई। कप्तान रजत

पाटीदार 28 गेंदों में चार चौके और छह छक्के उड़ाते हुए (नाबाद 66) रनों की अर्धशतकीय पारी खेली। वहीं हरप्रीत सिंह ने 38 गेंदों में चार चौके और दो छक्के लगाते हुए (नाबाद 46) रन बनाये। मध्यप्रदेश ने 15.4 ओवर में तीन विकेट पर 152 रन बनाकर सात विकेट से मुकाबला जीत लिया। दिल्ली की ओर से इशांत शर्मा ने दो और हिमांशु चौहान ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां मध्यप्रदेश ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी दिल्ली के लिए प्रियांश आर्य और यश ढुल की सलामी जोड़ी ने पहले विकेट के लिए 38 रन जोड़े। छठे ओवर में त्रिपुरेश सिंह ने यश ढुल (11) को आउट कर दिल्ली को पहला झटका दिया। इसके बाद नौवें ओवर में कुमार कार्तिकेयन ने प्रियांश आर्य (29) को आउट कर मध्यप्रदेश को दूसरी सफलता दिलाई। कप्तान आयुष बदोनी (19), हिम्मत सिंह (15) और मयंक राव (24) रन बनाकर आउट हुये। अनुज रावत ने 24 गेंदों में (नाबाद 33) रन बनाये। हर्ष त्यागी नौ रन बनाकर नाबाद रहे। दिल्ली की टीम ने निर्धारित 20 ओवरों में पांच विकेट पर 146 रनों का स्कोर खड़ा किया।

देवांक, अयान और शुभव की बदौलत तमिल थलाइवाज को दूसरे स्थान पर पहुंचे पटना पाइरेट्स

एजेंसी

पुणे। अयान (13), देवांक (12), और डिफेंडर शुभम शिंदे (5) के बेहतरीन प्रदर्शन की बदौलत पटना पाइरेट्स ने बालेवाड़ी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स के बैडमिंटन हॉल में खेले गए प्रो कबड्डी लीग के 11वें सीजन के 109वें मैच में तमिल थलाइवाज को 42-38 के अंतर से हराकर अंक तालिका में दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। पटना ने 18 मैचों में 11वीं जीत हासिल की जबकि मोइन शफागी (11) और सचिन (8) के सराहनीय प्रदर्शन के बावजूद थलाइवाज को 18 मैचों में 11वीं हार को मजबूर हुई। इसी के साथ प्लेआफ में जाने की थलाइवाज की उम्मीदों को झटका लगा है। जिस वक्त पटना आलआउट की कगार पर थे, अयान को बोनस देना थलाइवाज को भारी पड़ गया। बहरहाल, तीन बार के चैंपियन पटना ने अच्छी शुरुआत के साथ तीन मिनट में 5-2 की लीड बना ली थी। पांचवां मिनट बीतते-बीतते हालांकि थलाइवाज ने वापसी की राह पकड़ी और स्कोर 5-6 कर दिया। इसके बाद हिमांशु ने शुभम का शिकार कर स्कोर बराबर कर दिया। शुरुआती 8 मिनट में पटना को एक भी टैकल प्वाइंट नहीं मिला था, फिर भी वे 9-7 से आगे थे। इस बीच देवांक ने मल्टी प्वाइंटर के साथ न सिर्फ स्कोर 11-7 किया बल्कि थलाइवाज के लिए सुपर टैकल आन कर दिया। इसके बाद की रेड पर भी देवांक ने दो अंक लेकर थलाइवाज को आलआउट की कगार पर ला दिया। सचिन आउ और लपक लिए गए। इस तरह पटना ने 16-9 की लीड ले ली। ब्रेक के बाद पटना ने शफागी को लपका तो थलाइवाज ने अयान और देवांक का शिकार कर पटना को बड़ा झटका दिया। 15 मिनट की समाप्ति तक थलाइवाज ने 12-17 के स्कोर पर वापसी की राह पकड़ ली थी। इसके बाद पटना ने लगातार दो अंक लिए पर सचिन ने मल्टी प्वाइंटर के साथ मामला बराबर कर दिया। हाफटाइम तक पटना 20-15 से आगे थे। हाफटाइम के बाद थलाइवाज ने एक अंक लिया तो दीपक ने सुपर रेड के साथ पटना को 23-16 से आगे कर दिया। इस बीच सुपर टैकल की स्थिति में देवांक ने सुपर रेड के साथ स्कोर 26-18 कर दिया। सचिन ने हालांकि आलआउट टाला और फिर साहिल ने देवांक को सुपर टैकल कर स्कोर 20-26 कर दिया। फिर सचिन ने डू ओर डाई रेड पर दो अंक लेकर फासला 4 का कर दिया। इस बीच सचिन ने चार के डिफेंस मे एक और अंक निकाला। पटना के लिए सुपर टैकल आन था और शुभम ने हिमांशु को लपक स्कोर 29-24 कर दिया। अगली रेड पर शफागी ने शुभम को बाहर कर दिया। 30 मिनट बाद पटना 29-25 से आगे थे। ब्रेक के बाद पायरेट्स आलआउट की कगार पर थे लेकिन दो मौकों पर अयान ने दो अंक के साथ इसे बचा लिया। तीसरे प्रयास में हालांकि वह लपके गए। अब स्कोर 31-35 था। देवांक और अयान सुपर-10 पूरा कर चुके थे। आलइन के बाद पटना ने 2 के मुकाबले तीन अंक लेकर पांच की लीड बरकरार रखी थी। थलाइवाज ने इसके बाद लगातार दो अंक लेकर फासला 3 का कर दिया।

पटना ने हालांकि उसे वापसी का मौका नहीं दिया और अपनी लीड को पांच का कर लिया। इसी दौरान शुभम का हाई-5 भी पूरा हुआ। अंततः पटना ने चार अंकों का फासला बनाए रखा और एक अच्छी जीत के साथ दूसरे स्थान पर काबिज हो गई।

पेट्रोल और डीजल की कीमतें यथावत

नई दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी लगातार जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम आज यथावत रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपये प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपये प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपये प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपये प्रति लीटर पर रहा। वैश्विक स्तर पर सप्ताहांत पर अमेरिकी क्रूड 0.60 प्रतिशत चढ़कर 70.44 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया। इसी तरह लंदन ब्रेंट क्रूड 0.59 प्रतिशत की तेजी के साथ 73.84 डॉलर प्रति बैरल पर रहा।

एनएलसीआईएल के पहले सुपरक्रिटिकल बिजली संयंत्र का वाणिज्यिक संचालन शुरू

नयी दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) ने उत्तर प्रदेश में अपने 3 × 660 मेगावाट सुपरक्रिटिकल घाटमपुर ताप विद्युत संयंत्र (जीटीपीपी) की पहली इकाई के वाणिज्यिक संचालन की शुरुआत की घोषणा की। कंपनी ने बयान जारी कर बताया कि इसे नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल) के माध्यम से विकसित किया गया है, जो उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम है। इसकी पहली इकाई ने 07 दिसंबर, 2024 को अपना परीक्षण संचालन सफलतापूर्वक पूरा कर लिया और आज से वाणिज्यिक संचालन शुरू कर दिया। यह मील का पत्थर एनएलसीआईएल के सुपरक्रिटिकल पावर जनरेशन तकनीक में पहला उद्यम है, जो कंपनी के ऊर्जा पोर्टफोलियो को बढ़ाने में एक बड़ी छलांग है। विशेष रूप से, यह 660 मेगावाट क्षमता वृद्धि महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस वित्तीय वर्ष में भारत में चालू होने वाला पहला जीवाश्म ईंधन आधारित ताप विद्युत संयंत्र है। यह उपलब्धि बिजली क्षेत्र में एनएलसीआईएल की स्थिति और भारत की ऊर्जा सुरक्षा और सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देने वाली बड़े पैमाने की परियोजनाओं को निष्पादित करने की इसकी क्षमता को मजबूत करती है। एनएलसीआईएल ने कहा कि ग्रीनफील्ड घाटमपुर ताप विद्युत स्टेशन की पहली 660 मेगावाट इकाई के वाणिज्यिक संचालन के साथ एनएलसी इंडिया लिमिटेड और इसकी समूह कंपनियों की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 6,071 मेगावाट से बढ़कर 6,731 मेगावाट हो गई है। जीटीपीपी परियोजना उत्तर प्रदेश और असम की बढ़ती बिजली मांगों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसकी सुपरक्रिटिकल तकनीक पारंपरिक संयंत्रों की तुलना में उच्च दक्षता, कम ईंधन खपत और कम उत्सर्जन सुनिश्चित करती है।

मीशो के ऑर्डर 2024 में 35 प्रतिशत बढ़े, उपयोगकर्ता की संख्या में 25 प्रतिशत की वृद्धि

नयी दिल्ली। ई-कॉमर्स कंपनी मीशो ने कहा कि वर्ष 2024 में उसे मिलने वाले ऑर्डर में 35 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि हुई जबकि उपयोगकर्ताओं की संख्या 25 प्रतिशत बढ़कर 17.5 करोड़ हो गई है। मीशो ने एक बयान में कहा कि खपत बढ़ने और टियर-2 एवं छोटे शहरों में ई-कॉमर्स का चलन बढ़ने से सौंदर्य एवं निजी देखभाल (बीपीसी) और घरेलू एवं रसोई खंडों में ऑर्डर सालाना आधार पर 70 प्रतिशत बढ़े हैं। सॉफ्टबैंक-समर्थित कंपनी ने कहा, ऑर्डर में सालाना आधार पर लगभग 35 प्रतिशत की वृद्धि के साथ, यह मंच मजबूत उपभोक्ता धारणा और देश भर में ई-कॉमर्स की तेज वृद्धि को दर्शाता है। कंपनी ने कहा कि यह वृद्धि भारत में बेहतर मूल्य चाहने वाले खरीदारों के दम पर है। ये ग्राहक फैशन, सौंदर्य, व्यक्तिगत देखभाल और घरेलू आवश्यक वस्तुओं जैसी विवेकाधीन श्रेणियों में किफायत को प्राथमिकता दे रहे हैं।मीशो ने कहा कि वित्त वर्ष 2023-24 में वह 232 करोड़ रुपये का परिचालन नकदी प्रवाह सृजित करने वाली पहली क्षैतिज ई-कॉमर्स मंच बन गई।

अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले रुपया 10 पैसे चढ़कर 84.78 प्रति डॉलर पर

मुंबई। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया शुक्रवार को अपने सर्वकालिक निचले स्तर से उबरकर 10 पैसे की बढ़त के साथ 84.78 (अस्थायी) पर बंद हुआ।

घरेलू शेयर बाजारों में मजबूत सुधार और मुद्रास्फीति के आंकड़ों में नरमी के कारण रुपये को समर्थन मिला। हालांकि, विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि विदेशों में अमेरिकी मुद्रा की मजबूती और विदेशी कोष की निकासी ने स्थानीय मुद्रा में सकारात्मक रुख को सीमित किया।अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 84.87 पर खुला और कारोबार के दौरान डॉलर के मुकाबले 84.77 के उच्चतम स्तर तक गया। अंत में डॉलर के मुकाबले रुपया 84.78 (अस्थायी) पर बंद हुआ, जो पिछले बंद स्तर से 10 पैसे की बढ़त है। रुपया पांच पैसे गिरकर 84.88 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर बंद हुआ था। इससे पहले रुपया नौ दिसंबर को 20 पैसे गिरकर 84.86 प्रति डॉलर के निचले स्तर पर बंद हुआ था।

दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की फोर्ब्स सूची में सीतारमण सहित 3 भारतीय महिलाएं

एजेंसी

नई दिल्ली। अमेरिकी बिजनेस मैगजीन फोर्ब्स ने वर्ष 2024 के लिए दुनिया की 100 सबसे शक्तिशाली महिलाओं की सूची जारी की है। फोर्ब्स की 21वीं सूची में तीन भारतीय महिलाओं के नाम हैं, जिसमें निर्मला सीतारमण, रोशनी नादर मल्होत्रा और किरण मजूमदार-शॉ हैं। सूची में उद्योग, मनोरंजन, राजनीतिक, समाज सेवा और नीति नियंताओं के नाम शामिल हैं, जिन्होंने अपने-अपने क्षेत्र में उल्लेखनीय काम किया है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण

केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण फोर्ब्स की इस सूची में 28वें स्थान पर हैं। सीतारमण ने मई 2019 में केंद्रीय वित्त मंत्री का पद संभाला था और उसके बाद से लगातार इस अहम पद पर बनी हुई हैं। निर्मला सीतारमण पर भारत के

तेज आर्थिक विकास को बनाए रखने की जिम्मेदारी है और उनके नेतृत्व में भारत पांच खरब डॉलर की अर्थव्यवस्था बनने की राह पर है। सीतारमण महिला सशक्तिकरण को लेकर मुखर रही हैं। वह राजनीति में आने से पहले ब्रिटेन की एग्रीकल्चर इंजीनियर्स एसोसिएशन और बीबीसी वर्ल्ड के साथ जुड़ी रहीं।

रोशनी नादर मल्होत्रा

दिग्गज भारतीय बहुराष्ट्रीय सूचना प्रौद्योगिकी (आईटी) कंपनी एचसीएल टेक्नोलॉजीज की चेयरपर्सन और एचसीएल कॉर्पोरेशन की मुख?य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) रोशनी नदार मल्होत्रा को फोर्ब्स ने दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की इस सूची में 81वां स्थान दिया है। रोशनी नदार 12 अरब डॉलर की कंपनी के रणनीतिक फैसले लेती हैं। वह शिव नदार फाउंडेशन की भी ट्रस्टी हैं। इसके जरिए वो शिक्षा के क्षेत्र में काम कर रही हैं। रोशनी नदार ने द हैबीटेटस ट्रस्ट की स्थापना की, जो प्राकृतिक संरक्षण के लिए काम करती है।

किरन मजूमदार शॉ

किरन मजूमदार शॉ को फोर्ब्स की दुनिया की सबसे ताकतवर महिलाओं की 21वीं सूची में 82वां स्थान दिया गया है। किरन मजूमदार बायोटेक कंपनी बायोकॉन की संस्थापक और चेयरपर्सन हैं। बायोकॉन की अमेरिका, एशिया के विभिन्न बाजारों समेत दुनियाभर में पहुंच है। किरन मजूमदार शॉ भारत के सबसे सफल उद्योगपतियों में शामिल हैं। साल 2019 में किरन मजूमदार और उनके पति जॉन शॉ ने यूनिवर्सिटी ऑफ ग्लोसगो में कैंसर रिसर्च के लिए 75 लाख डॉलर का दान दिया था।

अशोक लेलैंड के वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में 3 फीसदी तक बढ़ोतरी का ऐलान

एजेंसी

नई दिल्ली। टाटा मोटर्स के बाद हिंदुजा समूह की प्रमुख कंपनी अशोक लेलैंड लिमिटेड ने अपने वाणिज्यिक वाहनों की कीमतों में अगले साल जनवरी से 3 फीसदी तक की बढ़ोतरी करने का ऐलान किया है। कंपनी ने जारी एक बयान में कहा कि मुद्रास्फीति और कमोडिटी की कीमतों में वृद्धि के कारण जनवरी से अपने वाणिज्यिक वाहनों की पूरी रेंज पर 3 तीन फीसदी तक की इजाफा करेगी। कंपनी ने कहा कि इस कदम से लागत के प्रभाव को कम करने में मदद मिलेगी। इससे पहले टाटा मोटर्स, मारुति सुजुकी, हुंडई मोटर इंडिया के साथ-साथ लग्जरी यात्री वाहन तथा कार निर्माता कंपनियों मर्सिडीज-बेंज, बीएमडब्ल्यू और ऑडी ने पहले ही जनवरी, 2025 से अपने वाहनों की कीमतों में बढ़ोतरी की घोषणा की है।

सर्राफा बाजार में सपाट स्तर पर सोना, चांदी की बढ़ी चमक

एजेंसी

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में सोना आज सपाट स्तर पर कारोबार कर रहा है। हालांकि चांदी के भाव में आज 1,000 रुपये प्रति किलोग्राम की तेजी आई है। सोने के सपाट स्तर पर बने रहने की वजह से आज देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये से लेकर 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये से लेकर 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। दूसरी ओर, चांदी के भाव में तेजी आने के कारण दिल्ली सर्राफा बाजार में इसकी कीमत बढ़ कर 96,500 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर आ गई है।

देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज

79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 72,850 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 79,520 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गई है, जबकि 22 कैरेट सोना 72,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 79,620 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 73,000 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज भी 79,470 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

एनएलसी इंडिया लिमिटेड के पहले सुपरक्रिटिकल पावर प्लांट का व्यावसायिक संचालन शुरू

एजेंसी

चेन्नई। एनएलसी इंडिया लिमिटेड (एनएलसीआईएल) ने उत्तर प्रदेश में अपने 3×660 मेगावाट घाटमपुर थर्मल पावर प्लांट (जीटीपीपी) की पहली इकाई के वाणिज्यिक संचालन की शुरुआत की घोषणा की है। एनएलसी इंडिया लिमिटेड की एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि यह प्लांट नेवेली उत्तर प्रदेश पावर लिमिटेड (एनयूपीपीएल) के माध्यम से विकसित किया गया है जो उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) के साथ एक संयुक्त उद्यम है। पहली इकाई ने 7 दिसंबर, 2024 को सफलतापूर्वक अपना परीक्षण संचालन पूरा किया और 12 दिसंबर को 00=00 बजे से वाणिज्यिक संचालन शुरू किया। यह सुपरक्रिटिकल पावर जनरेशन तकनीक में एनएलसीआईएल के पहले उद्यम का प्रतिनिधित्व करता है जो कंपनी के ऊर्जा पोर्टफोलियो को बढ़ाने में एक बड़ी छलांग है। विशेष रूप से, यह 660 मेगावाट क्षमता वृद्धि महत्वपूर्ण है क्योंकि यह इस वित्तीय वर्ष में भारत में चालू होने वाला पहला जीवाश्म ईंधन आधारित थर्मल पावर प्लांट है। यह उपलब्धि बिजली क्षेत्र में एनएलसीआईएल की स्थिति और भारत की ऊर्जा सुरक्षा

देने में और सतत विकास लक्ष्यों में योगदान देने वाली बड़े पैमाने की परियोजनाओं को निष्पादित करने की इसकी क्षमता है। ग्रीनफील्ड घाटमपुर थर्मल पावर स्टेशन की पहली 660 मेगावाट इकाई के वाणिज्यिक संचालन के साथ, एनएलसी इंडिया लिमिटेड और इसकी समूह कंपनियों की कुल स्थापित बिजली उत्पादन क्षमता 6,071 मेगावाट से बढ़कर 6,731 मेगावाट हो गई है। जीटीपीपी परियोजना उत्तर प्रदेश और असम राज्य की बढ़ती बिजली मांगों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन की गई है। इसकी सुपरक्रिटिकल तकनीक पारंपरिक संयंत्रों की तुलना में उच्च दक्षता, कम ईंधन खपत और कम उत्सर्जन सुनिश्चित करने वाली एक उन्नत पर्यावरण प्रबंधन प्रणाली है जिसमें उच्च दक्षता वाले इलेक्ट्रोस्टैटिक प्रीसिपिटेटर और फ़्लू-गैस डिसल्फ़राइज़ेशन इकाइयां शामिल हैं।

यह परियोजना एनएलसी इंडिया लिमिटेड और उत्तर प्रदेश राज्य विद्युत उत्पादन निगम लिमिटेड (यूपीआरवीयूएनएल) के बीच दीर्घकालिक साझेदारी में एक नए युग की शुरुआत का प्रतीक है।

बैंकिंग तंत्र पूरी तरह सशक्तः चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने फोन करके ऋण दिलाने के आरोपों को पूरी तरह से निराधार बताते हुए कहा कि मोदी सरकार में यह संभव ही नहीं है बल्कि पिछले 10 वर्षों में बैंकिंग तंत्र को मजबूत बनाया गया है। श्री चौधरी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर अपने दोस्तों को बैंकों से ऋण दिलाने के आरोपों के बारे में पूछे जाने पर कहा कि मोदी सरकार में यह संभव नहीं है। उन्होंने कहा कि श्री गांधी जो बोलते हैंख् उनकी बाते ध्यान देने योग्य भी नहीं है। उन्होंने कहा कि 10 वर्षों में भारतीय बैंकिंग तंत्र बहुत मजबूत हुआ है और किसी भी व्यक्ति को फोन करके ऋण देने के लिए नहीं कहा गया है। माल एवं सेवा कर (जीसीटी) को लेकर अक्सर लगाए जा रहे आरोपों पर वित्त राज्य मंत्री ने कहा कि अब तक जीएसटी परिषद में अधिकांश निर्णय सर्वसम्मति से लिए लिए गए हैं। परिषद

में सभी राज्यों के वित्त मंत्री शामिल हैं इसलिए मोदी सरकार पर लगाना पूरी तरह निराधार है। केंद्र सरकार इस संबंध में निर्णय नहीं ले सकती है।

रिलायंस के हैमलीज़ खिलौना ब्रांड ने इटली में खोला चौथा स्टोर

एजेंसी

मुंबई। उद्योगपति मुकेश अंबानी की पेट्रोलियम समेत विभिन्न क्षेत्रों में कारोबार करने वाली कंपनी रिलायंस से जुड़े अंतरराष्ट्रीय खिलौना ब्रांड हैमलीज़ ने इटली में अपने चौथे स्टोर की शुरूआत की है। कंपनी ने बयान जारी कर कहा हैमलीज़ ने इटली में नए मैक्सीमॉल-पोम्पेई के टोरे अन्नुंज़ियाटा में अपना स्टोर लॉन्च किया है। रोम, मिलान और बर्गामो के बाद यह इटली में हैमलीज़ का चौथा स्टोर है। 750 वर्ग मीटर में फैले इस स्टोर को प्रमुख खिलौना निर्माता और वितरक जिओची प्रीज़ियोसी के सहयोग से खोला गया है। नेपल्स के स्टोर में कदम रखते ही ग्राहकों खासकर बच्चों का स्वागत हैमलीज़ के प्रिय पात्रों द्वारा किया जाएगा, जिसमें हैमली के सबसे लोकप्रिय खिलौने, जैसे

हैटी भालू, सर्कस रिंगमास्टर, खिलौना सैनिक और गुड़िया शामिल होंगी। इस मौके पर हैमलीज़ के मुख्य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) सुमीत यादव ने कहा, हम अपने इतालवी स्टोरों का जादू बिखरते देख रोमांचित हैं। यह नया स्टोर दुनिया भर के बच्चों और परिवारों के लिए अविस्मरणीय अनुभव देने की हमारी प्रतिबद्धता को पूरी तरह से दर्शाता है। जिओची प्रीज़ियोसी (जीपी ग्रुप) के साथ हमारा सहयोग हर कदम फलता-फूलता और मजबूत होता जा रहा है।

उल्लेखनीय है कि हैमलीज़ की स्थापना वर्ष 1760 में विलियम हैमली ने की थी और 2019 में रिलायंस ब्रांड्स लिमिटेड (आरबीएल) ने इसका अधिग्रहण कर लिया था। वर्तमान में 14 देशों में इसके 190 स्टोर हैं। यूके के अलावा भी हेमलीज़ नए बाजारों में लगातार अपने पैर जमा रहा है। हाल ही में रोम, शारजाह (यूएई), मिलान, तिराना, प्रिस्टिना और दोहा में कंपनी ने स्टोर खोले हैं। मैक्सीमॉल पोम्पेई में हैमलीज़ स्टोर आधिकारिक तौर पर 14 दिसंबर को खुलेगा।

उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण ने 17 डायरेक्ट सेलिंग कंपनियों को दिए नोटिस

एजेंसी

नई दिल्ली। केंद्रीय उपभोक्ता संरक्षण प्राधिकरण (सीसीपीए) ने उपभोक्ता संरक्षण के नियम कायदों के उल्लंघन के आरोप में डारेक्ट सेलिंग कारोबार करने वाली 17 फर्मों को नोटिस जारी किया है जिनमें से से 13 संस्थाओं के खिलाफ जांच की कार्रवाई शुरू की गयी है।

उपभोक्ता मामले, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार इन संस्थाओं को उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष बिक्री) नियम, 2021 के तरह नोटिस दिए गए हैं। इन फर्मों विहान डायरेक्ट सेलिंग (इंडिया) प्राइवेट लिमिटेड (क्यूनेट ग्रुप, हांगकांग की एक उप-फ्रैंचाइज़ी), ट्रिप्टेल्स प्राइवेट लिमिटेड, ओरियंस ग्लोबल मार्केटिंग प्रा. लि., जेनेसा वेलनेस प्राइवेट लिमिटेड,ऑर्गोलाइफ सॉल्यूशंस प्रा.लि, ओरिफ्लेम इंडिया प्रा. लि, जंक्चर मार्केटिंग प्रा. लि,

उपभोक्ता मामले विभाग DEPARTMENT OF CONSUMER AFFAIRS सत्यमेव जयते

वोल्टे मार्केटिंग प्रा. लि, प्रीत लाइफ केयर प्रा. लि. एनरूट्स होराइजन प्रा. लि, ई बायोटोरियम नेटवर्क प्रा. लि, मेघदूत मार्केटिंग प्रा. लि, सुई धागा लाइफस्टाइल प्रा. लि, विनमर्ग बिजनेस प्रा. लि, आयुप्रत्ना नेचुरल हर्बल प्रा. लि, बायोथॉन लाइफकेयर प्रा.लि, ओकफ्लिप इंडिया प्रा. लि के नाम शामिल हैं।अभी तीन संस्थाओं से नोटिस के जवाब नहीं मिले हैं। बयान में कहा गया है कि उपभोक्ता अधिकारों को बनाए रखने की अपनी प्रतिबद्धता के तहत सीसीपीए ने प्रत्यक्ष बिक्री गतिविधियों को विनियमित करने और प्रासंगिक कानूनी ढांचे के अनुपालन को सुनिश्चित करने पर अपना ध्यान केंद्रित किया है।बयान में कहा गया है कि प्राधिकरण ने इस संबंध में इन प्रत्यक्ष बिक्री संस्थाओं की वेबसाइटों की सावधानीपूर्वक जांच की है।

उपभोक्ता संरक्षण (प्रत्यक्ष बिक्री) नियम, 2021 का उद्देश्य प्रत्यक्ष बिक्री उद्योग के भीतर पारदर्शिता, जवाबदेही और नैतिक प्रथाओं को बढ़ावा देना है, जिससे उपभोक्ता पूरी जानकारी के आधार पर खरीद का निर्णय ले सकें। इसके अतिरिक्त, ये नियम उपभोक्ता संरक्षण (ई-कॉमर्स) नियम, 2020 और कानूनी माप विज्ञान (पैकेज्ड कमोडिटीज) नियम, 2011 सहित अन्य विनियामक ढाँचों के पूरक हैं, जो उपभोक्ता संरक्षण तंत्र को और मजबूत करते हैं। बयान में कहा गया है कि कुछ धोखाधड़ी करने वाली संस्थाएँ अवैध पिरामिड या मनी सर्कुलेशन योजनाओं को बढ़ावा देने के लिए प्रत्यक्ष बिक्री मॉडल का दुरुपयोग करती हैं।

वार्डविज़र्ड ने ई वाहनों के पोर्टफोलियो का किया विस्तार

एजेंसी

मुंबई। ईलेक्ट्रिक वाहन निर्माता वार्डविज़र्ड इनोवेशन्स एंड मोबिलिटी लिमिटेड ने आज अपने ब्रांड जॉय ई-रिक के तहत 'मेड इन इंडिया' पैसेंजर एवं कमर्शियल ईलेक्ट्रिक थ्री व्हीलर की नई रेंज लॉन्च किया। साथ ही ब्राण्ड जॉय ई-बाईक के तहत नए हाई स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर 'नेमो' को भी लॉन्च किया जिसका आमंत्रण मूल्य 99 हजार रुपये है।

कंपनी ने यहां जारी बयान में कहा कि ईलेक्ट्रिक थ्री-व्हीलर्स को यात्री एवं चालक के लिए अधिक भरोसेमंद, सुरक्षित और व्यवहारिक बनाते हुए पैसेंजर व्हीकल सेगमेन्ट में दो मॉडल्स लॉन्च किए हैं- जॉय ई-रिक वी 1 (एल5) और जॉय बंधु (एल3)। कमर्शियल सेगमेन्ट में भी कंपनी दो मॉडल्स लेकर आई है- जॉय सहायक प्लस कार्गो (एल5) तथा जॉय ईको लोडर (एल3)।

देश में ई-मोबिलिटी को सशक्त बनाने के प्रयास में कंपनी भारत में फ्लीट ऑपरेटर्स के साथ साझेदारी करेगी, तथा इलेक्ट्रिक लास्ट माईल डिलीवरी, शेयर्ड मोबिलिटी और लॉजिस्टिक्स सेक्टर के लिए परिवहन के आधुनिक समाधान उपलब्ध कराकर इलेक्ट्रिक वाहनों के अडॉप्शन को गति प्रदान करेगी। वार्डविज़र्ड की आधुनिक ईवी टेक्नोलॉजी एवं संचालन दक्षतता का सदुपयोग कर यह साझेदारी फ्लीट ऑपरेटर्स को कार्बन फुटप्रिन्ट कम करने, संचालन की लागत पर बचत करने तथा दक्षता बढ़ाने में सक्षम बनाएगी। इनोवेशन और स्थानीकरण पर ध्यान केंद्रित करते हुए वार्डविज़र्ड भारतीय फ्लीट ऑपरेटर्स की ज़रूरतों के अनुसार कस्टमाइज़्ड समाधान लाती है। जॉय ई-बाईक के प्रोडक्ट पोर्टफोलियो को सशक्त बनाते हुए कंपनी ने नए हाई स्पीड इलेक्ट्रिक स्कूटर 'नेमो' का लॉन्च भी किया है, जो अपने बोल्ड डिज़ाइन के साथ शानदार परफोर्मेन्स देता है।

इसके नए फीचर्स और टेक्नोलॉजी राइडर को आराम और सुविधा का अनुभव प्रदान करते हैं। जॉय ई-बाईक की यह नई पेशकश उपभोक्ताओं तक पहुंचने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। नए मॉडल की बुकिंग आज से सभी ऑथोराइज़्ड डीलरशिप्स पर शुरू हो जाएगी।

राष्ट्रीय राजमार्गों के 13 हजार ब्लैक स्पॉट 2029 तक हो जाएंगे समाप्त- पंकज चौधरी

एजेंसी

नई दिल्ली। वित्त राज्य मंत्री पंकज चौधरी ने वर्ष 2029 तक देश के राजमार्गों पर चिह्नित सभी 13 हजार ब्लैक स्पॉट को भरने या समाप्त करने की घोषणा करते हुए कहा कि बीते 10 वर्षों में केंद्र सरकार ने सड़क से लेकर हवाई यातायात नेटवर्क का बड़े पैमाने पर विस्तार किया है, जिससे लोगों का सफर करना सुगम और सुविधाजनक हो गया है। श्री चौधरी ने यहां संवाददाता सम्मेलन में कहा कि सड़क, रेल और हवाई नेटवर्क की मजबूती से देश में न केवल आर्थिक विकास की रफ्तार में तेजी आई है, बल्कि स्थानीय स्तर पर भी बुनियादी सुविधाएं बेहतर हुई हैं और इसका सीधा लाभ आम लोगों को मिल रहा है। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्गों पर चिह्नित किए गए सभी ब्लैक स्पॉट को भरने या समाप्त करने की व्यवस्था की गई है, ताकि इन राजमार्गों को दुर्घटना मुक्त बनाया जा सके। ब्लैक स्पॉट पर दुर्घटना होने की संभावना बहुत अधिक होती है। श्री चौधरी ने मोदी सरकार में सड़क, रेल और हवाई कनेक्टिविटी में हुए क्रांतिकारी बदलाव को रेखांकित करते हुए कहा कि 10 वर्षों में यातायात बुनियादी ढांचे में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। इससे आर्थिक प्रगति के द्वार खुले हैं। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय राजमार्ग नेटवर्क में 1.6 गुना वृद्धि हुई है। वर्ष 2014 में 91,287 किलोमीटर राष्ट्रीय राजमार्ग थे, जो नवंबर 2024 तक बढ़कर 1,46,195 किलोमीटर हो गए हैं।

शेयर बाजार नौ सप्ताह के उच्चतम स्तर पर हुआ बंद

एजेंसी

मुंबई। अमेरिकी फेडरल रिजर्व की ब्याज दर में कटौती की उम्मीद में स्थानीय स्तर पर आईटी और टेक समेत चौदह समूहों में हुई दमदार लिवाली की बदौलत आज शेयर बाजार नौ सप्ताह के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया।बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 843.16 अंक की छलांग लगाकर नौ सप्ताह बाद 82 हजार अंक के पार 82,133.12 अंक पर पहुंच गया। इससे पहले यह 03 अक्टूबर को 82,497.10 अंक पर रहा था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 219.60 अंक की तेजी के साथ 24,768.30 अंक पर बंद हुआ। हालांकि बीएसई की दिग्गज कंपनियों के विपरीत मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में बिकवाली हुई, जिससे मिडकैप 0.08 प्रतिशत फिसलकर 47,776.62 अंक और स्मॉलकैप 0.29 प्रतिशत उतरकर 56,957.46 अंक रह गया।इस दौरान बीएसई में कुल 4105 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2173 में गिरावट जबकि 1818 में तेजी रही वहीं 114 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 41 कंपनियों में लिवाली जबकि अन्य नौ में बिकवाली हुई। बीएसई में सर्विसेज, कमोडिटीज, इंडस्ट्रियल्स, हेल्थकेयर, रियल्टी और धातु समूहों के शेयरों की 0.76 प्रतिशत तक की तेजी को छोड़कर अन्य 14 समूहों में तेजी का रुख रहा। इससे सीडी 0.48, ऊर्जा 0.36, एफएमसीजी 1.07, वित्तीय सेवाएं 0.36, आईटी 0.57, दूरसंचार 2.13, यूटिलिटीज 0.09, ऑटो 0.46, बैंकिंग 0.81, कैपिटल गुड्स 0.18, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 1.14, तेल एवं गैस 0.23, टेक 1.32 और फोकस्ड आईटी के शेयर 0.66 प्रतिशत उछल गए।अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इससे ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.13 और जर्मनी का डैक्स 0.27 प्रतिशत मजबूत रहा जबकि जापान का निक्केई 0.95, हांगकांग का हैंगसेंग 2.09 और चीन का शंघाई कम्पोजिट 2.01 प्रतिशत लुढ़क गया। कारोबार की शुरूआत में सेंसेक्स 78 अंक फिसलकर 81,212.45 अंक पर खुला और भारी बिकवाली के दबाव में थोड़ी देर बाद ही 80,082.82 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। वहीं, लिवाली शुरू होने से यह लगातार बढ़ता हुआ कारोबार के अंतिम चरण में 82,213.92 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। अंत में पिछले दिवस के 81,289.96 अंक के मुकाबले 1.04 प्रतिशत की छलांग लगाकर 82,133.12 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी 50 अंक गिरकर 24,498.35 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 24,180.80 अंक के निचले जबकि 24,792.30 अंक के उच्चतम स्तर पर रहा। अंत में पिछले सत्र के 24,548.70 अंक की तुलना में 0.89 प्रतिशत की मजबूती के साथ 24,768.30 अंक पर आ गया। इस दौरान सेंसेक्स की तेजी पर कंपनियों में भारती एयरटेल 4.39, आईटीसी 2.07, कोटक बैंक 2.06, हिंदुस्तान यूनिलीवर 1.92, अल्ट्रासिमको 1.87, टाइटन 1.80, एचसीएल टेक 1.69, पावरग्रिड 1.52, नेस्ले इंडिया 1.33, अडानी पोर्ट्स 1.29, आईसीआईसीआई बैंक 1.22, एसबीआई 0.93, मारुति 0.90, रिलायंस 0.75, एलटी 0.71, एचडीएफसी बैंक 0.70, इंफ़ोसिस 0.66, टेक महिंद्रा 0.63, टाटा मोटर्स 0.55, एनटीपीसी 0.52, महिंद्रा एंड महिंद्रा 0.43, टीसीएस 0.37 और एक्सिस बैंक 0.27 प्रतिशत शामिल रही। वहीं, टाटा स्टील 1.26, इंडसइंड बैंक 1.09, जेएसडब्ल्यू स्टील 0.53 और बजाज फिनसर्व के शेयर 0.15 प्रतिशत नुकसान में रहे।

ड्रोन हमले से रूस के ओर्योल क्षेत्र में बुनियादी ढांचे की सुविधा में लगी आग

एजेंसी

मास्को। रूस के ओरयोल क्षेत्र में बड़े पैमाने पर हुए ड्रोन हमले के कारण यहां एक बुनियादी ढांचे की सुविधा में आग लग गई। गवर्नर एंड्री क्लिचकोव ने टेलीग्राम पर लिखा, यह रात ओरीओल क्षेत्र में बेचैन करने वाली थी। ड्रोन हमले के कारण बुनियादी ढांचे की सुविधा में आग लग गई और कई घरों के दरवाजों और खिड़कियों पर लगे शीशे क्षतिग्रस्त हो गए। उन्होंने बताया कि आपातकालीन सेवाएं घटनास्थल पर मौजूद हैं। इस घटना में कोई हताहत नहीं हुआ है।

सीरिया में काम शुरू कर सकता है तुर्की का दूतावासः फिदान

अंकारा। तुर्की का एक प्रतिनिधिमंडल दूतावास का काम शुरू करने के लिए सीरिया गया है और दूतावास के शनिवार को खुलने की उम्मीद है।यह जानकारी तुर्की के विदेश मंत्री हकान फिदान ने दी। उन्होंने तुर्की के एनटीवी न्यूज चैनल से कहा, आज ही हमारा राजनयिक दल सीरिया के लिए रवाना हुआ है। (दूतावास का) काम संभवतः शनिवार को शुरू होगा।इससे पहले श्री फिदान ने मंगलवार को कहा था कि तुर्की सीरिया में अपने दूतावास को फिर से खोलने की तैयारी कर रहा है।

मोल्दोवा में अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पर्याप्त समर्थन नहीं जुटा पाया विपक्ष

चिसीनाउ। मोल्दोवा की संसद के अध्यक्ष इगोर ग्रोसु ने कहा है कि विपक्ष देश की सरकार के खिलाफ अविश्वास प्रस्ताव लाने के लिए पर्याप्त सांसदों का समर्थन पाने में विफल रहा। गौरतलब है कि विपक्षी कम्युनिस्टों और समाजवादियों के गठबंधन के सदस्यों ने 06 दिसंबर को सरकार के प्रति अविश्वास का प्रस्ताव पेश किया। मोल्दोवा अभी भी गहरे ऊर्जा संकट से जूझ रहा है और सरकार के पास देश की ऊर्जा सुरक्षा सुनिश्चित करने तथा नागरिकों को ऊर्जा संकट के परिणामों से बचाने के लिए कोई स्पष्ट नीति और रणनीति नहीं है।श्री ग्रोसु ने कहा, अविश्वास प्रस्ताव की परियोजना को 18 वोट मिले। उन्होंने कहा कि परियोजना को पारित करने के लिए 51 वोटों की आवश्यकता थी। सांसदों ने मतदान में मौजूद प्रधानमंत्री डोरिन रेसियन पर देशद्रोह का भी आरोप लगाया, क्योंकि उन्होंने कथित तौर पर देश में स्थिति को अस्थिर करने का प्रयास किया है।

विदेश मंत्री, यूएई उप प्रधामंत्री ने डीपीएम ने आईएमईईसी, वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर पर काम पर चर्चा की

यूएई । विदेश मंत्री एस जयशंकर और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के उपप्रधानमंत्री और विदेश मंत्री शेख अब्दुल्ला बिन जायद ने आज यहां 15वीं भारत-यूएई संयुक्त आयोग की बैठक के दौरान भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक गलियारे (आईएमईईसी) पर चर्चा की और हाल ही में वर्चुअल माध्यम व्यापार गलियारा (वीटीसी), से काम शुरू होने का स्वागत किया। एक बयान में कहा गया है कि दोनों पक्षों ने एमएआईटीआरआई इंटरफ़ेस (अंतर्राष्ट्रीय व्यापार और नियामक इंटरफ़ेस के लिए मास्टर एप्लिकेशन) पर काम शुरू करने का भी स्वागत किया, और स्वीकार किया कि वीटीसी और एमएआईटीआरआई एक डेटा विनिमय प्रणाली के माध्यम से व्यापार प्रक्रियाओं को सुव्यवस्थित करेंगे जो दोनों देशों के बीच कागज रहित लेनदेन की सुविधा प्रदान करेगा। कहा। वर्चुअल ट्रेड कॉरिडोर भारत-मध्य पूर्व-यूरोप आर्थिक कॉरिडोर (आईएमईईसी) का एक अभिन्न अंग है, जो भारत, संयुक्त अरब अमीरात और यूरोप के बीच समुद्री कनेक्टिविटी और व्यापार में सुधार लाने के उद्देश्य से एक प्रमुख पहल है। वीटीसी और एमएआईटीआरआई पर काम इस साल सितंबर में शुरू किया गया था।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट ने सैन्य अदालतों को 85 मामलों में सशर्त फैसला सुनाने की अनुमति दी

एजेंसी

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट की संवैधानिक पीठ ने आज सैन्य अदालतों को नौ मई, 2023 के दंगों से संबंधित 85 मामलों में फैसला सुनाने की अनुमति दे दी। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा कि सैन्य अदालतों के फैसले सशर्त होंगे। नरमी के पात्र आरोपितों को रिहा किया जाना चाहिए। जिन लोगों को बरी नहीं किया जा सकता, उन्हें अपनी सजा काटने के लिए जेलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। एआरवाई न्यूज चैनल के अनुसार यह फैसला जस्टिस अमीनुद्दीन खान की अध्यक्षता वाली संवैधानिक पीठ ने सुनाया। शीर्ष अदालत ने नागरिकों के सैन्य मुकदमे के खिलाफ अपील की सुनवाई पर आज अपने आदेश में कहा कि सैन्य अदालतों के फैसले उसके समक्ष लंबित मामलों पर शीर्ष अदालत के फैसले के लिए सशर्त होंगे। शीर्ष अदालत ने संक्षिप्त आदेश में कहा कि नरमी के पात्र आरोपितों को रिहा किया जाना चाहिए। जिन

लोगों को बरी नहीं किया जा सकता, उन्हें अपनी सजा काटने के लिए जेलों में स्थानांतरित किया जाना चाहिए। इस संबंध में आज भी संघीय सरकार के वकील ख्वाजा हारिस ने अपनी दलील रखीं। जस्टिस जमाल खान मंडोखाइल ने उनसे पूछा कि क्या इस श्रेणी में सभी पर मुकदमा चलाने के लिए सेना अधिनियम में संशोधन किया जाना चाहिए? जस्टिस मोहम्मद अली मजहर ने सेना अधिनियम के कुछ प्रावधानों को असंवैधानिक घोषित करने के पीछे के कारणों के बारे में पूछताछ की। जस्टिस मंडोखाइल ने कहा कि सेना अधिनियम 1973 के संविधान से पहले बनाया गया था। ख्वाजा हारिस ने जवाब दिया कि सुप्रीम कोर्ट के फैसले में खामियां थीं। जस्टिस जमाल मंडोखाइल ने टिप्पणी की, अदालत के फैसले का इस हद तक अनादर न करें कि आप इसे त्रुटिपूर्ण कहें। ख्वाजा हारिस ने माफी मांगते हुए कहा, मेरे शब्द कानूनी प्रकृति के नहीं थे।

जस्टिस मजहर ने टिप्पणी की कि अदालत ने पिछली सुनवाई के दौरान नौ मई की घटनाओं का विवरण भी मांगा था। वर्तमान में हमारे सामने मामला केवल कोर कमांडर हाउस से संबंधित है। यदि मामला केवल कोर कमांडर के घर तक ही सीमित रहना है, तो कृपया इसे भी स्पष्ट करें। अतिरिक्त अटॉर्नी जनरल ने कहा कि सभी विवरण आज सुबह प्राप्त हो गए हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह संपूर्ण विवरण जल्द प्रस्तुत कर देंगे।

युद्धग्रस्त लेबनान से 85 बांग्लादेशी स्वदेश लौटे

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार अपने खर्च से युद्धग्रस्त लेबनान में फंसे अपने नागरिकों की स्वदेश वापसी करवा रही है। आज इथियोपियाई एयरलाइंस की उड़ान (संख्या ईटी-0680) से 85 स्त्री-पुरुष और बच्चे स्वदेश पहुंचे। ढाका ट्रिब्यून समाचार पत्र के अनुसार विदेश मंत्रालय ने कहा कि अब तक 16 उड़ानों से 1,048 नागरिकों की स्वदेश वापसी कराई जा चुकी है। आज सुबह सभी 85 नागरिक ढाका के हजरत शाहजलाल अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पहुंचे। हवाई अड्डे पर विदेश मंत्रालय, प्रवासी कल्याण और विदेशी रोजगार मंत्रालय और अंतरराष्ट्रीय प्रवासन संगठन के अधिकारियों ने स्वदेश वापसी पर सभी का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रत्येक व्यक्ति को 5,000 टका प्रदान किए गए। सरकार ने पुष्टि की कि लेबनान में बमबारी की घटना में एक बांग्लादेशी नागरिक की जान चली गई। बेरूत में बांग्लादेश दूतावास वापस आने के इच्छुक लोगों की सुरक्षित वापसी की सुविधा प्रदान कर रहा है।

रूस ने यूक्रेन के 37 ड्रोन को मार गिराया

एजेंसी

मास्को। रूसी वायु रक्षा ने रूसी क्षेत्रों में 37 यूक्रेनी ड्रोन को मार गिराया है। यह जानकारी रूस के रक्षा मंत्रालय ने दी। मंत्रालय ने कहा, कल रात यूक्रेनी शासन द्वारा रूसी संघ के क्षेत्र में विमान की तरह के मानव रहित हवाई वाहनों का उपयोग करके आतंकवादी हमले करने के प्रयास के दौरान ड्यूटी पर मौजूद वायु रक्षा प्रणालियों ने 37 यूक्रेनी यूएवी को नष्ट कर दिया। बयान में कहा कि कुर्स्क क्षेत्र में 12 ड्रोन, क्रास्नोडार क्षेत्र में 12, ब्रांस्क क्षेत्र में सात, ओर्योल क्षेत्र में पांच और आज़ोव सागर में एक ड्रोन को मार गिराया गया।

चट्टोग्राम अदालत में चिन्मय ब्रह्मचारी की पैरवी करेंगे स्थानीय वकील सुमित आचार्य

एजेंसी

ढाका। बांग्लादेश में गिरफ्तार हिंदू संन्यासी चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी को अभी तक जमानत नहीं मिल पाई है। ब्रह्मचारी की गिरफ्तारी के लिए अंतरिम सरकार की दुनियाभर में आलोचना हो रही है। बांग्लादेश के अल्पसंख्यक हिंदू समाज के लिए सुकून भरी यह खबर है कि चट्टोग्राम मेट्रोपॉलिटन सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम की अदालत में उनकी जमानत याचिका पर पैरवी के लिए स्थानीय वकील सुमित आचार्य तैयार हो गए हैं। वह अदालत में हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील रवीन्द्र घोष के साथ इस केस को लड़ेंगे। द डेली स्टार समाचार पत्र के अनुसार चट्टोग्राम मेट्रोपॉलिटन के सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम ने कल हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील घोष से कहा था कि वे

इस्कॉन के पूर्व नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की ओर से सुनवाई करने के लिए चट्टोग्राम से एक वकील खोजें। इसके बाद रवीन्द्र घोष ने स्थानीय वकील सुमित आचार्य को अपने साथ खड़ा करने का फैसला किया। सत्र न्यायाधीश मोहम्मद सैफुल इस्लाम ने बुधवार को चिन्मय की जमानत याचिका खारिज कर दी थी। उन्होंने कहा था कि वकील रवीन्द्र घोष के पास अदालत में चिन्मय का प्रतिनिधित्व करने के लिए वकालतनामा नहीं है। रवीन्द्र घोष ने कल संवाददाताओं से कहा कि अदालत ने स्वीकार कर लिया है कि वह मामले की सुनवाई करेगी। वह चिन्मय के वकीलों की सहायता के लिए यहां आए हैं। स्थानीय वकील सुरक्षा कारणों से सामने आने से डर रहे हैं। अब उम्मीद है कि कुछ अच्छा होगा। हाई कोर्ट के वरिष्ठ वकील घोष ने कहा कि वह जेल से चिन्मय का वकालतनामा लाकर अदालत में जमा करवा चुके हैं।

माल्दोवा में विपक्षी नेता शोर को बैंक धोखाधड़ी माले में 15 साल की कैद

एजेंसी

चिसीनाउ। मोल्दोवा के सुप्रीम कोर्ट ऑफ जस्टिस ने पोबेडा (विजय) विपक्षी गठबंधन के भगोड़े नेता इलान शोर के खिलाफ बड़े पैमाने पर धोखाधड़ी और हवाला कारोबार के आरोप में 15 साल की जेल की सजा सुनायी। गौरतलब है कि चिसीनाउ की एक अदालत ने पहले शोर को देश के बैंकों से एक अरब डॉलर के कथित गबन के लिए 2023 में 15 साल की जेल की सजा सुनाई थी, और उनकी संपत्ति जब्त करने का आदेश दिया था। शोर ने इस फैसले को गैरकानूनी और अपमानजनक बताया और कहा कि वह इसका पालन नहीं करेंगे। उनके वकीलों ने सुप्रीम कोर्ट में अपील की।अदालत के फैसले में कहा गया , न्यायाधीशों के पैनल ने सर्वसम्मति से वकीलों द्वारा दायर अपील (13 अप्रैल, 2023 को चिसीनाउ अपील न्यायालय के निर्णय के खिलाफ) को खारिज कर दिया । बचाव पक्ष द्वारा प्रस्तुत सभी पर्याप्त तर्क, यानी, जो निर्णय को प्रभावित कर सकते थे, प्रक्रियात्मक आधार पर निराधार या अस्वीकार्य माने गए। शेष तर्क,

जिनमें साक्ष्य की अस्वीकार्यता के बारे में तर्क शामिल हैं, स्पष्ट रूप से निराधार हैं या अपीलीय उदाहरण द्वारा पर्याप्त रूप से विवादित हैं और आगे विवाद की आवश्यकता नहीं है।

उधर, शोर ने मोल्दोवा के राष्ट्रपति मैया सैंडू के शासन के खिलाफ अपना संघर्ष जारी रखने का संकल्प लिया। उन्होंने सोशल मीडिया पर लिखा, सैंडू गिरोह ने मोल्दोवा की संप्रभुता को पश्चिम को बेच दिया है, अर्थव्यवस्था को नष्ट कर दिया है, चुनावों और जनमत संग्रह में धांधली की है, तथा अब यह झूठे आरोपों पर सजा सुना रहा है... हम गणतंत्र की स्वतंत्रता और मोल्दोवा के लोगों के लिए एक सभ्य जीवन के लिए दोगुनी ऊर्जा के साथ लड़ना जारी रखेंगे।

उल्लेखनीय है कि शोर 2014 में माल्दोवा के तीन बैंक - बैंका डे इकोनॉमी, बैंका सोशला और यूनीबैंक में एक अरब की धोखाधड़ी में शामिल पाए गए थे। शोर को जून 2017 में उनकी संदिग्ध संलिप्तता के लिए 7.5 साल की जेल की सजा सुनाई गई और मोल्दोवा छोड़ने पर प्रतिबंध लगा दिया गया। फरवरी 2019 के संसदीय चुनावों के बाद शोर मोल्दोवा छोड़कर इज़रायल चले गए और अगस्त में उनकी संसदीय प्रतिरक्षा छीन ली गई। मोल्दोवा उनके प्रत्यर्पण की मांग कर रहा है। वहीं, इजरायल ने कहा कि अंतिम फैसला आने के बाद वह इस बात पर विचार करेगा कि उसे सौंप दिया जाए या इजरायल में ही सजा काटनी पड़ेही।

अमेरिका ने जॉर्जियाई अधिकारियों पर वीजा प्रतिबंध लगाया

एजेंसी

वाशिंगटन। अमेरिका ने देश में लोकतंत्र को कमजोर करने आरोप में जॉर्जिया के लगभग 20 व्यक्तियों पर वीजा प्रतिबंध लगाए हैं, जिनमें मंत्री और कानून निर्माता भी शामिल हैं। विदेश विभाग ने कहा, विदेश विभाग आज वीजा प्रतिबंध नीति के तहत अतिरिक्त कार्रवाई की घोषणा कर रहा है, जो जॉर्जिया में लोकतंत्र को कमजोर करने के लिए जिम्मेदार या इसमें शामिल लोगों को वीजा जारी करने पर रोक लगाती है। आज की कार्रवाई से लगभग बीस व्यक्ति प्रभावित होंगे, जिनमें सरकारी मंत्री और संसद में सेवारत व्यक्ति, कानून प्रवर्तन और सुरक्षा अधिकारी तथा निजी नागरिक शामिल हैं।

बयान में कहा गया कि अमेरिका प्रदर्शनकारियों, मानवाधिकार कार्यकर्ताओं, विपक्षी सदस्यों और पत्रकारों के खिलाफ हिंसा की निंदा करता है। बयान में कहा गया है, हम जॉर्जिया में लोकतंत्र को कमजोर करने वालों को जवाबदेह ठहराने के लिए प्रतिबंधों सहित अतिरिक्त कार्रवाई की तैयारी कर रहे हैं।

गौरतलब है कि पिछले दो सप्ताह में जॉर्जिया में विपक्ष के विरोध

प्रदर्शनों की एक नई लहर देखने को मिली। ये विरोध प्रदर्शन जॉर्जिया के प्रधानमंत्री इराकली कोबाखिद्ज़े के उस बयान के बाद शुरू हुए हैं, जिसमें उन्होंने कहा था कि जॉर्जियाई सरकार ने 2028 तक यूरोपीय संघ में प्रवेश के लिए वार्ता शुरू न करने और यूरोपीय संघ के वित्तीय समर्थन को अस्वीकार करने का निर्णय लिया है। जॉर्जियाई राज्य सुरक्षा सेवा ने कहा कि 14 दिसंबर को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को बाधित करने के प्रयास में विदेश से राज्य अभिनेताओं द्वारा विरोध प्रदर्शनों का समन्वय किया जा रहा है।

सऊदी अरब जा रही इंडिगो फ्लाइट की पाकिस्तान में आपात लैंडिंग, मेडिकल इमरजेंसी के चलते लिया गया फैसला

एजेंसी

दक्षिण कोरिया। दक्षिण कोरिया की संसद ने राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग लाने के लिए मतदान किया है। देश में मार्शल लॉ लगाने के फैसले के बाद से राष्ट्रपति योल विवादों में घिर गए थे। हालांकि, जनता के विरोध और नेशनल असेंबली की कड़ी आलोचना के बाद उन्होंने इसे वापस ले लिया था। बता दें कि दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ केवल लगभग छह घंटे चला।

मार्शल लॉ के कारण विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति यून पर महाभियोग लगाने का प्रयास किया था। हालांकि, यह प्रस्ताव असफल हो गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के ज्यादातर सांसदों ने वोटिंग का बहिष्कार किया था। देश में महाभियोग के लिए 300 सीटों वाली संसद में 200 वोटों की आवश्यकता थी, लेकिन विपक्ष के पास केवल 192 सीटें थीं। सत्तारूढ़ पार्टी के

केवल तीन सांसदों ने वोटिंग में भाग लिया, जिससे प्रस्ताव खारिज हो गया। वहीं नेशनल असेंबली के स्पीकर ने इसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बताया। संसद में एकबार फिर राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया।

दक्षिण कोरिया के राष्ट्रपति की बढ़ी मुश्किलें, संसद में योल को हटाने के लिए हुआ मतदान

एजेंसी

जॉर्जिया। दक्षिण कोरिया की संसद ने राष्ट्रपति यून सुक योल के खिलाफ महाभियोग लाने के लिए मतदान किया है। देश में मार्शल लॉ लगाने के फैसले के बाद से राष्ट्रपति योल विवादों में घिर गए थे। हालांकि, जनता के विरोध और नेशनल असेंबली की कड़ी आलोचना के बाद उन्होंने इसे वापस ले लिया था। बता दें कि दक्षिण कोरिया में मार्शल लॉ केवल लगभग छह घंटे चला। मार्शल लॉ के कारण विपक्षी पार्टियों ने राष्ट्रपति यून पर महाभियोग लगाने का प्रयास किया था। हालांकि, यह प्रस्ताव असफल हो गया क्योंकि सत्तारूढ़ पार्टी के ज्यादातर सांसदों ने वोटिंग का बहिष्कार किया था। देश में महाभियोग के लिए 300 सीटों वाली संसद में 200 वोटों की आवश्यकता थी, लेकिन विपक्ष के पास केवल 192 सीटें थीं। सत्तारूढ़ पार्टी के केवल तीन सांसदों ने वोटिंग में भाग लिया, जिससे प्रस्ताव खारिज हो गया। वहीं नेशनल असेंबली के स्पीकर ने इसे लोकतंत्र के लिए शर्मनाक बताया। संसद में एकबार फिर राष्ट्रपति के खिलाफ महाभियोग का प्रस्ताव लाया गया।

जॉर्जिया में जौराबिचविली ने राष्ट्रपति चुनाव को 'पैरोडी' बताया

एजेंसी

जॉर्जिया। जॉर्जिया की राष्ट्रपति सैलोम जौराबिचविली ने शनिवार को होने वाले राष्ट्रपति चुनाव को 'पैरोडी' और 'अवैध' करार दिया है।

गौरतलब है कि सुश्री सैलोम का कार्यकाल 16 दिसम्बर को समाप्त हो रहा है और 300 सांसदों और विभिन्न स्तरों के प्रतिनिधियों का एक समूह संसद भवन में एक नए राष्ट्रपति का चुनाव कराने वाले हैं। इस पद के लिए एकमात्र दावेदार पूर्व फुटबॉल खिलाड़ी एवं वर्तमान सांसद मिखाइल कैवेलशविली हैं, जिन्हें सत्तारूढ़ जॉर्जियाई ड्रीम पार्टी की ओर नामित किया गया है। चुनाव होने पर नए राष्ट्रपति 29 दिसंबर को पदभार ग्रहण करेंगे। गौरतलब है कि जॉर्जियाई राज्य सुरक्षा सेवा ने कहा था कि विदेशी खुफिया सेवाओं की ओर समन्वित विरोध प्रदर्शन के आयोजक राष्ट्रपति चुनाव को बाधित करने की योजना बना रहे हैं।सुश्री ज़ौराबिचविली ने

संवाददाता सम्मेलन में कहा,'मुझे यह भी नहीं पता कि इसे क्या कहा जाए, उकसावे की कार्रवाई या पैरोडी! संभवतः, यह पूरी अवैध प्रक्रिया एक 'पैरोडी'है।' उन्होंने कहा कि आगामी राष्ट्रपति चुनाव जॉर्जियाई लोगों के लिए 'अपमानजनक' है। उन्होंने कहा कि उनका कार्यकाल समाप्त होने के बाद राष्ट्रपति पद छोड़ने का इरादा नहीं है और वे 'अंत तक लोगों के साथ रहेंगी।'

अमेरिकी सेना ने सीरिया में हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिक को देश से बाहर भेजा

वाशिंगटन। अमेरिकी सेना ने सीरिया में कई महीनों से हिरासत में लिए गए अमेरिकी नागरिक ट्रैविस टिमरमैन को देश से बाहर भेज दिया है।अमेरिकी वेबसाइट द हिल ने रक्षा अधिकारियों के हवाले से अपनी रिपोर्ट में यह जानकारी दी। रिपोर्ट में कहा गया है कि टिमरमैन को इस सप्ताह की शुरुआत में दमिश्क की जेल से रिहा किया गया था। रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी सेंट्रल कमांड विदेश विभाग के साथ मिलकर उनकी सुरक्षित घर वापसी की गारंटी दे रहा है, हालांकि उसने विस्तृत जानकारी नहीं दी। टिमरमैन (29) जून में आखिरी बार हंगरी के बुडापेस्ट में देखा गया था। इसके बाद से वह लापता था। रिपोर्ट के अनुसार, उसने खुलासा किया कि वह लेबनान में ईसाई तीर्थयात्रा कर रहा था और सीरियाई सीमा पार कर गया था।

उल्लेखनीय है कि सीरिया के सशस्त्र विपक्ष ने 08 दिसंबर को राजधानी दमिश्क पर कब्ज़ा कर लिया। रूसी अधिकारियों ने कहा कि श्री बशर असद (जिन्होंने 14 साल तक देश पर शासन किया) राष्ट्रपति पद से हट गए और सीरिया छोड़कर रूस चले गए, जहाँ उन्हें शरण दी गई। इसके बाद मोहम्मद अल-बशीर (जिन्होंने हयात तहरीर अल-शाम और अन्य विपक्षी समूहों द्वारा गठित इदलिब-आधारित प्रशासन चलाया था) को 10 दिसंबर को अंतरिम प्रधानमंत्री नामित किया गया।

'समय आ गया है कि अमेरिका कार्रवाई करे', बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमले को लेकर बोले भारतीय अमेरिकी सांसद

एजेंसी

काठमांडू। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदुओं पर हो रहे हमलों के मुद्दे पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि अब समय आ गया है कि अमेरिकी संसद इस मामले पर कार्रवाई करे। शेख हसीना सरकार के सत्ता से बाहर होने के बाद से ही श्री थानेदार लगातार हिंदुओं पर हो रहे हमलों का मुद्दा उठा रहे हैं। गुरुवार को व्हाइट हाउस ने बताया कि राष्ट्रपति जो बाइडन बांग्लादेश की स्थिति पर करीब से नजर रख रहे हैं।बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर अमेरिकी सांसद श्री थानेदार ने कहा, भीड़ ने हिंदू मंदिरों को नष्ट कर दिया। अब समय आ गया कि इसपर अमेरिकी संसद और अमेरिकी सरकार कार्रवाई करें। बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हो रहे अत्याचार को रोकने के लिए हरसंभव उपकरण का अपयोग करने की आवश्यकता है।

बांग्लादेश पर आरोप लगाते हुए थानेदार ने कहा, 1971 में पाकिस्तान से आजादी मिलने के बाद से ही बांग्लादेश में हिंदुओं के खिलाफ हिंसा जारी है। हाल ही में हमने देखा कि एक हिंदू पुजारी को गिरफ्तार कर लिया गया और उसके वकील की हत्या कर दी गई।व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय

सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने एक प्रेस कॉन्फ्रेस में कहा, शेख हसीना सरकार के पतन के बाद बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति कठिन हो गई। हम इस चुनौती से निपटने के लिए कानूनी प्रवर्तन और सुरक्षा सेवाओं की की क्षमता बढ़ाने के लिए अंतरिम सरकार के साथ मिलकर काम कर रहे हैं।

भारतीय अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने सांसद रूबियो से बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों, मुख्य रूप से हिंदुओं के खिलाफ हिंसा के मुद्दे को संबोधित करने का आग्रह किया है।बता दें कि नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शीर्ष राजनयिक पद के लिए सांसद रूबियो को नामित किया है। बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमलों को लेकर हाल ही में बड़ी संख्या में भारतीय-अमेरिकियों ने मार्च निकाला था।

सांबा की पंचायत छज्जवाल में 'स्वीप' के तहत विशेष मतदाता नामांकन शिविर का आयोजन किया

सांबा 14 दिसंबर। ब्लॉक विकास अधिकारी सांबा साकिब शरीफ खान द्वारा व्यवस्थित मतदाता शिक्षा और चुनावी भागीदारी पहल के तहत जिला सांबा के पंचायत घर छज्जवल में एक विशेष मतदाता नामांकन शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य अधिकतम मतदाता भागीदारी सुनिश्चित करना और चल रही विशेष सारांश पुनरीक्षण प्रक्रिया के हिस्से के रूप में मतदाता सूची को अद्यतन करना था।

इस कार्यक्रम में जिला सूचना अधिकारी सांबा, एकशु शर्मा, सहायक श्रम आयुक्त हेमानी जेरथ और बड़ी संख्या में स्थानीय निवासियों ने भाग लिया।

कार्यक्रम के दौरान, अधिकारियों ने नए मतदाता पंजीकरण, सुधार और चुनावी भागीदारी के संबंध में जागरूकता की सुविधा प्रदान की।

नागरिकों से आग्रह किया गया कि वे यह सुनिश्चित करें कि उनका नाम अद्यतन मतदाता सूची में शामिल हो और वे वोट देने के अपने लोकतांत्रिक अधिकार का प्रयोग करें।

विधानसभा अध्यक्ष, शिक्षा मंत्री ने चरार-ए-शरीफनिर्वाचन क्षेत्र का व्यापक दौरा किया

बडगाम 14 दिसंबर। जम्मू-कश्मीर विधानसभा के अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा, समाज कल्याण और शिक्षा मंत्री सकीना इत्तू के साथ बडगाम जिले के चरार-ए-शरीफनिर्वाचन क्षेत्र का व्यापक दौरा किया।

दौरे के दौरान अध्यक्ष और मंत्री ने महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा परियोजनाओं का उद्घाटन किया।

उन्होंने निर्वाचन क्षेत्र में कई स्वास्थ्य सुविधाओं का भी निरीक्षण किया और आम जनता के लिए उपलब्ध स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लिया।

दौरे के दौरान उपायुक्त, बडगाम अक्षय लाब्रू, निदेशक स्कूल शिक्षा कश्मीर, निदेशक समाज कल्याण कश्मीर, निदेशक स्वास्थ्य सेवा कश्मीर, निदेशक कॉलेज जम्मू-कश्मीर, विभिन्न विभागों के विभागाध्यक्ष, जिला अधिकारी और अन्य संबंधित अधिकारी भी अध्यक्ष और मंत्री के साथ थे।

जीडीसी चरार-ए-शरीफ में, अध्यक्ष और मंत्री ने 2.28 रु. करोड़ की अनुमानित लागत से निर्मित इनडोर स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स और सरकारी डिग्री कॉलेज, चरार-ए-शरीफ में 97 रु. लाख की लागत से निर्मित लाइब्रेरी ब्लॉक के विस्तार का उद्घाटन किया। उन्होंने कॉलेज परिसर का भी दौरा किया और कक्षाओं और कॉलेज की अन्य सुविधाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने छात्रों से भी बातचीत की और संस्थान में प्रदान की जा रही शिक्षा की गुणवत्ता के बारे में उनसे ऑनस्पॉट फीडबैक लिया।

सभा को संबोधित करते हुए विधानसभा अध्यक्ष अब्दुल रहीम राथर ने हमारी अगली पीढ़ी के उज्ज्वल भविष्य के निर्माण में शिक्षा के महत्व पर जोर दिया।

उन्होंने कहा कि शिक्षा किसी भी समाज के विकास की आधारशिला है और शिक्षा में निवेश करके, हम अपने बच्चों के लिए एक उज्ज्वल कल की नींव रख रहे हैं।

अध्यक्ष ने छात्रों से इस नव उद्घाटन पुस्तकालय ब्लॉक का सर्वोत्तम उपयोग करने का आह्वान किया।

उन्होंने छात्रों के साथ-साथ चरार-ए-शरीफके स्थानीय लोगों से भी आह्वान किया कि उन्हें शिक्षा के अलावा पाठ्येतर गतिविधियों में भी भाग लेना चाहिए क्योंकि खेल वर्तमान दुनिया में प्रमुख पेशे के रूप में उभर रहा है।

इस अवसर पर बोलते हुए, सकीना ने कहा कि गतिशील मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला के नेतृत्व वाली हमारी सरकार आम जनता के कल्याण के लिए प्रतिबद्ध है।

उन्होंने कहा, हमारी सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है कि प्रत्येक नागरिक को, चाहे वे कहीं भी रहते हों, उन अवसरों तक पहुंच मिले जो उन्हें उनकी समृद्धि और प्रगति की ओर ले जाएंगे।

इस अवसर पर मंत्री ने कॉलेज के प्राचार्य और संकाय सदस्यों से कॉलेज में छात्रों की संख्या में कमी के कारणों का समाधान करने का आह्वान किया।

उन्होंने छात्रों को उद्घाटन किए गए पुस्तकालय ब्लॉक के साथ-साथ इनडोर खेल सुविधा का सर्वोत्तम उपयोग करने की भी सलाह दी।

सकीना इत्तू ने निदेशक कॉलेजों से संस्थान को कॉलेज बस उपलब्ध कराने की व्यवहार्यता पर भी ध्यान देने को कहा क्योंकि कॉलेज में कई दूर-दराज के क्षेत्रों से छात्र आते हैं।

उन्होंने निदेशक स्वास्थ्य सेवाओं से छात्रों के कल्याण के लिए कॉलेज परिसर में एक प्राथमिक चिकित्सा इकाई स्थापित करने के लिए भी कहा।

मंत्री ने अपने संबोधन में कॉलेज प्रशासन, छात्रों और जनता को आश्वासन दिया कि बातचीत के दौरान उठाए गए मुद्दों को संबंधित हलकों द्वारा तुरंत हल किया जाएगा।

बाद में, अध्यक्ष ने मंत्री के साथ एसडीएच चरार-ए-शरीफ और एसडीएच पखेरपोरा का दौरा किया और स्थानीय लोगों के लिए उपलब्ध चिकित्सा देखभाल सेवाओं का जायजा लिया।

उन्होंने सुविधाओं के विभिन्न वार्डों का निरीक्षण किया और इस अवसर पर डॉक्टरों और पैरामेडिक्स के साथ बातचीत भी की।

उन्होंने मरीजों और उनके परिचारकों के साथ भी बातचीत की और सुविधाओं में प्रदान की जा रही सेवाओं के बारे में उनसे ऑनस्पॉट फीडबैक लिया।

उपायुक्त ने कॉलेजों के विकासात्मक मुद्दों का निवारण किया

पुंछ 14 दिसंबर। उपायुक्त विकास कुंडल ने पुंछ जिले के कॉलेजों के सामने आने वाली विभिन्न विकासात्मक चुनौतियों की समीक्षा की।

बैठक में संबंधित अधिकारी एकत्र हुए जिन्होंने छात्रावास निर्माण के लिए भूमि अधिग्रहण, जल निकासी की समस्या, चारदीवारी निर्माण आदि सहित अपने-अपने मुद्दे प्रस्तुत किए।

बैठक के दौरान, उपायुक्त ने घोषणा की कि मंडी कॉलेज के लिए भूमि आधिकारिक तौर पर 3 जनवरी, 2025 को प्रदान की जाएगी। उन्होंने मेंढर कॉलेज में चारदीवारी के निर्माण की तत्काल आवश्यकता पर जोर दिया, और संबंधित कार्यकारी अभियंता को प्रक्रिया में तेजी लाने का निर्देश दिया। इसके अतिरिक्त, उपायुक्त ने मेंढर और सुरनकोट डिग्री कॉलेज दोनों में लड़कों और लड़कियों के छात्रावास की स्थापना के लिए 10 कनाल अतिरिक्त भूमि के आवंटन का खुलासा किया। उपायुक्त ने संबंधित कार्यकारी अभियंता को यह सुनिश्चित करने का भी निर्देश दिया कि राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के तहत जी.1 संरचना एक महीने के भीतर पूरी हो जाए, जो क्षेत्र में शैक्षिक बुनियादी ढांचे को बढ़ाने के लिए प्रशासन की प्रतिबद्धता को उजागर करता है।

ग्रामीण महिलाओं के लिए नाबार्ड की योजनाएं

1. महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और सहकारी बैंक, महिला स्वयं सहायता समूहों को 3 लाख रुपये तक के ऋण 7त्न ब्याज़ दर पर देते हैं. 3 लाख रुपये से ज़्यादा और 5 लाख रुपये तक के ऋण के लिए, 1 साल के एमसीएलआर या किसी अन्य न्यूनतम सीमा या 10त्न में से जो भी कम हो, उस ब्याज़ दर पर ऋण दिया जाता है. राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण देने के लिए कई तरह के तरीके अपनाता है:- नाबार्ड, क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों को महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण देने के लिए पुनर्वित्त करता है. नाबार्ड, महिला स्वयं सहायता समूहों के लिए सूक्ष्म उद्यम विकास कार्यक्रम और आजीविका और उद्यम विकास कार्यक्रम जैसे कार्यक्रम चलाता है.

नाबार्ड, भारत सरकार की महिला स्वयं सहायता समूह योजना का कार्यान्वयन गैर-सरकारी संगठनों के ज़रिए करता है.

नाबार्ड, फ़ेडरेशन जैसे दूसरे स्तर के संगठनों को भी ऋण देता है.

नाबार्ड से जुड़ी कुछ और जानकारी:

नाबार्ड, प्रत्यक्ष ऋण नहीं देता.

नाबार्ड, वित्त क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों और सहकारी बैंकों को दी जाने वाली वित्तीय सहायता को नाबार्ड पुनर्वित्त कहते हैं.

नाबार्ड, पशुपालन सब्सिडी भी देता है. अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लोगों को इस योजना के तहत 4.40 लाख रुपये तक की सब्सिडी मिलती है.

2. सूक्ष्म ऋण नवाचार योजना

इस योजना के तहत, महिला उद्यमियों को प्रशिक्षण दिया जाता है और उन्हें बैंकों से ऋण के ज़रिए कारोबार शुरू करने में मदद की जाती है.

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक नाबार्ड के सूक्ष्म ऋण नवाचार विभाग के ज़रिए महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण देने के लिए, नाबार्ड फ़ाइनेंशियल सर्विसेज़ लिमिटेड का इस्तेमाल किया जाता है:-

एनएबीएफ़आईएनएस, अपने प्रशिक्षित व्यवसाय और विकास संवाददाताओं (बीडीसी) के ज़रिए स्वयं सहायता समूहों को ऋण देता है. एनएबीएफ़आईएनएस, फ़ेडरेशन जैसे दूसरे स्तर के संगठनों को भी ऋण देता है.

नाबार्ड, एनएबीएफ़आईएनएस को पुनर्वित्त सहायता देता है.

नाबार्ड के सूक्ष्म ऋण नवाचार विभाग का काम, समाज के अंतिम छोर तक वित्तीय सेवाएं पहुंचाने के लिए सही उत्पाद और वितरण प्रणालियों को तैयार करना है. 3. ग्रामीण बाज़ार:-

इस योजना के तहत, ग्रामीण समुदाय, खासकर महिलाओं और कमज़ोर वर्गों द्वारा बनाए गए घरेलू उत्पादों को बाज़ार में पहुंचाने में मदद की जाती है. राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक ग्रामीण बाज़ार के लिए महिला स्वयं सहायता समूहों को ऋण इस तरह दिया जाता है:-

क्षेत्रीय ग्रामीण बैंक और राज्य सहकारी बैंक, महिला स्वयं सहायता समूहों को 3 लाख रुपये से ज़्यादा और 5 लाख रुपये तक का ऋण देते हैं. इस ऋण पर ब्याज़ दर, 1 साल के एमसीएलआर या ऋण वितरण की किसी दूसरी बेंचमार्क दर या 10त्न प्रतिवर्ष में से जो भी कम हो, वह लागू होती है.

ऋण पाने के लिए, स्वयं सहायता समूहों को इन मानदंडों को पूरा करना होता है

पिछले 6 महीनों में समूह सक्रिय रूप से अस्तित्व में होना चाहिए. समूह को पंच सूत्रों का पालन करना चाहिए. यानी, नियमित बैठकें करनी, नियमित बचत करनी, नियमित रूप से आंतरिक उधार देना, समय पर चुकौती करना, और खाता बहियों का अद्यतन रखना. नाबार्ड द्वारा तय ग्रेडिंग के मानदंडों के मुताबिक अर्हताप्राप्त होना. ऋण चुकाने के लिए, मंज़ूरी पत्र में बताई गई चुकौती अनुसूची का पालन करना होता है.

4. ग्रामीण व्यवसाय उद्भवन केंद्र (आरबीआईसी)

इस योजना के तहत, कृषि उद्यमियों को व्यवसाय सहयोग सेवाएं, संसाधन, विपणन, और वित्त उपलब्ध कराया जाता है. कृषि उद्यमियों के लिए एक समर्थनकारी पारिस्थितिकी विकसित करने के लिए नाबार्ड ने 2017-18 में ग्रामीण व्यवसाय उद्भवन केन्द्रों की स्थापना के लिए सहायता शुरू की. इस नीति में यह परिकल्पना थी कि पात्र संस्थाओं, जैसे कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं (मेजबान संस्था) को आरबीआईसी की स्थापना के लिए, और पाँच वर्ष तक काम करने के लिए पात्र परिचालन व्यय को पूरा करने के लिए सहायता दी जाए. यह अधिक संख्या में कृषि स्टार्ट-अप, कृषि और ग्रामीण उद्यमियों और उद्यमों के संवर्धन की ओर उठाया गया एक कदम था. नाबार्ड से सहायता-प्राप्त ये केंद्र विभिन्न कार्यक्षेत्रों, जैसे सिंचाई, बीज उत्पादन, जैव कीटनाशक, जैव उर्वरक, प्रिसीज़न फार्मिंग, कृषि-प्रसंस्करण, विपणन, जैव ईंधन, पेय जल, स्वच्छता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि में काम करने वाले कृषि स्टार्ट-अप, कृषि-उद्यमी, कृषक, कृषक उत्पादक संगठन आदि का संपोषण करते हैं. ये उद्भवन केंद्र कृषि स्टार्ट-अप्स और कृषि-उद्यमियों को व्यवसाय सहयोग सेवाएँ और संसाधन, विपणन और वित्त उपलब्ध कराते हैं ताकि वे व्यवहार्य वाणिज्यिक संस्थाओं के रूप में विकसित हो सकें जिनसे किसानों को प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ मिल सकें.नाबार्ड के उद्भवनकर्ताओं/ सहायक संस्थाओं को उत्प्रेरक पूँजी सहायता योजना का उद्देश्य नाबार्ड के उद्भवन केन्द्रों और नाबार्ड की सहायक संस्थाओं को सहायता देना है ताकि वे आगे कृषि और कृषीतर क्षेत्रों के स्टार्ट-अप्स को उनके महत्वपूर्ण आरंभिक चरण (वैली ऑफ़ डेथ) के दौरान सहयोग दे सकें ताकि वे विचारों और आविष्कारों को वाणिज्यिक रूप देने के लिए प्रेरित हों और इस तरह ग्रामीण क्षेत्रों में एक नए उद्यम का निर्माण हो सके, लोगों को रोजगार मिल सके और आय-अर्जक गतिविधियाँ शुरू हों.

ग्रामीण कृषीतर क्षेत्र विकास के लिए नाबार्ड की पुनर्वित्त तथा संवर्धनात्मक योजनाएँ

ग्रामीण कृषीतर क्षेत्र का विकास इस परिप्रेक्ष्य में महत्वपूर्ण हो जाता है कि वैकल्पिक आजीविका उपलब्ध कराकर और इस प्रकार लघु और सीमान्त किसानों तथा कृषि श्रमिकों के शहरों की ओर बड़े पैमाने पर हो रहे पलायन को कम करते हुए ग्रामीण भारत की कृषि पर अत्यधिक निर्भरता को कम करना नितांत आवश्यक है.

गत तीन दशकों में नाबार्ड ने ग्रामीण कृषीतर क्षेत्र के विकास के लिए अनेक पुनर्वित्त तथा संवर्धनात्मक योजनाएँ तैयार की हैं और फील्ड स्तर की आवश्यकताओं के अनुरूप उन्हें विस्तार देने तथा उनमें परिमार्जन लाने के लिए निरंतर प्रयास किया है. ऋण प्रवाह बढ़ाने, जहाँ ऋण सुविधा नहीं पहुँची है, वहाँ ऋण उपलब्ध कराने, और ग्रामीण क्षेत्रों के विकेंद्रीकृत सेक्टर में लघु, कुटीर और ग्रामोद्योगों, हथकरघा, हस्तशिल्प और अन्य ग्रामीण शिल्पों तथा सेवा क्षेत्र में लिंकेज की व्यवस्था करने पर अधिक ध्यान केन्द्रित किया गया है.

ग्रामीण कृषीतर क्षेत्र के लिए बाजार विकसित करने के साथ-साथ ग्रामीण युवाओं और महिलाओं में उद्यमिता की संस्कृति और अपेक्षित कौशल विकसित करना नाबार्ड के लिए एक प्राथमिकता क्षेत्र रहा है. कृषि और कृषीतर क्षेत्रों में नवोन्मेष को बढ़ावा देने में भी नाबार्ड की सक्रिय भागीदारी रही है.

2. कृषीतर विकास विभाग के कार्य

ग्रामीण कृषीतर क्षेत्र के अंतर्गत आजीविका सृजित/ आजीविका में वृद्धि करने वाली गतिविधियों के संवर्धन के लिए समाधान उपलब्ध कराना. नाबार्ड का प्रधान कार्यालय योजनाओं की रूपरेखा तैयार करता है, बजट का अनुमोदन करता है, क्षेत्रीय कार्यालयों का मार्गदर्शन करता है, परियोजनाओं का अनुप्रवर्तन करता है.

नाबार्ड के क्षेत्रीय कार्यालय फील्ड स्तर पर परियोजनाओं को कार्यान्वित करते हैं.

परियोजना की प्रकृति, उसके अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों, शामिल हितधारक आदि के आधार पर अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता उपलब्ध कराना.

ग्रामीण हाट, ग्रामीण मार्ट, प्रदर्शनियों आदि को अनुदान सहायता देकर ग्रामीण कारीगरों की विपणन गतिविधियों में सहयोग देना.

सामूहिक व्यवसाय गतिविधियाँ चलाने, क्षमता निर्माण करने और बाजार लिंकेज विकसित करने के लिए कृषीतर उत्पादक संगठनों (ओएफपीओ) के गठन के लिए ग्रामीण कारीगरों को सहयोग देना.

अपने उत्पादों को भौगोलिक संकेतक (जीआई) अंतर्गत पंजीकृत कराने के लिए कारीगरों को सहयोग देना जिससे उत्पादकों को कानूनी संरक्षण प्राप्त होता है, निर्यात बढ़ता है और उनकी आर्थिक समृद्धि को बढ़ावा मिलता है.

ग्रामीण व्यवसाय उद्भवन केन्द्रों, डीपीआर आधारित परियोजनाओं आदि के माध्यम से कृषीतर क्षेत्र में नवोन्मेष को सहयोग देना.

विद्यमान नीति के अनुसार, नाबार्ड ग्रामीण कृषीतर क्षेत्र में आजीविका सृजित करने वाली या उनमें वृद्धि करने वाली गतिविधियों के संवर्धन के लिए आद्योपांत समाधान उपलब्ध कराने हेतु वित्तीय सहयोग देता है. ग्रामीण कृषीतर क्षेत्र के अंतर्गत किसी भी परियोजना की व्यवहार्यता के लिए यह अपेक्षित है कि उसमें संभाव्यता सर्वे, क्षमता निर्माण, सहयोगी सेवाएँ, विपणन पहलू आदि शामिल हों. परियोजना की प्रकृति, उसके अंतर्गत की जाने वाली गतिविधियों, शामिल हितधारकों आदि के आधार पर अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता उपलब्ध कराई जाती है.

1. कौशल विकास पहल

भारत सरकार के लक्ष्य के अनुरूप नाबार्ड ने कौशल विकास के क्षेत्र में काम कर रहे अनेक हितधारकों के माध्यम से माँग और परिणाम पर आधारित कार्यक्रमों के जरिये ग्रामीण क्षेत्र में कौशल की कमी से निपटने के लिए एक संरचित पद्धति विकसित की है जो परिणाम में पारिश्रमिक/ स्वरोजगार की ओर ले जाती है. नाबार्ड ऐसी परियोजनाओं पर विचार करता है जिनमें कार्यान्वयक एजेंसी कम-से-कम 60त्न की नियोजन दर (नौकरी या स्वरोजगार) की प्रतिबद्धता व्यक्त करती है. परियोजनाएँ परिणाम से जुड़ी है और पोर्टल से संचालित हैं nab-skillnabard.com.

उद्यमिता और कौशल विकास प्रयासों को संस्थागत रूप देने की कोशिश में नाबार्ड विशेषज्ञ संस्थाओं, नामत: रुडसेटी या रुडसेटी प्रकार की और आरसेटी संस्थाओं के माध्यम से वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है जो ग्रामीण युवाओं का विभिन्न कौशलों में उद्यमिता विकास करती हैं और उन्हें प्रशिक्षण देती हैं जिनसे आजीविका के बेहतर अवसर सृजित होते हैं. नाबार्ड द्वारा निर्धारित मानदंडों का पालन करने वाली संस्थाओं को अनुदान दिया जाता है. कौशल प्रयासों को व्यापक आधार देने के उद्देश्य से आरसेटी/ रुडसेटी के अतिरिक्त नए प्रकार की साझेदार एजेंसियों (एनएसडीसी से सहबद्ध प्रशिक्षण संस्थाओं, सरकारी एजेंसियों, सीएसआर के अंतर्गत कंपनियों, एनजीओ, ट्रस्टों और अन्य स्वैच्छिक एजेंसियों) को शामिल किया गया है ताकि समाज के अलग-अलग खण्डों की कौशल आवश्यकताओं की पूर्ति की जा सके. कठिन और अल्पविकसित क्षेत्रों, जैसे पूर्वोत्तर क्षेत्र, जम्मू और कश्मीर, लद्दाख, पर्वतीय राज्यों, द्वीपीय संघराज्य क्षेत्रों आदि तक पहुँचने के लिए सम्मिलित प्रयास किए जाते हैं. नाबार्ड के कौशल सहयोग के अंतर्गत केवल पारंपरिक कौशलों, जैसे सिलाई, वेल्डिंग, बढ़ईगिरी आदि के प्रशिक्षण पर ही ध्यान केन्द्रित नहीं किया जाता बल्कि कंप्यूटर कौशल, इलेक्ट्रोनिक्स, ड्रोन परिचालन, जेनरल ड्यूटी सहायता जैसे नए युग के कौशल भी शामिल किए जाते हैं.

2. कृषीतर उत्पादक संगठन (ओएफपीओ)

कृषीतर गतिविधि क्लस्टरों के कारीगरों और बुनकरों को एक औपचारिक पंजीकृत संस्था के रूप में संगठित करने और उत्पादकों को क्षमता निर्माण, व्यवसाय आयोजना, बाजार लिंकेज, डिजाइन विकास अदि के माध्यम से सामूहिक व्यवसाय शुरू करने में सहयोग देने के लिए वर्ष 2016-17 के दौरान कृषीतर उत्पादक संगठन (ओएफपीओ) के गठन और संपोषण की योजना आरम्भ की गई. इस योजना के अंतर्गत किसी पात्र संस्था को उत्पादक संगठन संवर्धन संस्था के रूप में काम करने के लिए सहायता दी जाती है ताकि वह सामूहिक रूप से व्यवसाय करने के लिए कृषीतर क्षेत्र के उत्पादकों को साथ ला सके ताकि वे बड़े पैमाने पर मोलभाव करने की बेहतर ताकत, सुविधाओं और व्यवसाय अवसरों के साथ कारोबार कर सकें.

ओएफडीडी मंजूर किए गए कृषीतर उत्पादक संगठनों के साथ बार-बार प्रयास करता है कि वे डिजिटल कॉमर्स के ओपन नेटवर्क (ओएनडीसी) पर ऑन-बोर्ड करें ताकि उनके सभी उत्पादों की पहुँच व्यापक हो और वे अंतिम उपभोक्ताओं तक पहुँच सकें.

3. भौगोलिक संकेतक

भौगोलिक संकेतक (जीआई) बौद्धिक सम्पदा अधिकार का एक रूप है जिसका मूल कोई विशिष्ट भौगोलिक स्थान होता है. नाबार्ड पंजीकरण से पूर्व और पश्चात् की गतिविधियों के लिए अनुदान सहायता देता है. सुविधाप्रदाता एजेंसियों को भी ऐसे उत्पादों की पहचान के लिए वित्तीय सहायता दी जाती है जिनमें जीआई पंजीकरण की सम्भावना हो, और बाद में जीआई उत्पाद के रूप में पंजीकरण के लिए भी सहयोग दिया जाता है. इसी प्रकार, नाबार्ड प्राधिकृत उपयोगकर्ता के रूप में उत्पादकों के पंजीकरण में भी सहयोग देता है जिसके माध्यम से पंजीकृत जीआई के उपयोग का सम्पूर्ण अधिकार मिलता है. जीआई पंजीकरण से कारीगरों को अच्छ दाम मिलने में सहयोग मिलता है.

कुछ प्रमुख उत्पाद जिनके जीआई पंजीकरण में नाबार्ड का सहयोग मिला है, इस प्रकार हैं:- निज़ामाबाद ब्लैक पॉटरी (उत्तर प्रदेश), गुलाबी मीनाकारी (उत्तर प्रदेश), लद्दाख काष्ठ उत्कीर्णन (जम्मू और कश्मीर), उडुपी साड़ी (कर्नाटक), कठपुतली (राजस्थान), रिंगाल शिल्प (उत्तराखंड) आदि.

4. विपणन प्रयास

कारीगर अपने उत्पादों का विपणन कर सकें और भविष्य में अपने उत्पादों की बेहतर कीमत प्राप्त करने के लिए बाजार से सीधे प्राप्त फीडबैक से सीख सकें, इसके लिए चयनात्मक आधार पर अनुदान के रूप में वित्तीय सहायता दी जाती है.

क) ग्रामीण हाट

नाबार्ड नए ग्रामीण हाटों की स्थापना और विद्यमान ग्रामीण हाटों में आधारभूत संरचना सुविधाओं के सृजन के लिए सहायता उपलब्ध कराता है जो ग्रामीण समुदायों को कृषि और कृषीतर उत्पादों की खरीद-बिक्री के लिए उनकी पहुँच में स्थानीय बाजार उपलब्ध कराता है. ग्रामीण हाट उत्पादक संगठनों, ग्राम वाटरशेड और आदिवासी विकास समितियों के लिए फॉरवर्ड लिंकेज के रूप में उभरे हैं.

ख) ग्रामीण मार्ट

संभाव्यता वाले स्थानों पर ग्रामीण मार्ट की स्थापना के लिए आरंभिक चरण में निहित जोखिम को पूरा करने के लिए परिचालनगत व्यय के समक्ष वित्तीय सहायता दी जाती है. नाबार्ड मोबाइल वैन के लिए भी पैक्स और अपने द्वारा समर्थित एफपीओ और ओएफपीओ को सहयोग देता है. इस सहायता से उत्पादक अपने उत्पाद को दूर-दराज के इलाकों में ग्राहकों के दरवाजे पर पहुँच कर बेच सकते हैं.

ग) प्रदर्शनियाँ/ मेले

नाबार्ड ग्रामीण कारीगरों, बुनकरों और उत्पादकों को सहयोग देता है और प्रदर्शनियों और मेलों के माध्यम से उन्हें अपने परम्परागत कला शिल्प और उत्पादों के विपणन के लिए प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराता है जहाँ वे अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर सकते हैं और बिना किसी बिचौलिए के सीधे ग्राहकों को बेच भी सकते हैं.

नाबार्ड स्वतन्त्र रूप से और अन्य प्रमुख साझेदारों के साथ मिलकर प्रदर्शनियों के आयोजन के लिए सहयोग देता है. भारत में विभिन्न स्थानों पर प्रदर्शनियों में सहभागिता के लिए जाने में समर्थ बनाने के लिए भी नाबार्ड कारीगरों और उत्पादकों को अनुदान सहायता देता है.

घ) मॉल में स्टाल

इस योजना के अंतर्गत कारीगरों, बुनकरों और विभिन्न सहयोगों के अंतर्गत नाबार्ड से सहायता-प्राप्त ओएफपीओ, एफपीओ, एसएचजी, जेएलजी आदि के सदस्यों को एक प्लेटफॉर्म उपलब्ध कराया जाता है ताकि वे अपने उत्पादों को प्रदर्शित कर सकें, बाजार की माँग और ग्राहकों की पसंद को समझ सकें, अपने उत्पादों में तदनुसार सुधार कर सकें और शहरी उपभोक्ताओं के साथ व्यवहार करने का अनुभव भी ले सकें. नाबार्ड प्रसिद्ध मॉलों, स्टोरों, बाजार संकुलों, प्रतिष्ठित होटलों, ख्यात परिसरों (सरकारी या निजी) और ऐसे स्थानों जहाँ बड़ी संख्या में लोग आते हों, स्टाल किराये पर लेने या अस्थायी स्टाल खड़ा करने के लिए वित्तीय सहायता उपलब्ध कराता है.

5. ग्रामीण व्यवसाय उद्भवन केंद्र (आरबीआईसी)

कृषि उद्यमियों के लिए एक समर्थनकारी पारिस्थितिकी विकसित करने के लिए नाबार्ड ने 2017-18 में ग्रामीण व्यवसाय उद्भवन केन्द्रों की स्थापना के लिए सहायता शुरू की. इस नीति में यह परिकल्पना थी कि पात्र संस्थाओं, जैसे कृषि विश्वविद्यालयों और अन्य प्रतिष्ठित संस्थाओं (मेजबान संस्था) को आरबीआईसी की स्थापना के लिए, और पाँच वर्ष तक काम करने के लिए पात्र परिचालन व्यय को पूरा करने के लिए सहायता दी जाए. यह अधिक संख्या में कृषि स्टार्ट-अप, कृषि और ग्रामीण उद्यमियों और उद्यमों के संवर्धन की ओर उठाया गया एक कदम था.

नाबार्ड से सहायता-प्राप्त ये केंद्र विभिन्न कार्यक्षेत्रों, जैसे सिंचाई, बीज उत्पादन, जैव कीटनाशक, जैव उर्वरक, प्रिसीज़न फार्मिंग, कृषि-प्रसंस्करण, विपणन, जैव ईंधन, पेय जल, स्वच्छता, ऊर्जा, स्वास्थ्य, शिक्षा आदि में काम करने वाले कृषि स्टार्ट-अप, कृषि-उद्यमी, कृषक, कृषक उत्पादक संगठन आदि का संपोषण करते हैं. ये उद्भवन केंद्र कृषि स्टार्ट-अप्स और कृषि-उद्यमियों को व्यवसाय सहयोग सेवाएँ और संसाधन, विपणन और वित्त उपलब्ध कराते हैं ताकि वे व्यवहार्य वाणिज्यिक संस्थाओं के रूप में विकसित हो सकें जिनसे किसानों को प्रत्यक्ष या परोक्ष लाभ मिल सकें. योजना का उद्देश्य नाबार्ड के उद्भवन केन्द्रों और नाबार्ड की सहायक संस्थाओं को सहायता देना है ताकि वे आगे कृषि और कृषीतर क्षेत्रों के स्टार्ट-अप्स को उनके महत्वपूर्ण आरंभिक चरण (वैली ऑफ़ डेथ) के दौरान सहयोग दे सकें ताकि वे विचारों और आविष्कारों को वाणिज्यिक रूप देने के लिए प्रेरित हों और इस तरह ग्रामीण क्षेत्रों में एक नए उद्यम का निर्माण हो सके, लोगों को रोजगार मिल सके और आय-अर्जक गतिविधियाँ शुरू हों.

6. डीपीआर मोड की परियोजनाएँ

कृषीतर क्षेत्र की जिन विकास परियोजनाओं को डीपीआर मोड की विद्यमान योजनाओं के अंतर्गत शामिल नहीं किया जा सकता उन्हें नाबार्ड सहायता देता है. इसके तहत नवोन्मेषी परियोजनाओं को बड़े पैमाने पर करने, कृषीतर मूल्य श्रृंखला को बढ़ावा देने, नवोन्मेष को व्यवसाय के स्तर तक ले जाने आदि के लिए सहायता दी जाती है.

Source: नाबार्ड। साइट द्वारा स्पेंता मल्टीमीडिया